नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 15

सोमवार, 25 से 31 मई 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

मुख्यमंत्री ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, मजिस्ट्रियल जांच के आदेश 03

राहुल गांधी ने सीबीएसई छात्रों से बात की 08

NCR समाचार

वैभव सूर्यवंशी विशेष प्रतिभा : सचिन 10

अब बॉट्स का जमाना.... 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

पुलिसिया अंदाज में करिश्मा कपूर ने की वापसी 12

लोगों के प्रेरणादायी कार्यों की शक्ति से निरंतर आगे बढ़ रहा है देश : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश के गांवों और शहरों में ऐसे अनेक प्रेरणादायी कार्य हो रहे हैं जिनसे यह विश्वास मजबूत होता है कि देश लोगों की शक्ति से निरंतर आगे बढ रहा है।

श्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेड़ियो कार्यक्रम' मन की बात' की 134 वीं कड़ी में इसी तरह के अनेक प्रेरणादायी कार्यों का उल्लेख करते हुए लोगों से इनकी सराहना करने तथा इनसे जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा, भारत के हर गाँव में, हर शहर में, कुछ-न-कुछ ऐसा हो रहा है जो हमें प्रेरणा देता है। कई बार, इन प्रयासों की ज्यादा चर्चा नहीं होती, लेकिन जब हम इन्हें जानते हैं, तो ये विश्वास और मजबूत होता है, कि देश, अपने लोगों की शक्ति से आगे बढ़ रहा है। मेरा आपसे आग्रह है, अपने आसपास ऐसे प्रयासों को जरूर देखिए। जो लोग समाज के लिए अच्छा काम कर रहें हैं, उन्हें पहचानिए, उनकी सराहना कीजिए, उनसे सीखिए, और हो सके तो खुद भी किसी अच्छे काम से जुड़िए।"

श्री मोदी ने तमिलनाडु के नागरकोइल में एक शिक्षिका गिरिजा अम्मा के साथ अपनी मुलाकात को साझा करते हुए कहा कि गिरिजा अम्मा जी करीब 15 स्कूल चलाती हैं। इनमें चेन्नई का जयगोपाल गरोडिया हिन्दू विद्यालय बहुत प्रमुख है। उनकी देशभक्ति की भावना हर भारतवासी को प्रेरित करने वाली है। उन्होंने 'मन की बात' से प्रेरणा लेकर देश के अनेक सैनिकों के लिए योगदान का संकल्प लिया। इसके लिए उन्होंने अपने सभी स्कूलों के को प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे वीर जवानों के लिए हर दिन एक रुपया योगदान दें। यानी एक साल में हर छात्र की ओर से 365 रुपये जमा हुए। इस छोटे-छोटे योगदान से करीब 40 लाख रुपये इकट्ठा हुए।

प्रधानमंत्री ने कहा,"गिरिजा अम्मा जी ने इस पूरी राशि का चेक मुझे सौंपा। उनसे बातचीत के दौरान मैंने महसूस किया कि माँ भारती के प्रति उनका समर्पण कितना गहरा है। पिछले वर्ष ही चेन्नई के पहले हिन्दू विद्यालय ने अपने 50 वर्ष पूरे किए हैं। देश की शिक्षा और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाने में इस स्कूल नेटवर्क की भूमिका बहुत प्रशंसनीय है।" उन्होंने केरलम के आलुवा में, साजी वलाशेरिल द्वारा चलाये जा रहे निशुल्क स्वीमिंग क्लब का भी उल्लेख किया और कहा कि यहां अब तक 15 हजार से ज्यादा लोग यहाँ तैरना सीख चुके हैं । विशेष बात यह है कि श्री साजी जी ने दिव्यांग बच्चों को भी तैराकी सिखाई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "साजी वलाशेरिल जी का जीवन, हमें एक बहुत बड़ी सीख देता है। सेवा करने के लिए बहुत बड़े साधन जरूरी नहीं होते-जरूरी होता है, एक अच्छा इरादा और लगातार किया गया प्रयास। इन्हीं के दम पर, हजारों लोगों के जीवन में बदलाव लाया जा सकता है।" श्री मोदी ने उत्तर प्रदेश में गंगा डोल्फिन को बचाने की कोशिश से जुड़े एक चर्चित वीडियो का भी अपने कार्यक्रम में जिक्र किया और कहा कि करीब 13 घंटे चले अभियान के बाद आखिरकार वह डोल्फिन बच गई। उन्होंने कहा कि इस अभियान में भारत की पहली गंगा डोल्फिन बचाव एम्बुलेंस की भूमिका का उल्लेख किया। इस डोल्फिन को ठीक होने के बाद एक बार फिर राप्ती नदी में छोड़ा गया।

मोदी ने छात्रों का एस्ट्रोनॉमी क्लबों से जुड़ने का आह्वान किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में एस्ट्रोनॉमी क्लबों की बढ़ती लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए छात्रों से अपनी रूचि के अनुसार इन क्लबों से जुड़ने का आह्वान किया है। श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात ' में कहा कि देशभर में बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, स्कूलों से लेकर पार्कों तक एस्ट्रोनॉमी क्लब तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। उन्होंने कहा, "आज के युवाओं में भी इसे लेकर काफी उत्साह दिखाई देता है। मुझे बेंगलुरू एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के बारे में जानकारी मिली। यहां विशेष सत्र आयोजित किए जाते हैं। इस संस्था ने ग्रामीण क्षेत्रों में एस्ट्रोनॉमी को लोकप्रिय बनाने का मिशन भी शुरू किया है। 'खगोल मण्डल' नाम की एक टीम ने 30 घंटे का एक बहुत नया कोर्स शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह अशोक केरल नाम की एक संस्था रात्रि शिविर और कायार्शाला आयोजित करती है। यहां युवा साथी टेलीस्कोप बनाना और स्टार मैप का इस्तेमाल करना सीखते हैं। राजकोट के बिग बैंग एस्ट्रोनॉमी क्लब ने गिर के जंगलों से लेकर कच्छ के रण तक अनेक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। 'ज्योतिर्विद्या परिसंस्था' भी इस विषय के सबसे पुराने संस्थानों में से एक है। यहां किताबें, पुस्तकालय और टेलीस्कोप लाइब्रेरी की सुविधा भी है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनी आईपीएल 2026 की बादशाह, लगातार दूसरी बार जीता खिताब

अहमदाबाद, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरे वर्ष इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब अपने नाम कर लिया। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी बेंगलुरु ने गुजरात को निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 155 रन के स्कोर पर रोक दिया। जवाब में बेंगलुरु ने 18 ओवर में 5 विकेट खोकर 161 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। जीत का शॉट स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के बल्ले से निकला, जिन्होंने छक्का लगाकर मैच समाप्त किया।

कोहली के बल्ले से चैंपियन जैसी पारी

156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेंगलुरु को वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली ने तेज शुरूआत दिलाई। अय्यर ने 16 गेंदों में 32 रन बनाकर टीम को मजबूत आधार दिया। हालांकि इसके बाद देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार और क्रुणाल पंड्या जल्दी-जल्दी आउट हो गए।

एक छोर पर डटे विराट कोहली ने जिम्मेदारी भरी बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों में नाबाद 75 रन बनाए। उनकी पारी में कई आकर्षक चौके-छक्के शामिल रहे। टिम डेविड ने 24 रन की उपयोगी पारी खेलकर उनका अच्छा साथ दिया। अंत में जितेश शर्मा के साथ मिलकर कोहली ने टीम को जीत की मंजिल तक पहुंचाया।

सुंदर ने संभाली गुजरात की लड़खड़ाती पारी

इससे पहले गुजरात की शुरूआत बेहद खराब रही। कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन और निशांत सिंधु सस्ते में पवेलियन लौट गए। जोस बटलर भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे।

मध्यक्रम में वाशिंगटन सुंदर ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए 37 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। उनकी बदौलत गुजरात सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी, लेकिन टीम बड़ा लक्ष्य खड़ा करने में सफल नहीं रही।

रसिख ने गेंद से मचाया धमाल

बेंगलुरु की ओर से रसिख सलाम दार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 27 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। भुवनेश्वर कुमार और जोश हैजलवुड ने 2-2 विकेट लेकर गुजरात की बल्लेबाजी पर दबाव बनाए रखा। लगातार दूसरी बार खिताब जीतकर बेंगलुरु ने आईपीएल में अपना दबदबा कायम रखा और एक बार फिर साबित किया कि बड़े मुकाबलों में टीम का अनुभव और संतुलन उसे अलग पहचान दिलाता है।

ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम एवं मणिपुर में एसआईआर शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तीसरे चरण के तहत गणना चरण शुरू कर दिया है।

आयोग की रविवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि इन चार राज्यों में यह अभियान 30 मई से शुरू हो चुका है। जिन पात्र मतदाताओं के फॉर्म 28 जून या उससे पहले अधिकारी के पास जमा हो जाएंगे, उनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किये जाएंगे। जो लोग इस तारीख तक फॉर्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे बाद में दावा और आपत्ति अवधि के दौरान ह्यफॉर्म 6ह्ल के जरिए आवेदन कर सकते हैं। अभियान के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर फॉर्म उपलब्ध करा रहे हैं। मतदाता इन फॉर्मों को बीएलओ के पास या ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। नये मतदाताओं के लिए बीएलओ अपने साथ खाली फॉर्म-6 और घोषणा पत्र भी रखेंगे।राजनीतिक दलों की भागीदारी बढ़ाने के लिए आयोग ने मान्यता प्राप्त दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को जनता से प्रतिदिन अधिकतम 50 फॉर्म एकत्र कर बीएलओ को सौंपने की अनुमति दी है।

आयोग के अनुसार, ओडिशा में 3.34 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए 38,123 बीएलओ और 8,391 बीएलए तैनात हैं। मिजोरम में 8.75 लाख से अधिक मतदाताओं के लिए 1,353 बीएलओ और 3,430 बीएलए काम कर रहे हैं। सिक्किम में 4.71 लाख से अधिक मतदाताओं के लिए 572 बीएलओ और 681 बीएलए हैं, जबकि मणिपुर में 20.92 लाख से अधिक मतदाताओं के लिए 2,996 बीएलओ और 5,003 बीएलए सक्रिय हैं। आयोग ने सभी पात्र मतदाताओं से इस प्रक्रिया में भाग लेने और घर-घर आने वाले चुनाव अधिकारियों का सहयोग करने की अपील की है।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ड्ढ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

गोरखपुर बना विकास का मॉडल, नगर निगम के नवाचारों की देशभर में चर्चा

दीपक यादव

उत्तर प्रदेशः गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और उनके मार्गदर्शन का अनुसरण कर गोरखपुर अनुगामी की बजाय अग्रगामी महानगर बन चुका है। वैकासिक नवाचार की दृष्टि से गोरखपुर की गिनती अब फॉलोवर की बजाय लीडर के रूप में होती है। गोरखपुर महानगर की विकास यात्रा ने सतत उपलब्धियों का सिलसिला बनाए रखा है और इसमें महापौर डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव के कार्यकाल के तीन साल तो और भी बेमिसाल साबित हुए हैं।

महापौर डॉ. श्रीवास्तव के कार्यकाल में गोरखपुर नगर निगम ने सड़क, पेयजल और जलनिकासी से संबंधित ढांचागत सुविधाओं की सुदृढ़ता, स्वच्छता, नगरीय सौंदर्य के कार्यों को तो नए शिखर पर पहुंचाया ही, साथ ही नवाचार की पहल से इसे देश और दुनिया के लिए भी अनुकरणीय बनाया है। पिछले तीन सालों में नगर निगम ने करीब ढाई हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को मूर्त रूप देकर या उन्हें गतिमान कर गोरखपुर को शहरी विकास के नक्शे पर चमकाया है, निखारा है। यही नहीं, जीवन सुगमता, प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता और स्ट्रीट वेंडर्स के जीवन में समृद्धि लाने के लिए गोरखपुर नगर के कार्यों को राज्य व केंद्र सरकार ने विभिन्न पुरस्कारों से प्रतिष्ठा और मान्यता दी। पिछले तीन सालों में केंद्र और राज्य स्तर पर मिले 9 अलग-अलग पुरस्कार/सम्मान इसके प्रमाण हैं।

गत तीन वर्षों में नगर निगम की कई उपलब्धियों ने गोरखपुर का नाम राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित किया। नगर निगम ने जहां बुनियादी सुविधाओं की पहुंच हर नागरिक तक सुनिश्चित करने के लिए नवनिर्माण और अनुरक्षण पर पूरा ध्यान दिया तो वहीं वेस्ट मैनेजमेंट में पूरे देश का ध्यान आकृष्ट कराया। नगर निगम की तरफ से जीवन सुगमता (ईज ऑफ लिविंग) और जीवन में आनंद (जॉय ऑफ लिविंग) देने वाली परियोजनाओं की भी नई श्रृंखला तैयार हुई। बीते तीन वर्षों के दौरान गोरखपुर नगर निगम के नवाचारी मॉडलों को स्मार्ट सिटी के विजन को साकार करने के लिए अनुकरणीय माना गया। मिसाल के तौर पर तकियाघाट पर प्राकृतिक विधि (फाईटोरेमेडिएशन तकनीकी) से जल शोधन का कार्य और शहरी बाढ़ प्रबंधन के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम का क्रियान्वयन। महानगर से निकलने वाला प्रदूषित जल 15 मुख्य नालों के माध्यम से राप्ती और रोहिन नदी में सीधे गिरता था। नदियों को जल प्रदूषण से बचाने के लिए 7 नालों के जल का सीवर ट्रीटमेन्ट प्लांट के माध्यम से शोधन कराया जा रहा है। जबकि शेष 8 नाले जो तकियाघाट होते हुये राप्ती नदी में गिरते थे और जिसमें जल का बहाव लगभग 15 एमएलडी का है, पर नगर निगम द्वारा प्राकृतिक विधि (फाईटोरेमेडिएशन तकनीकी) से जल शोधन कराया गया है। नगर निगम के इस अभिनव पहल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से तो सराहना मिली ही है, राष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रजेंटेशन हो चुका है और इसे जल शोधन के लिए काफी किफायती, अन्य शहरों के लिए अनुकरणीय माना गया है। इसी तरह गोरखपुर नगर निगम ने अर्बन फ्लड मैनेजमेंट सिस्टम के तहत अर्ली वार्निंग सिस्टम का जो मॉडल विकसित किया, उसे नीति आयोग तक से सराहना मिल चुकी है।

शहरी जीवन में वर्तमान दौर की सबसे बड़ी चुनौती कचरा प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) की है। नगर निगम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान को अंगीकार कर वेस्ट टू वेल्थ और वेस्ट टू आर्ट के विजन को धरातल पर उतारने का परिणामजन्य प्रयास किया गया है। कचरा प्रबंधन का कार्य नगर निगम की सदैव प्राथमिकता रही है और इसमें गत तीन वर्ष के कार्य नगर निगम गोरखपुर को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने वाले हैं। मसलन, सुथनी में 40 एकड़ भूमि पर इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी का निर्माण। यह परियोजना आगामी दिनों में कचरा निस्तारण के साथ ही ऊर्जा उत्पादन का माध्यम भी बनने जा रही है। इसके साथ ही हाल के दिनों में जो परियोजना पूरे देश में सुर्खियों में रही वह है ईको पार्क। नगर निगम ने एकला बांध पर दशकों से जमा हुए कूड़े के पहाड़ का वैज्ञानिक विधि से निस्तारण कराकर उस स्थान को प्राकृतिक पिकनिक मनाने के रूप में विकसित कर दिया है।

बकरीद से पहले रूट मार्च, शांति व सुरक्षा का दिया गया संदेश

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः जनपद गाजीपुर में आगामी ईदुज्जुहा (बकरीद) को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 ईरज राजा, अपर पुलिस अधीक्षक शहर राकेश मिश्रा, उपजिलाधिकारी सदर रविश गुप्ता, क्षेत्राधिकारी सदर शेखर सेंगर, एस एच ओ कोतवाली के द्वारा पुलिस बल के साथ थाना कोतवाली सदर क्षेत्र मे व्यापक रूट मार्च किया गया। रूट मार्च एम एच स्कूल से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों तुलसीया का पुल, नक्खास, चीतनाथ घाट, टाउन हाल, लाल दरवाजा, होते हुए कोतवाली एवं अन्य क्षेत्रों मे पैदल गस्त किया। इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा आम जनमानस, व्यापारियों तथा स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करते हुए आगामी त्योहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति के साथ मनाने की अपील की गयी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनपद में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है और प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से प्राप्त अपुष्ट सूचनाओं को साझा करने से बचें। यदि कोई व्यक्ति अफवाह फैलाने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करता पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि त्योहारों के दृष्टिगत संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है तथा सोशल मीडिया सेल को भी सक्रिय किया गया है, जिससे भ्रामक एवं भड़काऊ पोस्ट पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान व्यापारियों एवं नागरिकों से अपील की गई कि वे प्रशासन का सहयोग करें, निर्धारित समय-सारिणी एवं दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को दें। रूट मार्च के दौरान क्षेत्रीय अधिकारियों, थाना प्रभारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद रही। प्रशासन की इस पहल से आम नागरिकों में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण देखने को मिला। जनपद प्रशासन ने पुनः सभी नागरिकों से अपील की है कि आगामी त्योहार को परंपरागत उत्साह, भाईचारे एवं शांति के साथ मनाएं तथा जनपद में अमन-चैन और सौहार्द बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

श्रद्धा, उल्लास और भाईचारे के साथ मनाई गई ईद-उल-अजहा का पर्व

प्रमोद कुमार बंसल

उत्तर प्रदेशः कोटपुतली में गुरुवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार श्रद्धा, उल्लास और आपसी भाईचारे के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। सुबह से ही कस्बे की मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने के लिए मुस्लिम समुदाय के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में त्योहार को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। लोगों ने नए और पारंपरिक वस्त्र पहनकर ईदगाह पहुंच विशेष नमाज अदा की तथा देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी सौहार्द बनाए रखने की दुआ मांगी। ईद-उल-अजहा के अवसर पर सुबह से ही पूरे कस्बे में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया। नमाज से पहले लोगों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर त्योहार की शुभकामनाएं दीं। मस्जिदों और ईदगाहों के आसपास सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी सतर्क नजर आया। नमाज के दौरान इमाम द्वारा समाज में प्रेम, भाईचारा और मानवता का संदेश दिया गया। उन्होंने लोगों से एक-दूसरे की मदद करने और समाज में शांति बनाए रखने की अपील की।

नमाज अदा करने के बाद लोगों ने गले मिलकर एक-दूसरे को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में त्योहार को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने नए कपड़े पहनकर परिवार और दोस्तों के साथ त्योहार का आनंद लिया। कई घरों में विशेष पकवान बनाए गए तथा लोगों ने अपने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां जाकर बधाई दी। त्योहार के अवसर पर कस्बे में सौहार्द और भाईचारे का सुंदर वातावरण देखने को मिला।

युवा ही विकसित भारत 2047 की सबसे बड़ी शक्ति, विधायक कंवर सिंह यादव

मैनपाल

हरियाणाः महेन्द्रगढ़ माय भारत केंद्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में तथा बीएमडी फाउंडेशन महेंद्रगढ़ के सहयोग से नालंदा इंस्टीट्यूट महेन्द्रगढ़ में वीर सावरकर जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को राष्ट्रभक्ति, सामाजिक जागरूकता एवं नेतृत्व के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक कंवर सिंह यादव उपस्थित रहे एवं विशिष्ठ अतिथि एडवोकेट रेखा यादव एवं राजदीप यादव डायरेक्टर नालन्दा इंस्टिट्यूट रहे। कार्यक्रम सयोंजक की भूमिका बीएमडी फाउंडेशन चेयरमैन लक्की राव सीगड़ा ने निभाई। कार्यक्रम की शुरूआत वीर सावरकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात युवाओं ने वीर सावरकर के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि वीर सावरकर का जीवन संघर्ष, त्याग और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देशहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज सेवा, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लें। उन्होंने कहा कि माय भारत लगातार युवाओं के लिए विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, खेल एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर रहा है। युवाओं को अपने गांवों में युवा क्लब बनाकर गांव की समस्याओं और मुद्दों को आगे लाना चाहिए तथा समाज सुधार और विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का युवा ही विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की सबसे बड़ी शक्ति है।

विशिष्ठ अतिथि एडवोकेट रेखा यादव फिर ने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को महापुरुषों की जीवनी को पढ़कर प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ना चाहिए। समाज के विकास में हम सभी को अपना योगदान देना चाहिए। वीर सावरकर के विचार आज भी युवाओं में राष्ट्रभक्ति, आत्मविश्वास और समाज सेवा की भावना जागृत करते हैं। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर देशहित में कार्य करना चाहिए।

जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने बताया कि माय भारत युवाओं को देश निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने हेतु माय भारत विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, खेल एवं युवा नेतृत्व कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। साथ ही युवाओं से अपील की कि वे माय भारत से ऑनलाइन जुड़कर राष्ट्र निर्माण की इस मुहिम का हिस्सा बनें।

बीएमडी फाउंडेशन महेंद्रगढ़ के चेयरमैन लक्की राव सिगड़ा ने कहा ह्ववीर सावरकर का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। हमें उनके राष्ट्रप्रेम, साहस और सामाजिक चेतना के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना चाहिए। नालंदा इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर राजदीप यादव ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। अंत में सभी अतिथियों का सम्मान किया गया तथा राष्ट्रहित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर हिमांशु, रविन्द्र, रवि, अमित कुमार, मुकेश, इंद्रपाल यादव, आदिति, नेहा, साहिल, गौरव, निखिल, दीपक, राहुल, सरिता, राजीव, पूजा,नेहा सहित अन्य युवा उपस्थित थे।

खाड़ी देशों में शांति की कामना को लेकर हुआ सुंदरकांड पाठ

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः पोरसा में संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरे हनुमत बलबीरा की चौपाइयों के साथ पूरा शहर आज भक्ति रस में डूबा नजर आया। हनुमान जी की कृपा प्राप्ति और विश्व शांति की कामना को लेकर शहर के विभिन्न मंदिरों में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कलयुग में संकटों से मुक्ति दिलाने वाले पवनसुत हनुमान जी की महिमा का गुणगान करते हुए श्रद्धालुओं ने एक स्वर में भजन-कीर्तन और चौपाइयों का पाठ किया। मान्यता है कि सच्चे मन से हनुमान जी का स्मरण करने मात्र से भय, रोग, दुख और संकट दूर हो जाते हैं। भगवान गोवर्धन गिरिराज जी महाराज मंदिर में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर, गायत्री मंदिर, गणेश मंदिर तथा रेस्ट हाउस मंदिर सहित अनेक धार्मिक स्थलों पर यह आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

भगवान गोवर्धन गिरिराज जी महाराज मंदिर में महंत रामकिशोर दास महाराज के मार्गदर्शन में सुंदरकांड का आयोजन किया गया, जिसमें रामनिवास उपाध्याय ,, डॉक्टर सुरेंद्र सिंह तोमर, जगत नारायण शर्मा,पप्पू सिंह तोमर, रामदत्त गुप्ता,ब्रजराज सिंह तोमर,रमेश सिंह तोमर ,राधाकृष्ण गुप्ता, मुरारी लाल गुप्ता, उर्मिला देवी शर्मा ,मुन्नी तोमर, जसवीर सिंह तोमर,संतोष वर्मा,सहित करीब एक सैकड़ा से अधिक भक्त शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भगवान से प्रार्थना की कि पूरे विश्व में शांति, सुख और समृद्धि बनी रहे। भजन, ढोलक और झांझ की धुनों पर गूंजते जय श्री राम और बजरंग बली की जय के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

हनुमान जी की महिमा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी अष्ट सिद्धियों और नव निधियों के दाता माने जाते हैं। वे भक्तों के कष्ट हरने वाले, बल-बुद्धि और विद्या प्रदान करने वाले देवता हैं। हनुमान चालीसा में वर्णित है कि जो भी व्यक्ति सच्चे मन से उनका स्मरण करता है, उसके जीवन के संकट स्वतः दूर हो जाते हैं। कहा जाता है कि सुंदरकांड का पाठ करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है, आत्मबल बढ़ता है और जीवन में सकारात्मकता आती है। यही कारण है कि आज भी बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार और समाज की सुख-शांति के लिए इस पाठ का आयोजन करते हैं। पोरसा में हुए इस भव्य धार्मिक आयोजन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि आस्था और भक्ति के माध्यम से समाज में एकता, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया जा सकता है।

2027 को लेकर घर-घर सर्वे जारी, जिला कलक्टर ने नागरिकों से सहयोग की करी अपील

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थानः जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत घर-घर सर्वे एवं मकान गणना का कार्य निरंतर जारी है। प्रगणक निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर मकानों का सूचीकरण एवं आवश्यक जानकारी का संकलन कर रहे हैं। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। उन्होंने बताया कि 16 मई से प्रारंभ हुए इस सर्वे के अंतर्गत प्रगणकों द्वारा प्रत्येक मकान का अंकन कर निर्धारित प्रश्नों के आधार पर जानकारी संकलित की जा रही है। यह जानकारी शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं भविष्य की विकास नीतियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। कलक्टर ने स्पष्ट किया कि सर्वे के दौरान किसी भी नागरिक से आधार नंबर, बैंक खाता, ओटीपी, फोटो, हस्ताक्षर अथवा अंगूठे के निशान जैसी कोई गोपनीय जानकारी नहीं मांगी जायेगी। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की जानकारी मांगता है तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने आमजन से सोशियल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाओं पर ध्यान ना देने तथा केवल प्रशासन द्वारा जारी अधिकृत जानकारी पर विष्वास करने की अपील की।

श्री बालाजी हठीले हनुमान मंदिर में भव्य श्रृंगार व विशाल भंडारे का किया आयोजन

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेशः श्री बालाजी हठीले हनुमान जी महाराज जी का स्वर्ण और रजत बरकों से भव्य श्रंगार हुआ, पूरे मंदिर में फूलों से सुन्दर सजावट की गयी। बाबा का मेवा, फल का भोग लगाया गया। भंडारे में पूरी आलू, कढ़ी चावल तथा बूँदी का भोग प्रसाद वितरित किया गया। हजारों श्रदालुओं द्वारा बाबा का दर्शन लाभ किया और भोगभंडारे का प्रसाद ग्रहण किया श्री बालाजी हठीले हनुमान मंदिर समिति के सेवादार श्री राजीव सक्सेना द्वारा बताया गया कि श्री बालाजी हठीले हनुमान मंदिर बहुत प्राचीन है तथा जो भक्त श्रदा और विश्वास से बाबा के दरबार में पूजा अर्चना करता है। बाबा उसके सभी संकट दूर करते हैं।

राजकुमार पाई,पराग, टिंकू विवेक, विवेक भटनागर, जवाहर,अनिरुद्ध शर्मा, मोहनलाल शर्मा,पवन जेकवाल, शलभ जोशी आदि द्वारा बाबा का गुणगान किया गया। श्री अनिल सक्सेना, के. बी. लाल सक्सेना, श्रीमती नीतू सक्सेना आदि प्रगतिशील कायस्थ महासभा के पदाधिकारियों द्वारा श्री बालाजी हठीले हनुमान मंदिर मै बाबा के दर्शनों का पुण्यलाभ किया।

बरेली रिश्वत केस में नया ट्विस्ट, लेखपाल की पत्नी का वीडियो वायरल

छत्र पाल

उत्तराखंडः बरेली तहसील सदर में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए राजस्व लेखपाल विपिन पटेल प्रकरण में अब नया मोड़ सामने आया है। आरोपी लेखपाल की पत्नी विशेषता गंगवार, जो स्वयं भी लेखपाल पद पर तैनात बताई जा रही हैं, का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वह अपने पति को निर्दोष बताते हुए एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाती नजर आ रही हैं। विशेषता गंगवार का दावा है कि उनके पति को साजिश के तहत फंसाया गया है। वीडियो में वह कहती सुनाई दे रही हैं कि घटना के दौरान मौके पर गांव के लोग भी मौजूद थे और उनके सामने ही एंटी करप्शन टीम ने खुद अपनी तरफ से पैसे निकालकर उनके पति की जेब में डाल दिए। उन्होंने कहा कि उनके पति ने किसी से रिश्वत नहीं मांगी और न ही कोई अवैध लेनदेन किया।

गौरतलब है कि मंगलवार को भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली की टीम ने सदर तहसील में तैनं३ लेखपाल विपिन पटेल को 5 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार करने का दावा किया था। शिकायतकर्ता बली मोहम्मद ने आरोप लगाया था कि 171 वर्ग गज के प्लॉट की दाखिल-खारिज कराने के एवज में रिश्वत मांगी गई थी। इसके बाद ट्रैप टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया था। कार्रवाई के बाद तहसील परिसर और कोतवाली में काफी हंगामा हुआ था। बड़ी संख्या में लेखपालों ने गिरफ्तारी का विरोध करते हुए नारेबाजी की थी और कार्रवाई को गलत बताया था। लेखपाल संघ ने भी पूरे मामले को साजिश करार देते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई थी।

अब आरोपी की पत्नी का वीडियो सामने आने के बाद मामले ने नया राजनीतिक और प्रशासनिक रंग लेना शुरू कर दिया है। हालांकि, वायरल वीडियो और लगाए गए आरोपों की, अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी ओर एंटी करप्शन टीम का कहना है कि कार्रवाई नियमानुसार की गई और आरोपी को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। फिलहाल पूरा मामला जांच के दायरे में है। आगे एंटी करप्शन संगठन जांच और साक्ष्यों के आधार पर क्या तथ्य पेश करता है, इस पर सभी की नजर बनी हुई है।

शालीमार बाग में सड़क चौड़ीकरण के लिए ध्वस्तीकरण अभियान, भारी सुरक्षा के बीच हटाए जा रहे निर्माण

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग क्षेत्र में रविवार सुबह बड़े स्तर पर ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया गया। प्रशासन द्वारा सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत मैक्स अस्पताल मार्ग पर बने लगभग 157 निमार्णों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अभियान को लेकर क्षेत्र में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है और बड़ी संख्या में पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई आउटर रिंग रोड से आजादपुर मंडी और संजय गांधी परिवहन नगर को सीधे जोड़ने वाली सड़क के चौड़ीकरण के लिए की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में सड़क बीच के हिस्से में संकरी हो जाती है, जिससे यातायात बाधित होता है और वर्षा के दौरान जलभराव जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। सड़क चौड़ी होने से यातायात व्यवस्था में सुधार और आवागमन सुगम होने की उम्मीद जताई जा रही है। रविवार तड़के से ही क्षेत्र में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई थी। दिल्ली पुलिस के साथ रैपिड एक्शन फोर्स, सीमा सुरक्षा बल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान भी मौके पर मौजूद रहे। उत्तर-पश्चिम जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी कार्रवाई की निगरानी करते नजर आए। निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों, दृश्य रिकॉर्डिंग और तकनीकी निगरानी व्यवस्था का भी उपयोग किया गया। मध्य उत्तर दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट शैलेंद्र सिंह ने बताया कि संबंधित भूमि वर्ष 1980 में अधिग्रहित की गई थी और उस समय प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने प्रभावित निवासियों को पूर्व में नोटिस जारी किए थे और न्यायालय के निर्देशों के अनुसार दावे एवं आपत्तियां भी आमंत्रित की गई थीं। लगभग 157 आवेदनों पर सुनवाई के बाद प्रशासन ने आदेश पारित किए। प्रशासन के अनुसार प्रभावित लोगों को 30 मई तक मकान खाली करने के लिए समय दिया गया था। मामले को लेकर निवासी पहले दिल्ली उच्च न्यायालय और बाद में सर्वोच्च न्यायालय पहुंचे, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिल सकी। अदालतों के निर्देशों के बाद निर्धारित समयसीमा समाप्त होने पर रविवार को ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया गया। पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। हालांकि, स्थानीय निवासियों ने कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे दशकों से यहां रह रहे थे और उनके पास संपत्ति से संबंधित दस्तावेज मौजूद हैं। कई लोगों का दावा है कि ध्वस्तीकरण से सैकड़ों परिवार प्रभावित होंगे और उन्हें पुनर्वास को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। कुछ परिवारों ने प्रशासन पर वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर पर्याप्त स्पष्टता न होने का आरोप भी लगाया है। ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान क्षेत्र में तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रित माहौल बना रहा। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई सार्वजनिक हित और शहरी ढांचे को बेहतर बनाने के उद्देश्य से की जा रही है, जबकि प्रभावित परिवार अपने आशियाने के नुकसान को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर हरसंभव सहायता देने का दिया आश्वासन

नई दिल्ली, एजेंसी। सैदुलाजाब में मकान गिरने वाले घटनास्थल का रविवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दौरा किया और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली और चल रहे बचाव कार्य की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर पूरी घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि घटना के दोषी अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, जिला प्रशासन, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), सिविल डिफेंस और अन्य एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विभिन्न अस्पतालों में भर्ती घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को निशुल्क और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। लापरवाही के खिलाफ कार्रवाई मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनके निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महरौली थाने में आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है। हादसे के वास्तविक कारणों और जवाबदेही तय करने के लिए दक्षिण जिला के जिलाधिकारी के नेतृत्व में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

साकेत में इमारत गिरने से अब तक 2 लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली में साकेत मेट्रो स्टेशन के पास एक कमर्शियल बिल्डिंग गिरने से अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मलबे के नीचे फंसे अन्य लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान अभी भी जारी है।

जानकारी सामने आई कि दिल्ली स्थिति एम्स ट्रॉमा सेंटर में 10 मरीजों को लाया गया था। तीन की हालत गंभीर है, जिनका इलाज जारी है। 5 अन्य लोगों को चोटें लगी हैं, जिन हालत स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। बताया गया है कि दो मरीजों को मृत अवस्था में एम्स ट्रॉमा सेंटर लाया गया। एनडीआरएफ के कमांडेंट सुनील कुमार सिंह ने बताया, घटना की सूचना मिलने के बाद हमने एनडीआरएफ की दो टीमें यहां पर भेजी थीं। यहां पहुंचने पर पता चला कि एक बड़ी इमारत थी, जो गिर चुकी है। इस इमारत में एक रेस्टोरेंट भी था, जिस पर पूरा मलबा गिरा है। आशंका हैं कि वहां कुछ लोग दबे हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ के पहुंचने से पहले 4 लोगों को निकाला जा चुका था। बाद में रेक्स्यू के दौरान हमारी टीमों ने 5 अन्य लोगों को भी मलबे से बाहर निकाला। मलबा बहुत अधिक है। जैसे-जैसे मलबा हटेगा, वैसे-वैसे हमारी सर्च आगे जारी रहेगी। कमांडेंट सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मलबा हटाने के लिए प्रशासन ने मशीनें लगाई हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), दिल्ली पुलिस, सिविल डिफेंस यूनिट और एम्बुलेंस समेत अन्य बचाव दल अभियान में शामिल हैं। दिल्ली फायर सर्विसेज (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि 8 लोग फिलहाल एम्स ट्रॉमा सेंटर में इलाज करवा रहे हैं, जबकि एक व्यक्ति को ड्यूटी पर मौजूद मेडिकल ऑफिसर ने मृत अवस्था में लाया गया घोषित कर दिया। यह इमारत, जिसमें एक ग्राउंड फ्लोर और तीन अतिरिक्त मंजिलें निमार्णाधीन थीं, पास में ही बनी एक टिन-शेड वाली कैंटीन पर गिर गई, जहां बच्चे खाना खा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह हादसा शनिवार शाम करीब 6 बजे हुआ, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। अधिकारी अभी तक इमारत गिरने के सही कारण का पता नहीं लगा पाए हैं।

भारत की शक्ति उसकी सभ्यतागत चेतना में निहित : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत की शक्ति केवल उसकी आर्थिक वृद्धि और तकनीकी प्रगति में ही नहीं, बल्कि उसकी सभ्यतागत चेतना, सांस्कृतिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों में भी निहित है। इस विरासत का संरक्षण केवल अतीत को स्मरण करने का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य आवश्यकता है। यह विचार विजेंद्र गुप्ता ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय स्थित शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल में आयोजित पुस्तक ह्यप्रथम सिंधु कुंभ : आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्वह्न के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस कार्यक्रम का आयोजन सिंधु दर्शन समिति द्वारा किया गया, जिसमें प्रख्यात आध्यात्मिक संतों, विद्वानों, शिक्षाविदों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. इन्द्रेश कुमार तथा डॉ. दयालु महाराज (अध्यक्ष, हिमालय परिवार, दिल्ली प्रांत) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह अवसर केवल एक पुस्तक के विमोचन तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मा से पुनः जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। विजेंद्र गुप्ता ने सिंधु नदी के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिंधु केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत स्मृति और सांस्कृतिक पहचान की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि हिंद, हिंदू और हिंदुस्तान जैसे शब्दों की ऐतिहासिक जड़ें भी सिंधु से जुड़ी हुई हैं। उनके अनुसार सिंधु उस निरंतर सभ्यतागत यात्रा का प्रतीक है जिसने सहस्राब्दियों से भारत के स्वरूप और उसकी सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया है। भारत की विविधता में निहित एकता पर बल देते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि देश में भाषाओं, परंपराओं और जीवन-शैलियों की उल्लेखनीय विविधता होने के बावजूद उसकी सांस्कृतिक आत्मा एक है।

उन्होंने कहा कि यही सभ्यतागत एकता भारत की स्थायी शक्ति रही है और सिंधु उसी सांस्कृतिक एकात्मता का प्रतीक है जो देशवासियों को क्षेत्रों और पीढ़ियों की सीमाओं से परे जोड़ती है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि तीव्र तकनीकी प्रगति और सामाजिक परिवर्तन के इस दौर में युवा पीढ़ी अनेक बार अपनी सांस्कृतिक जड़ों और ऐतिहासिक परंपराओं से दूर होती दिखाई देती है। ऐसे समय में भारत की सभ्यतागत विरासत का दस्तावेजीकरण करने वाली पुस्तकें और सांस्कृतिक पहले ऐतिहासिक स्मृति के संरक्षण, सांस्कृतिक जागरूकता को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्र को आकार देने वाले मूल्यों और परंपराओं की गहरी समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रथम सिंधु कुंभ का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने इसे समकालीन समाज को आध्यात्मिक चिंतन, सांस्कृतिक संवाद और सामाजिक समरसता की परंपराओं से पुनः जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि कुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहा है, बल्कि ऐतिहासिक रूप से यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामूहिक ज्ञान-विमर्श का भी सशक्त मंच रहा है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह पुस्तक देश की समृद्ध सभ्यतागत धरोहर के प्रति नई पीढ़ी और समाज में व्यापक रुचि तथा संवाद को प्रेरित करेगी।

चांदनी चौक की सुध लो सरकार अभियान से पुरानी दिल्ली की समस्याएं उठीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया अध्यक्ष राहुल शर्मा ने पुरानी दिल्ली की बदहाल स्थिति को लेकर चांदनी चौक की सुध लो सरकार अभियान की शुरूआत की है। सामाजिक माध्यमों के जरिए शुरू किए गए इस अभियान में क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है। राहुल शर्मा ने कहा कि देश और राजधानी की ऐतिहासिक पहचान माने जाने वाले चांदनी चौक और पुरानी दिल्ली के कई इलाके लंबे समय से टूटी सड़कों, जलभराव, गंदगी, जाम, अव्यवस्थित यातायात और खराब सीवर व्यवस्था जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसके बावजूद समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के लंबे कार्यकाल में भी पुरानी दिल्ली की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ और वर्तमान सरकार भी लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही है। उनका कहना था कि अभियान का उद्देश्य राजनीतिक लाभ नहीं, बल्कि लाखों नागरिकों, व्यापारियों और आगंतुकों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना है। राहुल शर्मा ने कहा कि चांदनी चौक, जामा मस्जिद, बल्लीमारान, मटिया महल, दरियागंज और चावड़ी बाजार सहित आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोग रोजमर्रा की परेशानियों का सामना कर रहे हैं। विशेषकर वर्षा के दौरान जलभराव और सीवर ओवरफ्लो की स्थिति गंभीर हो जाती है, जबकि अतिक्रमण और यातायात जाम व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रभावित करते हैं।

एआई को नियंत्रित रखें पत्रकार, हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पर विशेषज्ञों ने दी चेतावनी और मार्गदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राम जानकी संस्थान पॉजिटिव ब्रॉडकास्टिंग हाउस द्वारा आयोजित 570वें वर्चुअल सेमिनार उदंत मार्तंड से एआई युग में विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मीडिया साक्षरता और पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर गंभीर चर्चा की। कार्यक्रम में पत्रकारों को एआई के उपयोग में सतर्कता बरतने और उसके प्रभावों के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी गई। राष्ट्रीय संयोजक उदय कुमार मन्ना के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में वर्ष 1826 में प्रकाशित भारत के पहले हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड की विरासत को स्मरण किया गया। संगोष्ठी में देश-विदेश से जुड़े प्रतिभागियों ने हिंदी पत्रकारिता की यात्रा, चुनौतियों और भविष्य पर विचार साझा किए। कार्यक्रम में नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक तथा एएएफटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. संदीप मारवाह ने हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता और सामाजिक प्रभाव पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि हिंदी सीमाओं से परे लगातार विस्तार कर रही है और विदेशों में भी इसकी मजबूत उपस्थिति दिखाई देती है। ऑस्ट्रेलिया, नाइजीरिया और सेनेगल की यात्राओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अनेक देशों में बड़ी संख्या में लोग हिंदी को अपने दैनिक जीवन में उपयोग कर रहे हैं। डॉ. मारवाह ने पॉजिटिव मीडिया परिवार के पत्रकारों के लिए मारवाह स्टूडियो में फिल्म निर्माण, दूरदर्शन निर्माण और मीडिया सृजन से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने की पेशकश भी की।

गोविन्दपुरी में सुना गया मन की बात कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के गोविन्दपुरी, कालकाजी क्षेत्र में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम की 134वीं कड़ी को उत्साहपूर्वक देखा और सुना गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और यमुना संरक्षण से जुड़े लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के खतरे को लेकर लोगों को सतर्क रहने का संदेश दिया। उन्होंने नागरिकों से पर्याप्त पानी पीने, धूप से बचाव करने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने भारतीय परंपरा से जुड़े स्वास्थ्यवर्धक देसी पेय पदार्थों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने मटके का पानी, आम पना, लस्सी, छाछ, सत्तू, कोकम शरबत, पानकम और बेल पना जैसे पारंपरिक पेयों को गर्मी से बचाव और स्वास्थ्य संवर्धन का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि ये पेय भारतीय संस्कृति और लोकजीवन की अमूल्य धरोहर हैं। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए युवाओं को खेलों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन पर कवि दास प्रेम ने माँ यमुना पर आधारित अपनी कविता जल ही जीवन की धार... का पाठ किया। कविता के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और माँ यमुना के प्रति श्रद्धा का संदेश दिया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

एक नजर

पांच साल में सबसे साफ रही इस बार मई की हवा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्लीवालों को मई के महीने में भले ही झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ा हो, लेकिन हवा काफी हद तक साफ-सुथरी रही। इस बार मई के महीने में पांच दिन ऐसे रहे जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 से नीचे यानी संतोषजनक श्रेणी में रहा। बीते पांच वर्षों में हवा का यह सबसे ज्यादा साफ-सुथरा स्तर है। वायु गुणवत्ता के मामले में मई का महीना दिल्लीवालों के लिए बेहद अच्छा साबित हुआ है। पूरे महीने में थोड़े-थोड़े अंतराल पर धूल भरी आंधी और बौछारें पड़ने का क्रम बना रहा। धूल भरी आंधी के चलते बीच-बीच में वायु गुणवत्ता का स्तर खराब श्रेणी में भी पहुंचा, लेकिन हवा की गति लगातार तेज रहने के चलते प्रदूषण कणों का विसर्जन तेजी से होता रहा। इसके चलते दिल्ली के वायु मंडल पर प्रदूषण ज्यादा देर नहीं टिका। मई में संतोषजनक वायु गुणवत्ता केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। यह लगातार दूसरा दिन है कि वायु गुणवत्ता का स्तर संतोषजनक श्रेणी में बना हुआ है। शनिवार को यह सूचकांक 85 के अंक पर रहा था। यह इस महीने में पांचवां दिन है जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 या सौ से नीचे है। अगले दो दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता का स्तर मध्यम श्रेणी में रहने के आसार हैं।

जहांगीरपुरी में पानी संकट पर कांग्रेस का मटका फोड़ प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। जहांगीरपुरी क्षेत्र में पानी की आपूर्ति बाधित होने और गंदे पानी की शिकायतों को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार मटका फोड़ प्रदर्शन किया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव के निर्देश पर आयोजित इस प्रदर्शन का नेतृत्व रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री एम.एल. भास्कर ने किया। प्रदर्शन में क्षेत्र की महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और कांग्रेस कार्यकताओं ने भाग लेकर पानी संकट को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने नियमित और स्वच्छ जलापूर्ति की मांग उठाई। श्री एम.एल. भास्कर ने आरोप लगाया कि जहांगीरपुरी के कई इलाकों में पिछले लगभग दस दिनों से पानी की आपूर्ति प्रभावित है और कुछ स्थानों पर गंदा पानी पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की महिलाएं पानी के लिए घंटों भटकने को मजबूर हैं, जबकि बुजुर्गों और बच्चों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बीच पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन इस दिशा में पर्याप्त प्रयास दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने सरकार पर प्रचार को प्राथमिकता देने और जमीनी समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने भी अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा कि जल संकट के कारण घरेलू कामकाज, बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्गों की देखभाल प्रभावित हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि जहांगीरपुरी क्षेत्र में पर्याप्त, नियमित और स्वच्छ पानी की आपूर्ति तत्काल सुनिश्चित की जाए।

जलभराव रोकने में सरकार विफल : भीष्म शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मानसून से पहले जलभराव की आशंका को लेकर घोंडा विधानसभा से पूर्व विधायक श्री भीष्म शर्मा ने भाजपा सरकार पर तैयारी में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राजधानी में मानसून नजदीक है, लेकिन जलभराव से निपटने के लिए अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। श्री भीष्म शर्मा ने कहा कि दिल्ली में हर वर्ष मानसून के दौरान जलभराव की समस्या गंभीर रूप लेती है, जिसका मुख्य कारण नालों की समय पर सफाई नहीं होना है। उनका आरोप है कि लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के नालों की अभी तक समुचित सफाई नहीं की गई है, जिससे आने वाले दिनों में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं की गईं तो वर्षा के दौरान राजधानी के विभिन्न हिस्सों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उनके अनुसार ऐसी स्थिति बनने पर सरकार आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में उलझ जाती है, जबकि जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। श्री शर्मा ने दावा किया कि उन्होंने स्वयं कई स्थानों पर नालों की स्थिति देखी है, जहां सफाई कार्य अधूरा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि एक दिन की तेज वर्षा भी हालात को गंभीर बना सकती है और इससे दुर्घटनाओं की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पूर्व विधायक ने सवाल उठाया कि यदि मानसून के दौरान जलभराव और उससे जुड़े हादसे सामने आते हैं तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र, दिल्ली सरकार और नगर निगम में एक ही दल की सरकार होने के कारण अब जवाबदेही तय होना आवश्यक है।

साकेत भवन हादसे में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई, निगम के दो अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के सैदुलअजाइब क्षेत्र में साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट बहुमंजिला इमारत ढहने के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर निगम के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। हादसे में अब तक पांच लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि कई घायल उपचाराधीन हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार इस हादसे के बाद नगर निगम के कनिष्ठ अभियंता अमन जैन और सहायक अभियंता सुदेश सिंह चौहान को निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद की गई। रविवार सुबह मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दुर्घटनास्थल का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली और स्पष्ट किया कि इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मामले की जांच के लिए जिला मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही अधिकारियों को आसपास स्थित जर्जर और जोखिमपूर्ण इमारतों की तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सैदुलअजाइब क्षेत्र में पांच मंजिला इमारत ढहने की इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है।

गंगोलीहाट में एससी-एसटी शिक्षक एसोसिएशन का 19 सूत्रीय मांगपत्र, मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

लिखित पंत

उत्तराखंडः अनुसूचित जाति-जनजाति शिक्षक एसोसिएशन (उत्तराखंड) की ब्लॉक कार्यकारिणी गंगोलीहाट द्वारा क्षेत्र के अनुसूचित जाति और जनजाति समाज, शिक्षक-कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा सामाजिक न्याय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी गंगोलीहाट के माध्यम से सौंपा गया। एसोसिएशन ने सरकार के समक्ष दृढ़ता से अपनी 19 सूत्रीय मांगें रखी हैं और चेतावनी दी है कि यदि इन पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो संगठन लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीकों से चरणबद्ध जनजागरण व आंदोलन करने के लिए विवश होगा।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि उत्तराखंड प्रदेश के विभिन्न जनपदों, ब्लॉकों, मंडलों और संगठनात्मक इकाइयों में कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों, अभिभावकों और सामाजिक प्रतिनिधियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद यह 19 सूत्रीय मांग पत्र तैयार किया गया है। सौंपे गए ज्ञापन में मुख्य रूप से एससी-एसटी विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि करने, पात्रता नियमों में व्यावहारिक शिथिलता लाने और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

इसके साथ ही इरशाद हुसैन आयोग की रिपोर्ट को तत्काल सार्वजनिक कर उसकी संस्तुतियों पर समयबद्ध कार्रवाई करने, हर साल पारदर्शी और ऑनलाइन काउंसलिंग आधारित न्यायसंगत स्थानांतरण प्रक्रिया लागू करने तथा प्राथमिक स्तर पर अंतरमंडलीय स्थानांतरण सुनिश्चित करने की बात कही गई है। संगठन ने लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को तत्काल शुरू करने, आरक्षण संबंधी संवैधानिक प्रावधानों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने तथा विभागवार बैकलॉग रिक्तियों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई है। दुर्गम और अति दुर्गम क्षेत्रों के लिए रोस्टर आधारित संतुलित नियुक्ति एवं स्थानांतरण नीति लागू करने, उच्च व तकनीकी शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं व कोचिंग के लिए एससी-एसटी वर्ग के विद्यार्थियों हेतु छात्रावास तथा डिजिटल सहायता योजनाएं सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया है। इसके अलावा संविदा, उपनल एवं आउटसोर्सिंग सेवाओं में नियमानुसार आरक्षण व्यवस्था लागू करने, अशासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक-कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए स्थायी व पारदर्शी व्यवस्था बनाने तथा सभी पात्र शिक्षक-कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग की गई है।

ज्ञापन में आगे कहा गया है कि गोल्डन कार्ड योजना के अंतर्गत ओपीडी सहित प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं कैशलेस स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही इंदु कुमार पांडे समिति की अनुशंसाओं पर समयबद्ध कार्रवाई करने, विभागवार एससी-एसटी प्रतिनिधित्व और बैकलॉग रिक्तियों का श्वेत पत्र जारी करने तथा आरक्षण, रोस्टर व पदोन्नति से जुड़े विषयों की निगरानी के लिए उच्च स्तरीय समीक्षा समिति का गठन करने की मांग उठाई गई है। संगठन ने अन्य राज्यों की एससी-एसटी वर्ग की उन महिलाओं को, जिनका विवाह उत्तराखंड में हुआ है, उन्हें उच्चतम न्यायालय के प्रचलित प्रावधानों व राज्य की विधिक व्यवस्था के अनुरूप आरक्षण का लाभ देने के लिए एकरूप नीति बनाने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, नीति निर्धारण व विभागीय बैठकों में एससी-एसटी शिक्षक संगठनों को प्रभावी प्रतिनिधित्व देने, वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखने तथा शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से दूर रखकर मुख्य रूप से शिक्षण कार्यों तक ही सीमित रखने का आग्रह किया गया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान एसोसिएशन के ब्लॉक अध्यक्ष सूर्य प्रकाश कालाकोटी, ब्लॉक महामंत्री विनोद प्रसाद गंगोला, उपाध्यक्ष संजय कुमार ग्वासीकोटी, कोषाध्यक्ष महेश चंद्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधा कृष्ण, मीडिया प्रभारी महेंद्र कुमार, संरक्षक नंदन राम व बलवीर प्रसाद मौजूद रहे। इस अवसर पर संगठन के अन्य सदस्यों में सुरेश चन्द्र, दिनेश कुमार, हिमांशु मोहन, सोनू कुमार, बृजेश कुमार, अखिलेश ग्वासीकोटी, संतोष कुमार, देवानन्द आगरी और अनिल सामियाल सहित कई शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे।

गांव में निकली भव्य कलश यात्रा, भक्तिमय हुआ माहौल

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः पोरसा में धौर्रा गांव स्थित पाड़री वाले बाबा मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर आज बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस धार्मिक आयोजन में महिलाओं, युवतियों और श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। करीब 250 महिलाओं एवं बालिकाओं ने सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा और भक्ति के साथ यात्रा में भाग लिया। वहीं हजारों श्रद्धालु एवं सैकड़ों ग्रामीणजन इस पावन अवसर के साक्षी बने। गांव के प्रमुख मार्गों से निकली शोभायात्रा में भक्तजन भगवान के जयकारों के साथ भक्ति रस में सराबोर नजर आए। जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया। पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय हो गया और मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

शोभायात्रा के पश्चात श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस पर 1008 आचार्य महामंडलेश्वर राम भूषण दास महाराज खनेता सरकार ने कथा श्रवण के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने का माध्यम है। कथा सुनने से मनुष्य के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा जीवन में धर्म, संस्कार और भक्ति का भाव जागृत होता है। महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में मानसिक शांति खोता जा रहा है, ऐसे समय में भगवान की कथा ही आत्मिक शांति और मोक्ष का मार्ग दिखाती है। उन्होंने बताया कि भागवत कथा सुनने मात्र से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और उसके जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का आगमन होता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग नियमित रूप से कथा श्रवण करें और अपने बच्चों को भी धार्मिक संस्कारों से जोड़ें, ताकि समाज में नैतिकता और संस्कृति मजबूत हो सके। कथा के दौरान भजन-कीर्तन और भगवान की सुंदर झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। आगामी दिनों में कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

लापता युवक की हत्या का सनसनीखेज खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, पुलिस मुठभेड़ में दो घायल

तरुण शर्मा

उत्तर प्रदेशः बनवारीपुर बनवारीपुर गांव से 21 मई 2026 को लापता हुए युवक गोपाल की हत्या का मामला सामने आया है। दो दिन बाद उसका शव रोही गांव के एक सुनसान खंडहर मकान से बरामद हुआ, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों उमेश, नरेश और मोहित को गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के अनुसार, मृतक गोपाल को आरोपी युवक अक्सर हुक्का पिलाने के लिए अपने साथ रखते थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर गोपाल की दादी ने आरोपियों को फटकार लगा दी थी। बताया जा रहा है कि इसी अपमान को आरोपियों ने गंभीरता से लेते हुए बदले की भावना में हत्या की साजिश रची।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने गोपाल को बहला-फुसला कर सुनसान खंडहर मकान में बुलाया। वहां हुक्के के माध्यम से उसे नशीला पदार्थ दिया गया, जिससे वह बेहोश हो गया। इसके बाद आरोप है कि आरोपियों ने उसका सिर दीवार पर पटककर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद शव को खंडहर में ही छोड़ दिया गया। परिजनों ने इस हत्या को अत्यंत क्रूर बताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों की पहचान की। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ भी हुई, जिसमें दो आरोपियों के पैरों में गोली लगने की जानकारी सामने आई है। तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और हत्या के पीछे के सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर संज्ञान लेते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस दर्दनाक घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है और गांव में भय व आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पुलिस प्रशासन ने स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया है।

जीटी परीक्षा की तैयारियों को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक, दिए सख्त निर्देश

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक टीजीटी परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट सभागार में मजिस्ट्रेटों एवं केंद्र व्यवस्थापकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों को आयोग के दिशा-निदेर्शों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने तथा परीक्षा को पूरी पारदर्शिता एवं सतर्कता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए। टीजीटी परीक्षा 03 एवं 04 जून 2026 को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2:30 बजे से 4:30 बजे तक संपन्न होगी।

बैठक में विभिन्न परीक्षा केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे, जिनमें जी.डी. बिन्नानी पी.जी. कॉलेज भरूहना, श्री माता प्रसाद माता भीख इंटर कॉलेज घंटाघर, राजस्थान इंटर कॉलेज देवपुरवा, श्री गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज कछवां, बी.एल.जे. इंटर कॉलेज मुकेरी बाजार, ए.एस. जुबिली इंटर कॉलेज, महेश भट्टाचार्य इंटर कॉलेज अकोढ़ी, सुंदर मुंदर जायसवाल बालिका इंटर कॉलेज बाजीराव कटरा, श्री शिव इंटर कॉलेज डंकीनगंज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कछवां, राजकीय इंटर कॉलेज महुअरिया, बसंत विद्यालय इंटर कॉलेज मुजफ्फरगंज, स्व. कांशीराम राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मुजफ्फरगंज, आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज विसुन्दरपुर एवं मिश्रीलाल इंटर कॉलेज मवैया सहित अन्य केंद्र शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को परीक्षा प्रारम्भ से समाप्ति तक केंद्रों पर सतत भ्रमणशील रहकर शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सुबह 6 बजे तक अनिवार्य रूप से अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित हो जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि परीक्षा से पूर्व एवं बाद में केंद्र पर तैनात सभी कार्मिकों की सामूहिक फोटो एवं वीडियो रिकॉर्डिंग कर जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा की जाए तथा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए।

डीएम ने परीक्षा कक्षों में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, एयरफोन, कैलकुलेटर, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, बैग एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के प्रवेश पर पूर्ण रोक रहेगी। यदि कोई परीक्षार्थी सामान लेकर आता है तो उसकी सुरक्षित व्यवस्था केंद्र के बाहर सुनिश्चित की जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को परीक्षा केंद्रों के आसपास एंबुलेंस एवं मेडिकल टीम तैनात करने के निर्देश दिए गए, जबकि अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। रोडवेज प्रशासन को परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु हेल्प डेस्क स्थापित करने तथा रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक को सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, केंद्रों के 200 मीटर दायरे में फोटोस्टेट की दुकानों एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लागू कराने तथा धारा 163 बीएनएसएस का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही यूपी-112 की गाड़ियों को भी केंद्रों के आसपास तैनात रखने को कहा गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजय कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी लालगंज अजीत कुमार, मड़िहान अनेग सिंह, चुनार राजेश वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. छोटे लाल वर्मा सहित अन्य अधिकारी, मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

जंगीपुर थाना दिवस में भू-विवाद गरमाया, जमीन कब्जे के आरोप में FIR दर्ज

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः जखनियां तहसील अंतर्गत जंगीपुर थाना दिवस पर कुल आठ प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि एक मामलों में भू-माफियाओं के खिलाफ एफआईआर 0097/ 2026ुल्लर की धारा 326ी, 352 351 ,3 मनोज पुत्र धनु यादव ग्राम चकवा कर, श्रवण पुत्र चंद्रिका यादव अंकित पुत्र सुरेंद्र यादव जगदीशपुर घूर बिन व कुछ अज्ञात लोगों के ऊपर दर्ज की गई है। ये मामले मुख्य रूप से सीमांकन और खूंटे उखाड़ने से संबंधित थे। पहला मामला जगदीशपुर घूरबिन गांव निवासी रामकेश प्रभुनाथ संकट विश्वकर्मा पुत्र स्व. उमाशंकर विश्वकर्मा का था। उन्होंने शिकायत की कि उनकी पैतृक जमीन गाटा संख्या 42 की पक्की पैमाइश 17 और 18 मई 2026 को चकबंदी, राजस्व, पुलिस विभाग और ग्राम प्रधान व संपूर्ण काश्तकारों की उपस्थिति में हुई थी। इस दौरान सभी काश्तकारों के खेतों के रकबे को पूरा करते हुए खूंटे लगाए गए थे, जिसकी वीडियोग्राफी भी की गई थी।रामकेश विश्वकर्मा के अनुसार, गाटा संख्या 42 के पूर्वी और दक्षिणी सिरे के कोने पर तथा जगदीशपुर व चकबाकर के बॉर्डर पर लगे खूंटे को चकबाकर निवासी मनोज पुत्र धन्नू यादव व उपरोक्त लोगों तथा अज्ञात के द्वारा गोल बनाकर खूंटा उखाड़ दिया।

लोगों ने उनकी आठ बिस्वा पैतृक जमीन पर कब्जा कर लिया है और पूछताछ करने पर जानमाल की धमकी दे रहे हैं। कोई बड़ी घटना की जिम्मेदारी इन लोगों के ऊपर होगी रामकेश विश्वकर्मा के पूरे परिवार के साथ यह लोग तथा कुछ अज्ञात लोग बड़ी घटना करने के साजिश में लगे हुए हैं और बार-बार धमकी दे रहे हैं कि अपनी जमीन बार-बार नवी कर आओगे तो तुम्हें जान से मार कर इस दुनिया से ऊपर पहुंचा देंगे और शासन प्रशासन के सामने खूंटा उखाड़ कर फेंकने की बात करते हैं और लाठी लेकर दौड़ते हैं सब और शासन प्रशासन तमाशा देखता है जो कि जिले के डीएम महोदय का एक सख्त आदेश है कि वह माफिया से गरीबों की जमीन कब्जा मुक्त कराई जाए वह सरकारी जमीन मुक्त कराई जाए और माफिया लोगों के ऊपर सत्य से सख्त कार्रवाई की जाए और गुंडा एक्ट आदि लगाया जाए अब देखना यह है कि क्या विश्वकर्मा परिवार के पैतृक जमीन की कब्जे को लेकर इन लोगों को न्याय मिल सकता है या यह लोग बरसों से डर डर की ठोकर खाते चले आ रहे हैं और खाते रहेंगे और राजस्व विभाग गहरी नींद में सोया रहेगा अगर कोई बड़ी घटना होती है तो गांव के माफिया लोग वह शासन प्रशासन के लोग जिम्मेदार होंगे।

RBI जल्द ला सकता है प्लास्टिक नोट, छपाई लागत घटेगी और बढ़ेगी नोटों की उम्र

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक बार फिर प्लास्टिक के नोट यानी पॉलीमर बैंक नोट लाने की पुरानी योजना को सक्रिय कर रहा है। पिछले कुछ सालों में नोटों की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है। इसलिए आरबीआई अब कागज के नोटों के जगह प्लास्टिक के नोट छापने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। आरबीआई के पिछले दो बोर्ड मीटिंग में इस मुद्दे पर विचार से चर्चा हुई। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्लास्टिक के नोटों के उत्पादन की लागत कम होने और उनकी ज्यादा उम्र के फायदे को देखते हुए यह फैसला लिया जा रहा है। जल्द ही आम लोगों के लिए प्लास्टिक नोटों का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा की जा सकती है। रिपोर्ट में मामले से अवगत एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि प्लास्टिक नोट छापने की लागत कागज के नोटों से काफी कम है। साथ ही एटीएम मशीनें भी इस नोटों को आसानी से पहचान सकेंगी। वित्त वर्ष 2024- 25 में कागजी नोट छापने पर आरबीआई को 6372.8 करोड़ रुपए खर्च करने पड़े, जो पिछले साल से ज्यादा था। साथ ही गंदे और खराब हो चुके नोटों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। FY25 मे 23.8 अरब गंदे नोट नष्ट किए गए, जो पिछले साल से 12.3 फीसदी ज्यादा थे। ज्यादातर 500 रूपए और 100 रूपए के नोट खराब हो रहे हैं। अभी देश में कुल सरकुलेशन वाले नोटों की वैल्यू 42.86 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई, जो पिछले साल से 11.5 फीसदी ज्यादा है।

छोटे नोटों जैसे 10 रूपए और 20 रूपए की मांग ज्यादा है, लेकिन कुछ नोटों में इनकी हिस्सेदारी बहुत कम है। यह पहली बार नहीं है, जब रिजर्व बैंक प्लास्टिक के बैंक नोट लाने पर विचार कर रहा है। पहले भी वर्ष 2012 में वढअ सरकार ने 5 शहरों में 10 रूपए के प्लास्टिक नोटों का ट्रायल करने का फैसला लिया था, लेकिन उस समय तकनीकी चुनौतियों के कारण योजना रद्द हो गई थी। अब सूत्र बता रहे हैं कि पिछले 10 साल में तकनीक काफी बेहतर हो गई है और एटीएम के साथ कोई समस्या नहीं रहेगी. दुनिया में पहले से ही 60 से ज्यादा देश प्लास्टिक के नोट इस्तेमाल कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया सबसे पहले वर्ष 1988 में प्लास्टिक के नोट लाया था. सिंगापुर, थाईलैंड,मलेशिया, कनाडा आदि देशों में भी यह व्यवस्था सफल रही है। आरबीआई का मानना है कि प्लास्टिक के नोट ज्यादा दिनों तक चलेंगे, कम गंदे होंगे और सरकार की छपाई की लागत भी घटेगी।

महेंद्रगढ़ में नेत्रहीन, अनाथ बच्चों व वृद्धाश्रम का शुभारंभ

विधायक कंवर सिंह यादव बोले- सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

मैनपाल

हरियाणाः रविवार को श्री खाटूश्याम मानव जन सेवा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पंचमुखी हनुमान मंदिर के नजदीक महेंद्रगढ़ में नेत्रहीन, अनाथ बच्चों एवं वृद्धाश्रम के शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक कंवर सिंह यादव ने शिरकत की। सोसाइटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विधायक का फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। विधायक ने रिबन काटकर वृद्धाश्रम का शुभारंभ किया। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों को सम्मान और सहयोग मिले। उन्होंने कहा कि नेत्रहीन, अनाथ बच्चों एवं वृद्धजनों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। श्री खाटूश्याम मानव जन सेवा वेलफेयर सोसाइटी का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक है, जिससे जरूरतमंद लोगों को सहारा और बेहतर वातावरण मिलेगा।

विधायक ने कहा कि हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। सरकार गरीब, जरूरतमंद, दिव्यांग, अनाथ बच्चों और बुजुर्गों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। विधायक ने सोसाइटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाजसेवी संस्थाएं सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को मजबूत करती हैं तथा ऐसे प्रयास समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं।

इस मौके पर प्रधान अनूप, अग्रवाल सभा पूर्व प्रधान नरेंद्र मेहता, नवीन मित्तल, सुधीर खुड़ाना, मनोज सैनी, रामवतार शास्त्री, नीटू शर्मा, मीनू, प्रवीण शर्मा, महेंद्र चौधरी, रामगोपाल मित्तल, राजू, शिशु, दिनेश सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सेंसर विवाद हुआ खत्म, 29 मई को रिलीज होगी बाबा नीब करौरी महाराज पर बनी फिल्म

पुष्पेंद्र सिंह नेगी

महाराष्ट्रः मुंबई में लंबे समय से चचाओं में बनी आध्यात्मिक फिल्म श्री बाबा नीब करौरी महाराज आखिरकार 29 मई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की रिलीज को लेकर पिछले कई महीनों से विवाद, कानूनी प्रक्रिया और सेंसर संबंधी अड़चनें सामने आती रही थीं, जिसके कारण इसकी रिलीज डेट टालनी पड़ी थी। बाबा नीब करौरी महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक विचारों, चमत्कारों और मानव सेवा पर आधारित इस फिल्म का भक्तों और दर्शकों को लंबे समय से इंतजार था। फिल्म पहले 24 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी और इसके लिए प्रचार-प्रसार भी शुरू हो चुका था। टीजर, पोस्टर और संगीत को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी, लेकिन रिलीज से ठीक पहले सेंसर प्रमाणपत्र को लेकर प्रक्रिया अटक गई।

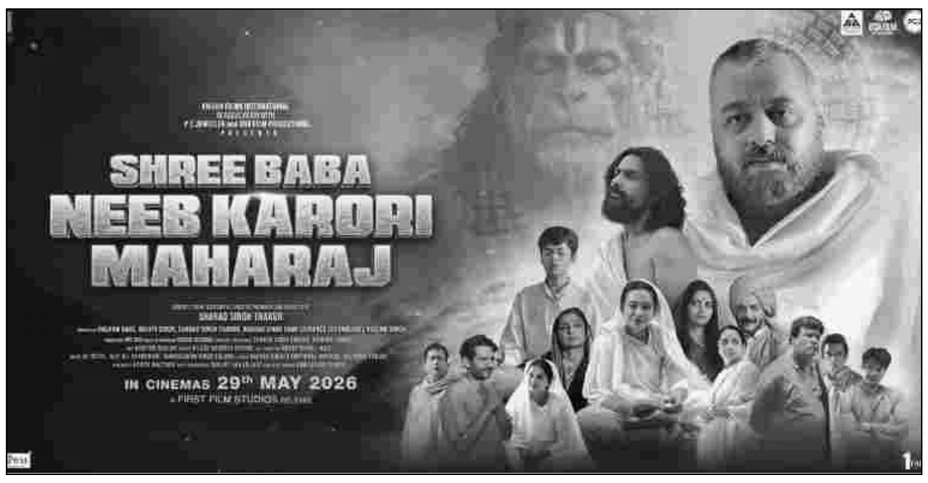

फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार निमार्ताओं ने सेंसर बोर्ड को सभी आवश्यक दस्तावेज और संबंधित पक्षों की एनओसी समय पर उपलब्ध करा दी थी। इसके बावजूद प्रमाणपत्र जारी करने में लगातार देरी होती रही। निमार्ताओं का आरोप है कि सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद भी फिल्म को अनावश्यक रूप से रोका गया और बार-बार नई आपत्तियां उठाई गईं।मामला लंबा खिंचने के बाद निमार्ताओं ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट में याचिका दाखिल होने के बाद प्रक्रिया में तेजी आई और इसके तुरंत बाद फिल्म को सेंसर बोर्ड से प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया। बताया जा रहा है कि रिलीज में हुई देरी के कारण फिल्म के प्रमोशन, वितरण और अन्य व्यवस्थाओं पर बड़ा असर पड़ा, जिससे निमार्ताओं को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है।

सूत्रों का कहना है कि निमार्ता पक्ष अब हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई को लेकर कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। इसके लिए अलग से क्षतिपूर्ति याचिका दायर किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है। फिल्म इंडस्ट्री में भी यह मामला चर्चा का विषय बना रहा। बाबा नीब करौरी महाराज को देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में करोड़ों लोग श्रद्धा और आस्था के साथ मानते हैं। कैंची धाम सहित उनके विभिन्न आश्रमों में हर वर्ष लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। फिल्म के निर्देशक शरद सिंह ठाकुर ने कहा कि यह फिल्म केवल एक सिनेमाई प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक जिम्मेदारी थी। उन्होंने बताया कि फिल्म निर्माण से पहले वर्षों तक रिसर्च की गई और उन लोगों से बातचीत की गई जिन्हें बाबा का प्रत्यक्ष सान्निध्य प्राप्त हुआ था।

फिल्म में सुबोध भावे, मोहित गुप्ता, हितेन तेजवानी, स्मिता तांबे, राजेश शर्मा, मिलिंद गुणाजी, अनिरुद्ध दवे, हेमंत पांडे और समीक्षा भटनागर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। निमार्ताओं का कहना है कि वर्षों से कई लोगों ने बाबा के जीवन पर फिल्म बनाने का प्रयास किया, लेकिन यह कार्य पूरा नहीं हो सका। टीम का मानना है कि बाबा के आशीर्वाद और कृपा से ही यह फिल्म अब दर्शकों तक पहुंच रही है। गौरतलब है कि बाबा नीब करौरी महाराज को उनके अनुयायी बजरंगबली का स्वरूप मानते हैं। एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स, फेसबुक के मार्क जुकरबर्ग और हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया रॉबर्ट्स जैसे कई अंतरराष्ट्रीय नाम भी उनसे प्रभावित रहे हैं। अब 29 मई को रिलीज होने जा रही यह फिल्म श्रद्धा, विश्वास और आध्यात्मिक अनुभव की कहानी के रूप में देखी जा रही है। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि यह फिल्म भारतीय आध्यात्मिक सिनेमा को नई पहचान दे सकती है। श्री बाबा नीब करौरी महाराज 29 मई से देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

उद्योग बंधु बैठक में डीएम रहे सख्त, लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु एवं व्यापार मंडल समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें उद्यमियों ने बिजली, पानी, सड़क, एनओसी एवं बैंक ऋण से संबंधित समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। जिलाधिकारी ने सभी समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा के दौरान 69 प्रकरण समय सीमा के भीतर लंबित पाए गए। वहीं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान 2025-26 के अंतर्गत प्राप्त 973 आवेदनों में से 136 स्वीकृत, 108 वितरित, 314 निरस्त तथा 620 आवेदन बैंकों में लंबित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि ह्लईज ऑफ डूइंग बिजनेसह्व सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों की सड़क व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। चुनार-उदितनगर-बड़ागांव मार्ग की जर्जर स्थिति, शहर में पाइपलाइन कार्य के बाद बनी खराब सड़कों तथा तहसील चौराहा से पाण्डेयपुर मार्ग की मरम्मत पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी मुख्य मार्गों की मरम्मत एवं पैचवर्क का कार्य 15 दिनों के भीतर पूर्ण किया जाए।

उन्होंने विद्युत विभाग को औद्योगिक फीडरों पर ट्रिपिंग रोकने एवं 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सहमति प्रमाण पत्र समयबद्ध रूप से जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में औद्योगिक आस्थान चुनार-मीरजापुर पार्क के नवीनीकरण, राजकीय चीनी पात्र विकास केंद्र चुनार की बाउंड्रीवाल निर्माण, जिला निर्यात समिति की बैठक समय पर कराने सहित विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, उपायुक्त उद्योग संदीप कुमार सहित विभिन्न उद्यमी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी का कहर, 40°C पारा, लू और उमस से जनजीवन प्रभावित

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः जिले में भीषण गर्मी और उमस ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। शुक्रवार दोपहर 12 बजे ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे शहर की रफ्तार थम सी गई।

करीब 9 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली गर्म पछुआ हवाओं लू ने स्थिति को और अधिक कठिन बना दिया। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग परेशान रहे। जैसे-जैसे दोपहर बढ़ी, वैसे-वैसे शहर की मुख्य सड़कों पर सन्नाटा पसरता चला गया। आम दिनों में चहल-पहल रहने वाले इलाके भी सुनसान नजर आए।भीषण गर्मी का सीधा असर स्थानीय बाजारों पर देखने को मिला है। दुकानों और बाजारों में ग्राहकों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

लोग केवल अत्यावश्यक कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकल रहे हैं, जिससे व्यापारिक गतिविधियां भी धीमी पड़ गई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, गुरुवार की रात भी भारी उमस के कारण बेहद कठिन रही, जिससे नींद प्रभावित हुई। शुक्रवार को भी मौसम में किसी तरह की राहत नहीं मिली, जिससे आम जनजीवन प्रभावित रहा। गर्मी से बचने के लिए लोग छांव और ठंडे स्थानों की तलाश करते नजर आए। रोडवेज बस अड्डे और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर यात्री पेड़ों की छांव में बैठकर राहत पाने की कोशिश करते दिखे। महिलाएं और बच्चे सिर व चेहरे को सूती कपड़ों से ढककर धूप से बचाव करते नजर आए, जबकि दोपहिया वाहन चालक गमछा बांधकर यात्रा करने को मजबूर दिखे।

'विजन 2030' रोडमैप तैयार, कृषि उद्योग पर्यटन से विकास की नई योजना पर मंथन

विजय कुमार

उत्तर प्रदेशः बलरामपुर कलेक्ट्रेट सभागार में को "विजन 2030" को लेकर उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। डीएम विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में हुई बैठक में वर्ष 2030 तक बलरामपुर की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का रोडमैप तैयार किया गया। कृषि में क्रांति धान-गन्ना के साथ-साथ केले, हल्दी व औषधीय खेती को बढ़ावा। FPO बनाकर किसानों को सीधे बाजार से जोड़ा जाएगा। उद्योग को उड़ान नेपाल सीमा से सटे होने का लाभ उठाकर "सीमा व्यापार हब"विकसित होगा। छोटे-लघु उद्योगों को बढ़ावा। पर्यटन का पिटारा देवीपाटन मंदिर, सुहेलवा वन्य जीव विहार व थारू संस्कृति को "बौद्ध सर्किट" से जोड़ा जाएगा। रोजगार सृजन जनपद को "वैल्यू एडिशन हब" बनाया जाएगा जहां कच्चे माल की प्रोसेसिंग यहीं हो, ताकि युवाओं को बाहर न जाना पड़े। सभी विभाग 15 दिन में सेक्टर-वाइज कार्ययोजना प्रस्तुत करें। "2030 तक प्रति व्यक्ति आय दोगुनी करने का लक्ष्य है", DM ने कहा।

विजन 2030 के साथ ही जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक भी हुई। CMO को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए 7 सूत्रीय एजेंडा दिया गया।

1. शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसवः घर पर डिलीवरी जीरो हो। आशा-अठट को गांव-गांव निगरानी के निर्देश।

2. OPD बढ़ाओ, भीड़ घटाओः जिला अस्पताल व सभी CHC-PHC पर OPD पर्चा काउंटर बढ़ेंगे। सुबह 8 से 2 बजे तक डॉक्टर मौजूद रहें।

3. गर्भवती का समय से ANC: पहली तिमाही में ही पंजीकरण हो। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की अलग सूची बने।

4. जननी सुरक्षा का पैसा तुरंतः लाभार्थी के खाते में 48 घंटे में भुगतान। देरी पर संबंधित का वेतन रुकेगा।

5. कुपोषण पर वारः रअट बच्चों को चिन्हित कर ठफ्ळ बलरामपुर में भर्ती बढ़ाएं। बेड खाली न रहें।

6. टीका + स्कूल जांचः नियमित टीकाकरण 100% हो। RBSK टीम हर महीने स्कूलों में बच्चों का हेल्थ चेकअप करे।

7. गर्मी से निपटने की तैयारीः वेक्टर बॉर्न डिजीज - डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए फॉगिंग, लार्वा सर्वे तेज हो।

"स्वास्थ्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं। जिस PHC की OPD कम मिली या खर का पैसा रुका, वहां के MOIC पर कार्रवाई होगी।" उऊ्ड हिमांशु गुप्ता, CMO, सभी डिप्टी CMO, जिला कार्यक्रम अधिकारी, सभी MOIC व BDO। "विजन 2030" बलरामपुर को "सीमांत जिला" से "समृद्ध जिला"बनाने का ब्लूप्रिंट है। वहीं स्वास्थ्य समिति के निर्देश "आंकड़ों की बाजीगरी नहीं, जमीनी इलाज" की तरफ इशारा करते हैं।

एक नजर

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

मनोज कुमार चोरडिया/राजस्थानः नागौर जिले के डेगाना ब्लॉक के बरना गांव की ग्राम पंचायत स्थित अटल सेवा केंद्र में शुक्रवार को जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार की अध्यक्षता में रात्री चौपाल का आयोजन किया गया। इस रात्रि चौपाल में लगभग चालीस परिवर्दियों ने अपनी समस्याओं के बारे में जिला कलेक्टर को बताया। रात्री चौपाल में मुख्य रूप से जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति में आ रही समस्याएं, विद्युत सप्लाई की समस्या, बिजली के तार व अन्य उपकरणों से संबंधित समस्या, राशन प्राप्त करने एवं वितरण के मामले तथा सड़क व अन्य ग्राम विकास से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं सीधे जिला कलेक्टर के समक्ष रखीं। कलेक्टर कुमार ने मौके पर उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त सभी परिवेदनाओं का प्राथमिकता से त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरविंद जाखड़, डेगाना उपखंड अधिकारी मोहन चौधरी, डेगाना तहसीलदार सतीश राव सहित जिले के सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा मंच ने किया शरबत वितरण

अजय सक्सेना/उत्तर प्रदेशः स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा मंच की ओर से नया मांझरा लाकड़ी स्थित चामुंडा मंदिर पर गंगा दशहरा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के लिए शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्यक्रम संगठन के अध्यक्ष अवनीश चौहान के मार्गदर्शन एवं संगठन महासचिव अमन शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान भीषण गर्मी में लोगों को शीतल शरबत वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। संगठन के कार्यकताओं ने पूरे उत्साह एवं समर्पण भाव से सेवा कार्य में भाग लिया। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए युवा मंच के कार्यों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ता कृष्ण ओम शर्मा, अभिनव शर्मा, मनु शर्मा, अक्षय शर्मा, मोहित शास्त्री, अस्मित चौधरी, निशांत चौधरी, विशाल चौहान, अंकुश पंडित, नरेश चौहान, विक्रम चौहान, अभिषेक चौहान, सोनू चौहान, सूर्यांश शर्मा, अस्मित चौधरी, निशांत धारीवाल, कृष्णा चौहान, कपिल देव, विनय चौहान, राजकुमार श्रेष्ठ अथर्व सहित अन्य सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि युवा मंच भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक एवं धार्मिक सेवा कार्यों का आयोजन करता रहेगा।

रेपिडो सवारी वाहनों में चोरी करने वाले तीन शातिर आरोपियों को एलसीबी टीम ने दबोचे

जैन धीरजकुमार/गुजरातः शहर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं के बीच एलसीबी लोकल क्राइम ब्रांच टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए रेपिडो में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरी कार्रवाई को एलसीबी जॉन-5 के के.के. जडेजा, पीएसआई श्री तथा उनकी टीम ने बेहद सतर्कता और सूझबूझ के साथ अंजाम दिया। पुलिस की इस प्रशंसनीय कार्यवाही से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूती मिली है और आम जनता ने भी राहत की सांस ली है। जानकारी के अनुसार, बीते कुछ समय से रेपिडो वाहन चालकों और यात्रियों के साथ चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही थीं। आरोपियों द्वारा मौका देखकर मोबाइल, पर्स और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया जाता था। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एलसीबी टीम ने तकनीकी जांच, मुखबिरों की सूचना और लगातार निगरानी के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। एलसीबी जॉन-5 के अधिकारी के.के. जडेजा, पीएसआई श्री एवं उनकी टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को धर दबोचा। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई चोरी की वारदातों को कबूल किया है।

स्व. केदार नाथ राय की प्रथम पुण्यतिथि पर हुई विशाल श्रद्धांजलि सभा, जुटेंगे देशभर के सनातन समर्थक

पुष्पेंद्र सिंह नेगी

उत्तर प्रदेशः कुशीनगर के गोरक्षनाथ सनातन संघ के परम आदरणीय संरक्षक, समाजसेवी, कुशीनगर जनपद के पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं चकबंदी न्यायालय के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता स्वर्गीय श्री केदार नाथ राय जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 30 मई 2026 को एक विशाल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम ग्राम ढोकरहा, जिला कुशीनगर, उत्तर प्रदेश में शनिवार सुबह 10 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

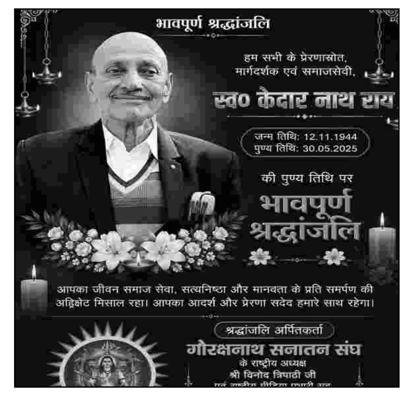

स्वर्गीय केदार नाथ राय जी ने अपने जीवनकाल में समाज सेवा, न्याय व्यवस्था तथा संगठनात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे अपने संघर्षशील व्यक्तित्व, सरल स्वभाव एवं सनातन मूल्यों के प्रति समर्पण के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखते थे। उनके कार्य आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से उनके सामाजिक योगदान को याद किया जाएगा। कार्यक्रम में गोरक्षनाथ सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार त्रिपाठी जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और दिवंगत राय जी को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। वहीं कार्यक्रम के आयोजक एवं वेदक के रूप में गोरक्षनाथ सनातन संघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सह दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित संतोष मिश्रा मौजूद रहेंगे।

जानकारी के अनुसार, सुबह 9 बजे गोरखपुर से श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी ढोकरहा, कुशीनगर के लिए रवाना होंगे। संगठन की ओर से सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वर्गीय केदार नाथ राय जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें। संगठन की ओर से कहा गया कि महापुरुष कभी मरते नहीं, वे अपने विचारों और कार्यों में सदैव जीवित रहते हैं। स्वर्गीय राय जी का जीवन समाज सेवा और न्याय के प्रति समर्पित रहा, जिसे सदैव याद किया जाएगा।

प्रतापगढ़ में भव्य भगवान परशुराम शोभायात्रा का सफल आयोजन, उमड़ा जनसैलाब

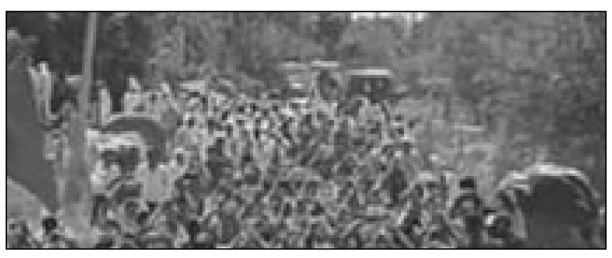

प्रशांत

उत्तर प्रदेशः प्रशांतदुबे विश्वनाथगंज विधानसभा 247 के भावी विधायक पद प्रत्याशी सुरेंद्र प्रताप सिंह के कुशल नेतृत्व में भव्य भगवान परशुराम शोभायात्रा का आयोजन हैसीं चौराहे से प्रारंभ होकर मांधाता हनुमान मंदिर (थाने के सामने) तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ इस ऐतिहासिक शोभायात्रा में क्षेत्र के सम्मानित सनातन धर्मावलंबियों की भारी सहभागिता देखने को मिली। जनसैलाब ने न केवल आस्था का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया, बल्कि सुरेंद्र प्रताप सिंह के प्रति अपने विश्वास और समर्थन को भी मजबूती से व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों ने इसे ब्लॉक मान्धाता की पहली भव्य भगवान परशुराम शोभायात्रा बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि ऐसा आयोजन क्षेत्र की एकता, संस्कृति और धार्मिक चेतना को नई दिशा देता है। लोगों ने प्रार्थना की भगवान परशुराम जी की कृपा इन पर बनी रहे।

सीएम योगी ने जेलों को सुधार और कौशल विकास केंद्र बनाने के दिए निर्देश

दीपक यादव

उत्तर प्रदेशः मुख्यमंत्री MYogiAdityanath जी ने लखनऊ में कारागार विभाग की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जेलों को केवल बंदी रखने का स्थान नहीं, बल्कि सुधार, पुनर्वास और कौशल विकास के प्रभावी केंद्र के रूप मे विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी जेलों में सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, तकनीकी सुदृढ़ीकरण और बंदियों के पुनर्वास से जुड़ी व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और सुधारात्मक गतिविधियों के माध्यम से कारागारों को नई पहचान दी जाए।

मुख्यमंत्री जी ने ओपन जेल की परिकल्पना को उपयोगी बताते हुए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल पेशेवर अपराधी और माफिया तत्वों को जेलों में रखने की आवश्यकता है, जबकि छोटे अपराधों के मामलों में सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने 75 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों, असाध्य रोगों से ग्रस्त बंदियों, बच्चों के साथ जेल में रह रही महिला बंदियों तथा जमानत राशि जमा न कर पाने वाले कैदियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने जेलों में ओवरक्राउडिंग कम करने के लिए निमार्णाधीन परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने बहुमंजिला जेलों के निर्माण को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जेलों की सुरक्षा व्यवस्था से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास और उत्पादन गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

संपादकीय

जहरीली शराब का जहर: मौत का कारोबार कब रुकेगा?

महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई 15 लोगों की मौत ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि भारत में बार-बार सामने आने वाली उस भयावह समस्या का नया अध्याय है जिसमें सस्ती और अवैध शराब गरीब तथा निम्न आय वर्ग के लोगों की जान ले लेती है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि अवैध शराब के पूरे इकोसिस्टम की पहचान कर ली गई है और उसकी कमर तोड़ने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे। यह बयान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं और इन्हें रोकने के लिए स्थायी समाधान कब निकलेगा?

जहरीली शराब का खतरा नया नहीं है। भारत के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। अवैध शराब बनाने वाले लोग अधिक मुनाफे के लालच में मिथाइल अल्कोहल जैसे जहरीले रसायनों का उपयोग करते हैं। यह पदार्थ मानव शरीर के लिए अत्यंत घातक होता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जा सकती है, गुर्दे और यकृत प्रभावित हो सकते हैं तथा कुछ ही घंटों में व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसके बावजूद अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है सस्ती शराब की मांग, प्रशासनिक निगरानी की कमी और अपराधियों का संगठित नेटवर्क। पुणे की घटना में प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अवैध स्पिरिट युक्त शराब तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में बेची गई थी। जिन लोगों ने इसे खरीदा, उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि वे शराब नहीं बल्कि मौत का जहर पी रहे हैं। गरीब और मेहनतकश वर्ग अक्सर कम कीमत के कारण ऐसी शराब की ओर आकर्षित हो जाते हैं। यही वर्ग सबसे अधिक नुकसान भी उठाता है। परिवार का कमाने वाला सदस्य जब इस तरह की दुर्घटना का शिकार होता है तो उसके पीछे पत्नी, बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक और सामाजिक संकट में फंस जाते हैं।

विश्व शांति के लिये सबसे बड़ा खतरा है इस्राईल

दरअसल ईरान ही एक अकेला ऐसा देश है जोकि न केवल ग्रेटर इस्राइल रुपी इस विस्तारवादी परियोजना को खुलकर खारिज करता है बल्कि फिलिस्तीनी क्षेत्रों गजा,वेस्ट बैंक व लेबनान आदि में इस्राईल द्वारा कब्जा की गयी जमीन को भी मुक्त कराये जाने का पक्षधर है। यही वजह है कि ईरान, इस्राईल व अमेरिका की नजरों में खटकता रहता है। ईरान की तेल सम्पदा पर भी अमेरिका अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये रखता है। उधर अपनी इसी योजना को आगे बढ़ाते हुये अब तक इस्राईल ने आतंक व बर्बरता का वह इतिहास रचा है जिसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती।

-तनवीर जाफरी-

दशकों से वैश्विक स्तर पर ईरान को एक खलनायक राष्ट्र के रूप में पेश करने की घिनौनी साजिश रची जाती रही है। इस्राइल यह बार बार दोहराता रहा है कि उसे डर है कि यदि ईरान परमाणु बम बना लेता है तो उसका अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। यह दुष्प्रचार तब किया जाता है जबकि ईरान में इस्लामी क्रांति के नेता आयतुल्लाह खुमैनी द्वारा परमाणु बम को मानवता विरोधी बताते हुये इसके निर्माण के विरुद्ध फतवा तक दिया जा चुका है। उधर ईरान के किसी भी धर्मगुरु या नेता ने आज तक परमाणु बम बनाने की बात भी नहीं की है। परन्तु इराक में सद्दाम हुसैन की तर्ज पर ईरान को भी केवल मीडिया प्रोपेगंडा कर बार बार खलनायक प्रमाणित करने की कोशिश की जाती रही है। दरअसल इसकी एक वजह यह भी है कि अमेरिकी-इस्राईली प्रभाव वाले ईरानी शासक मोहम्मद रजा शाह पहलवी ने तो 1948 में इस्राइल को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता तो दी थी परन्तु 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान ने इस्राइल की मान्यता भी समाप्त कर दी साथ ही उसे "सियोनवादी शासन" भी घोषित कर दिया।

परन्तु यदि हम ईरान व इस्राईल के 'ट्रैक रिकॉर्ड' को देखें तो 1967 के युद्ध में इस्राइल ने वेस्ट बैंक और गजा पर कब्जा जमाकर फि लिस्तीन पर अपना नियंत्रण करना शुरू कर दिया था। तब से लेकर आज तक इस्राइल पूरे क्षेत्र में बर्बरीयत व हिंसा करता आ रहा है। इसके पीछे उस ग्रेटर इस्राइल के गठन व निर्माण की एक जायोनिस्ट (यहूदीवादी) विस्तारवादी अवधारणा काम कर रही है जिसके तहत एक ऐसे विशाल यहूदी राज्य की कल्पना की गई है, जो वर्तमान इस्राइल से कहीं ज्यादा बड़ा हो और इसमें मध्य पूर्व के कई अरब देशों के क्षेत्रों को शामिल किया जा सके। इस योजना को आधुनिक राजनीतिक संदर्भ में एक विवादित इस्राईली विस्तारवादी परियोजना के रूप में देखा जाता है । जायोनिस्ट के इस काल्पनिक ग्रेटर इस्राइल की भौगोलिक सीमाएं मिस्र की नील नदी से लेकर इराक की फुरात (यूफ्रेट्स) नदी तक और मदीना से लेकर लेबनान तक शामिल हैं। यहाँ तक कि पूरा जॉर्डन, फिलिस्तीन (पश्चिमी तट व गजा), लेबनान, सीरिया, इराक, मिस्र, सऊदी अरब के बड़े हिस्से,पवित्र स्थल मक्का, मदीना, और माउंट सिनाई पर कब्जा भी इस योजना में शामिल माना जाता है। इसी दूरगामी योजना के मद्देनजर इस्राईल की सरपरस्ती करते हुये अमेरिका ने दशकों से ईरान का भय दिखाकर तथा शिया सुन्नी मतभेदों को हवा देकर इसी की आड़ में मध्य पूर्व के अनेक देशों में अपने सैन्य ठिकाने भी बना रखे हैं।

दरअसल ईरान ही एक अकेला ऐसा देश है जोकि न केवल ग्रेटर इस्राइल रुपी इस विस्तारवादी परियोजना को खुलकर खारिज करता है बल्कि फिलिस्तीनी क्षेत्रों गजा,वेस्ट बैंक व लेबनान आदि में इस्राईल द्वारा कब्जा की गयी जमीन को भी मुक्त कराये जाने का पक्षधर है। यही वजह है कि ईरान, इस्राईल व अमेरिका की नजरों में खटकता रहता है। ईरान की तेल सम्पदा पर भी अमेरिका अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये रखता है। उधर अपनी इसी योजना को आगे बढ़ाते हुये अब तक इस्राईल ने आतंक व बर्बरता का वह इतिहास रचा है जिसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। उदाहरण के तौर पर गजा में 7 अक्टूबर 2023 से 19 मई 2026 के मध्य इस्राइली सैन्य कार्रवाई में 72,772 से अधिक निहत्थे बेगुनाह फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि घायलों की संख्या 172,707 से भी अधिक है । मृतकों में आधे से अधिक महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं। इसी तरह लेबनान में भी मई 2026 तक इस्राईल के हमलों में 2,255 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यहाँ भी मरने वालों में 122 बच्चे, 83 महिलाएं और 42 चिकित्सा कर्मी भी शामिल हैं।

यह इस्राइल ही है जिसने ईरान को ग्रेटर इस्राईल के रास्ते का सबसे बड़ा अड़ंगा समझते हुये अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिये उकसाया। हद तो यह है कि अमेरिका और इस्राइल ने परमाणु वार्ता के दौरान ईरान पर कम से कम दो बार हमला किया। पहला हमला 13 जून 2025 को यानी ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता के 5 राउंड की वार्ता के दो दिन बाद किया गया था। इस में इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर भीषण हमला किया, जबकि दोनों देश आगे बातचीत की योजना बना रहे थे। इसी तरह इस्राइल और अमेरिका ने दूसरा हमला 27 फरवरी 2026 को, अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता के बीच किया जिसमें ईरान में 30 जगहों पर हमला किया गया, जिसमें तेहरान में ईरानी खुफिया एजेंसी की इमारतें, एयरपोर्ट्स, राष्ट्रपति भवन और रिहायशी इलाके शामिल थे। साथ ही तेहरान और इस्फहान जैसे 30 शहर भी अमेरिका-इस्राइल के निशाने पर थे। इसी हमले में मिनाब में स्कूल के 165 मासूम बच्चे,सर्वोच्च ईरानी नेता खामनेई व अनेक उच्चाधिकारी शहीद हुये थे।

इसके अतिरिक्त विश्व में हिंसा व अशांति फैलाने के लिये इस्राईल अनेक बार युद्धविराम का उल्लंघन भी करता आया है। चाहे वह गजा का युद्ध विराम हो या लेबनान का युद्ध विराम। इस्राइल गजा युद्ध विराम 10 अक्टूबर 2025 को अमेरिकी मध्यस्थता में लागू हुआ था। परन्तु युद्धविराम के बाद से अब तक लगभग 2000 बार इस्राईली सेना युद्धविराम का उल्लंघन कर चुकी है।

और विराम के बाद 700 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 3 हजार से ज्यादा घायल हो चुके हैं। मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध के कारण ही अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है। इसके अतिरिक्त, तुर्की ने भी नेतन्याहू और 36 अन्य इस्राईली अधिकारियों के विरुद्ध नरसंहार के आरोप में अलग से गिरफ़्तारी वारंट जारी किए हैं । आश्चर्यजनक है कि परमाणु हथियार रखने वाला देश इस्राइल, जिसे विश्व के सबसे बड़े नरसंहारक देश के रूप में देखा जा रहा है, व उसका संरक्षक अमेरिका, यदि ईरान जैसे देश को परमाणु हथियार बनाने की झूठ आधारित कथित संभवनाओं के चलते महज प्रोपेगंडा फैलाकर विश्व शांति के लिये बड़ा खतरा बता रहे हैं जबकि ईरान का मानवता के विरुद्ध अपराध,युद्ध अपराध या दूसरे देशों की जमीन पर घुसपैठ जैसे कोई आरोप नहीं हैं। सच तो यह है कि इस्राईल ही विश्व शांति के लिये इस समय सबसे बड़ा खतरा है।

दुर्घटना पीड़ितों के जीवन की सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

-कांतिलाल मांडोत-

देश में हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायल होते हैं और हजारों लोग समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। कई मामलों में हादसे के बाद घायल व्यक्ति लंबे समय तक सड़क पर तड़पता रहता है क्योंकि आसपास मौजूद लोग पुलिस पूछताछ या कानूनी झंझट के डर से मदद करने से बचते हैं। कई बार एम्बुलेंस देर से पहुंचती है और अस्पतालों में समुचित ट्रॉमा सुविधा उपलब्ध नहीं होती। ऐसी गंभीर स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अब सख्त रुख अपनाया है और सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को ट्रॉमा केयर व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने साफ कहा है कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल इलाज उपलब्ध कराना नागरिकों के मौलिक अधिकार से जुड़ा विषय है और इसे किसी भी हालत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिया गया यह फैसला देश की स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकता है। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को जीवन और गरिमा के साथ जीने का अधिकार मिला हुआ है और समय पर चिकित्सा सुविधा इस अधिकार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को तुरंत उपचार नहीं मिलता तो यह उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल नीति बनाने से काम नहीं चलेगा बल्कि जमीनी स्तर पर उसका प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद शुरूआती समय जिसे गोल्डन ऑवर कहा जाता है सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान सही इलाज मिल जाए तो घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। लेकिन देश के कई हिस्सों में दुर्घटना के बाद अस्पताल पहुंचने में काफी समय लग जाता है। कहीं एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंचती तो कहीं ट्रॉमा सेंटर दूर होने के कारण मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देता है। अदालत ने माना कि यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और इसमें तत्काल सुधार की जरूरत है।

इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि अलग अलग इमरजेंसी नंबरों के बजाय पूरे देश में एकीकृत हेल्पलाइन नंबर 112 को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। अभी कई जगह 100 101 102 108 1033 और 1091 जैसे अलग अलग नंबर मौजूद हैं जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति बनी रहती है। अदालत का मानना है कि एक ही हेल्पलाइन नंबर होने से आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच आसान होगी और मदद जल्दी मिल सकेगी। राज्यों को इसके लिए तीन महीने की समय सीमा दी गई है। अदालत ने केवल हेल्पलाइन व्यवस्था तक ही अपने निर्देश सीमित नहीं रखे बल्कि ट्रॉमा केयर के पूरे ढांचे को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। कोर्ट ने कहा कि केवल नेशनल हाईवे पर ही नहीं बल्कि स्टेट हाईवे प्रमुख जिला सड़कों शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों में भी ट्रॉमा सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। इसके लिए अस्पतालों को पहले से चिह्नित किया जाए ताकि दुर्घटना के समय घायल व्यक्ति को तुरंत नजदीकी सक्षम अस्पताल पहुंचाया जा सके। इससे इलाज में देरी कम होगी और जान बचाने की संभावना बढ़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने मददगार लोगों की सुरक्षा को भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना है। अदालत ने कहा कि कई बार लोग घायल व्यक्ति की सहायता इसलिए नहीं करते क्योंकि उन्हें पुलिस की पूछताछ गवाह बनने या कानूनी परेशानियों का डर रहता है। इस डर के कारण कई लोग चाहकर भी मदद नहीं कर पाते। अदालत ने राज्यों को निर्देश दिया कि गुड समेरिटन यानी नेक मददगार कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए और ऐसा माहौल बनाया जाए जिसमें लोग बिना किसी भय के आगे आकर घायलों की मदद कर सकें। अदालत ने राज्य और जिला स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र बनाने को भी कहा है ताकि यदि किसी मददगार को परेशान किया जाए तो उसकी शिकायत तुरंत सुनी जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की कई योजनाओं और नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कागजों पर अच्छी व्यवस्था मौजूद है लेकिन राज्यों में उनका सही तरीके से पालन नहीं हो रहा। अदालत ने प्रधानमंत्री राहत योजना राह वीर योजना राष्ट्रीय एम्बुलेंस संहिता और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनके बावजूद जमीन पर स्थिति संतोषजनक नहीं है। कहीं एम्बुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं तो कहीं ट्रॉमा सेंटरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। यही कारण है कि पूरे देश में एक समान और जवाबदेह व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है।

अदालत ने एम्बुलेंस सेवाओं को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि सभी एम्बुलेंस में जीपीएस ट्रैकिंग रियल टाइम मॉनिटरिंग हेल्पलाइन 112 से सीधा जुड़ाव और आवश्यक चिकित्सा उपकरण अनिवार्य रूप से होने चाहिए। इसके साथ ही प्रतिक्रिया समय का नियमित ऑडिट किया जाए ताकि यह पता लगाया जा सके कि एम्बुलेंस कितनी तेजी से घटनास्थल तक पहुंच रही हैं। अदालत का मानना है कि तकनीक का बेहतर उपयोग करके आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

ट्रॉमा रजिस्ट्रियों के निर्माण पर भी सुप्रीम कोर्ट ने विशेष ध्यान दिया है। अदालत ने स्वास्थ्य मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह ट्रॉमा मामलों के डेटा संग्रहण के लिए दिशा निर्देश जारी करे। इसके बाद सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपनी ट्रॉमा रजिस्ट्रियां स्थापित करनी होंगी।

पेट्रोल : जनता पर कहर सरकार का ओपन एटीएम

-भूपेन्द्र गुप्ता-

भारत में पेट्रोल की कीमतों को लेकर जनता का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है। कारण केवल यह नहीं कि पेट्रोल महंगा है, बल्कि यह है कि अब कीमतों और अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल (क्रूड आईल) के बीच का पारंपरिक संतुलन लगभग टूट चुका है।

वर्ष 2004 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की औसत कीमत लगभग 38 डॉलर प्रति बैरल थी और भारत में पेट्रोल करीब ?36 प्रति लीटर बिक रहा था। सरल शब्दों में कहें तो उस समय एक प्रकार का अनुपात दिखाई देता था-जितना महंगा कच्चा तेल, उसी के अनुरूप पेट्रोल की कीमत।

यह ट्रेंड अगले कई वर्षों तक बना रहा।

मनमोहन सिंह.के कार्यकाल में 2008 जैसे दौर भी आए जब कच्चा तेल लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, लेकिन तब भी पेट्रोल लगभग ?50 प्रति लीटर के आसपास था। यानी कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं तो पेट्रोल बढ़ा, और जब वैश्विक कीमतें नरम हुईं तो राहत भी दिखाई दी। जनता को कम से कम यह भरोसा था कि सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से कीमतों को नियंत्रित कर रही है। लेकिन पिछले एक दशक में यह समीकरण पूरी तरह बदल गया। आज स्थिति यह है कि कई अवधियों में कच्चा तेल 70-80 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रहा है, जो 2008 की तुलना में कम है, फिर भी भारत में पेट्रोल ?100 प्रति लीटर या उससे अधिक बिक रहा है। अर्थात कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत कम होने के बावजूद रिफाइंड पेट्रोल की कीमतें दोगुनी से भी अधिक हो चुकी हैं। यह केवल आर्थिक अंतर नहीं, बल्कि नीति का अंतर है। और यही वह बिंदु है जहां जनता सवाल पूछ रही है-यदि कच्चा तेल उतना महंगा नहीं है, तो पेट्रोल इतना महंगा क्यों है?

टैक्स नहीं, 'तेल पर टैक्स का साम्राज्य'

पिछले वर्षों में केंद्र और राज्य सरकारों ने पेट्रोल-डीजल को राजस्व कमाने का सबसे आसान साधन बना दिया। पेट्रोल पंप अब केवल ईंधन भरने की जगह नहीं रहे; वे सरकारों के 'कैश कलेक्शन सेंटर' में बदल गए हैं।

एक समय था जब पेट्रोल की कीमत मुख्यतः कच्चे तेल की लागत से तय होती थी। आज स्थिति यह है कि उपभोक्ता जो कीमत देता है, उसका बड़ा हिस्सा टैक्स के रूप में सरकारों की तिजोरी में जाता है। एक्साइज ड्यूटी, वैट, सेस और अन्य शुल्क मिलाकर पेट्रोल आम नागरिक के लिए आवश्यकता नहीं, बल्कि बोझ बन चुका है। विडंबना देखिए-जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है तो सरकारें तुरंत कहती हैं कि 'वैश्विक परिस्थितियां जिम्मेदार हैं। लेकिन जब तेल सस्ता होता है, तब राहत जनता तक नहीं पहुंचती। उस समय सरकारें चुपचाप अतिरिक्त राजस्व कमाने लगती हैं।

यानी घाटा जनता का, मुनाफा सरकार का

कोविड कालः सबसे बड़ा उदाहरण

कोविड महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऐतिहासिक रूप से गिर गई थीं। एक समय तो अमेरिकी बाजार में क्रूड की कीमतें लगभग शून्य के करीब पहुंच गई थीं। भारत को यह मौका जनता को राहत देने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए था। लेकिन हुआ उल्टा। पेट्रोल-डीजल पर टैक्स बढ़ाकर रिकॉर्ड वसूली की गई। जनता लॉकडाउन, बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रही थी, जबकि सरकारें तेल से कमाई के नए रिकॉर्ड बना रही थीं। यही वह दौर था जब लोगों को पहली बार स्पष्ट रूप से महसूस हुआ कि पेट्रोल अब ऊर्जा का स्रोत कम और राजस्व उगाही का हथियार ज्यादा बन चुका है।

'डबल इंजन' नहीं, 'डबल मार'

आज आम नागरिक दोहरी मार झेल रहा है। एक तरफ पेट्रोल महंगा है, दूसरी तरफ उसी के कारण हर वस्तु महंगी होती जा रही है। सब्जियों से लेकर दूध, दवाइयों से लेकर स्कूल बस तक-हर चीज की कीमत पर ईंधन का असर पड़ता है। मध्यम वर्ग अपनी आय का बड़ा हिस्सा केवल परिवहन और ईंधन पर खर्च कर रहा है। गरीब परिवारों के लिए रोजमर्रा की जिंदगी और कठिन हो रही है। किसान डीजल की कीमतों से परेशान हैं। छोटे व्यापारी माल ढुलाई की बढ़ती लागत से दबे हुए हैं। लेकिन सरकारों के लिए यह 'राजस्व सफलता' का मॉडल बना हुआ है

यह आर्थिक सुधार है या वैध लूट?

सरकार यह तर्क देती है कि टैक्स से विकास योजनाएं चलती हैं। यह बात आंशिक रूप से सही हो सकती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या विकास का पूरा बोझ केवल आम उपभोक्ता की जेब पर डाला जाएगा? यदि 2004 में 38 डॉलर प्रति बैरल के क्रूड पर पेट्रोल ?36 था, और आज लगभग दोगुनी वैश्विक कीमत भी नहीं होने पर पेट्रोल ?100 पार है, तो जनता को यह महसूस होना स्वाभाविक है कि उसके साथ आर्थिक न्याय नहीं हो रहा।

सुरक्षा की कीमत पर अभिजात वर्ग का मनोरंजन

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

देश की राजनैतिक मानसिकता पर आज भी गोरों का अहंकार स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। बाह्य आक्रान्ताओं की तरह सर्वोच्च दिखना अब प्रतिष्ठा का मापदण्ड बन गया है। अंग्रेजी हुकूमत समाप्त होने के बाद भी उन्हें आदर्श मानने वालों की संख्या में निरंतर इजाफा होता जा रहा है। भाषा, पहनावा और क्लब आज भी अपने चमकीले वैभव की दास्तानें गढने में लगे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में अंग्रेजियत हावी है। हकीकत तो यह है कि भारतीय सांस्कृतिक संरचना अब अपने अस्तित्व की लडाई लगभग हार सी चुकी है। आधुनिकता के नाम पर चन्द लोगों ने वर्चस्व कायम कर रखा है। उच्च, मध्यम और निम्न वर्ग के निर्धारण को नियंत्रित करने वाला अभिजात वर्ग अपने धनबल, जनबल और पहुंच बल की दम पर समूचे राष्ट्र को नियंत्रित करने में लगा है। जब-जब इस अभिजान वर्ग को प्रभावित करने के प्रयास हुए तब-तब संवैधानिक अडचनें, दबाव की राजनीति और प्रलोभनों का बाजार गर्म होता रहा। वर्तमान में इसी वर्ग के लोगों का अतिप्रतिष्ठित जिमखाना क्लब चचाओं के मध्य में है। इतिहास की माने तो अंग्रेजों ने सन्‌ 1913 में इम्पीरियल दिल्ली जिमखाना क्लब के नाम से इसकी स्थापना की थी। समाज में श्रेष्ठता बोध करवाने वाले इस क्लब को मनोरंजन केन्द्र से कहीं विलायती जीवन शैली का प्रतिष्ठान बना दिया गया था। भारतीय नागरिकों को हीनता की भावना से ग्रसित करने हेतु इस क्लब में प्रवेश नहीं दिया जाता था। बाद में कुछ चाटुकारों को इसका सदस्य बना लिया गया ताकि राष्ट्रीय सम्मान बेचने कर श्रेष्ठ बनने की ललक वाले मीरजाफरों को ही अपनों के विरुद्ध हथियार बनाकर उपयोग किया जा सके। गोरी चालों को स्वाधीनता के मतवालों ने अपने प्राणों की आहुतियों से नस्तनाबूत कर दिया। देश स्वतंत्र हुआ परन्तु कुछ भी नहीं बदला। केवल गोरों के बैठने वाले सिंहासनों पर भूरे लोग बैठ गये। अभिजात वर्ग यथावत शक्तिशाली रहा। जिमखाना जैसे क्लब निरंतर विस्तार पाते चले गये। इन क्लबों में देश के आम नागरिकों का प्रवेश अब भी निषेध है। यहां की सदस्यता हेतु मोटी रकम, लम्बी प्रतीक्षा और पहुंचबल का खुला उपयोग अतिआवश्यक होता है। भारी भरकम बकायादार बने इस क्लब की लीज को सुरक्षा सहित अनेक कारणों से निरस्त करने वाले नोटिस को एक बार फिर कानूनी मकडजाल में फंसाकर अस्तित्वहीन करने की चालें चली जा रहीं हैं। ऐसे में जापान की प्राचीन चित्रात्मक कहावत सी नो ईविल, हियर नो ईविल, स्पीक नो ईविल का संदर्भ एक बार फिर उभर कर सामने आ जाता है। इस चित्र में पहले बंदर का नाम मिजारू रखा गया है जो आंखों को बंद रखता है। दूसरे बंदर का नाम किकाजारू रखा गया है जो कानों को बंद रखता है और तीसरे बंदर का नाम इवाजारू है जो मुंह को बंद रखता है। इसका सांकेतिक अर्थ बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो तथा बुरा मत बोलो के रूप में प्रस्तुत किया गया। देश की स्वाधीनता के बाद घोषित किये गये राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी ने भी अपने राजनैतिक जीवन के पूर्वार्ध में इसी चित्रात्मक कहावत को सत्य, अहिंसा और प्रेम का संदेशवाहक बनाया और प्रसिद्धि के नये मापदण्ड स्थापित किये। इसी कहावत के पहले भाग यानी सी नो इविल के नाम से वर्ष 2002 में संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रमुख विदेशी गुप्तचर संस्था सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी यानी सीआईए के पूर्व एजेंट रॉबर्ट बेयर की आत्मकथा प्रकाशित हुई जिसमें जिमखाना क्लब को मीरजाफरों के द्वारा गुप्त दस्तावेजों के आदान-प्रदान के महात्वपूर्ण स्थल के रूप में रेखांकित किया गया है। रॉबर्ट बेयर ने अपनी आत्मकथा में सन्‌ 1970 के दशक की विश्व स्थितियों को विस्तार से बताया है। उस कालखण्ड में यूरोप की धरती पर नाटो और वारसॉ पैक्ट की सेनाएं एक-दूसरे के आमने-सामने खड़ी थीं। शीत युद्ध अपने चरम पर था। सोवियत संघ के हथियारों, उपकरणों तथा विस्फोटकों की तकनीक हासिल करने के लिए पेन्टागन और सीआईए ने एडी-चोटी का जोर लगा दिया था ताकि वह जवाबी कार्यवाही के लिए तैयारी कर सके। सोवियत संघ आमतौर पर भारत को अपने सबसे आधुनिक हथियार बेचता था। सो भारत के मीरजाफरों को चिन्हित करके उनके माध्यम से तकनीक जानकारी हासिल करने के प्रयास किये गये, जो सफल हुए। इस षडयंत्रकारी कार्य को सफलता तक पहुंचने में जिमखाना क्लब के रुतबे ने महात्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। सन्‌ 1978 में भारतीय सेना ने सोवियत संघ से 500 टी-72, टी-72एम और टी-72एम1 टैंकों का पहला जत्था आयात किया। सीआईए एजेन्ट ने भारत के मीरजाफरों के सहायता से आयातित उपकरणों को प्राप्त करने के लिए तूफानी गति से प्रयास तेज कर दिये। राष्ट्रद्रोही भितरघातियों ने निर्धारित सौदे के तहत अगस्त के अन्तिम सप्ताह में टी-72 टैंक के मैनुअलों से भरा एक बैग कुछ समय के लिए रॉबर्ट बेयर के हवाले कर दिया। राबर्ट बेयर के लिए यह यह होली ग्रेल यानी पवित्र प्याला की तरह था, जिसका उपयोग ईसा मसीह ने अपने अंतिम भोज के दौरान किया था। समय अवधि में मेनुअलों से भरा बैग वापिस करना था ताकि देने वाला व्यक्ति अपनी डियूटी समाप्ति के पहले उसे तिजोरी में पुनः रख सके। अमेरिकी दूतावास में जाकर मैनुअल की कापी करने, उसे भितरघाती को वापिस करने तथा भारत की गुप्तचर संस्थाओं से बचकर रहने के जोखिम भरे काम में जिमखाना क्लब ने केन्द्रीय भूमिका का निर्वहन किया। इस क्लब में सीआईए एजेन्ट की कार बेघडक अन्दर चली गई जबकि उसका पीछा करने वाली इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी की गाडियां बाहर ही रुक गईं। टेनिस बैग में मैनुअल से भरा डफल बैग निर्धारित स्थान पर फेंकने के बाद सीआईए एजेन्ट पीछे वाले गेट से क्लब के अन्दर पहुंचा और वहां मौजूद क्लब के एक सम्भ्रान्त सदस्य के साथ बिना वर्फ के डबल स्कॉच के पैग लेने लगा। अमेरिकी दूतावास से मैनुअल की प्रतियां लैंगली स्थित सीआईए मुख्यालय तथा पेंटागन तक पहुंचाई गई। आश्चर्य होता है कि भारत में विदेशी सर्वे, विदेशी सर्वेक्षण तथा विदेशी जानकारियों पर हायतोबा मचाने वालों ने सीआईए के प्रकाशन समीक्षा बोर्ड की अनुमति के बाद सन्‌ 2002 में प्रकाशित अमेरिकी एजेन्ट की इस किताब पर ध्यान ही नहीं दिया और न ही उसमें प्रकाशित तथ्यों को ही जांचने की कोशिश की। वे कौन से कारण हैं जिनके कारण इतने बडे षडयंत्र की तह तक जाने के प्रयासों पर ग्रहण लग गये। जिमखाना क्लब की तर्ज पर ही दिल्ली गोल्फ क्लब, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, इंडिया हैबिटेट सेंटर जैसी हजारों संस्थायें आज भी स्वाधीन भारत के नागरिकों को उनकी लाचारी का अहसास कराती प्रतीत हो रहीं हैं।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने लखीमपुर खीरी में की योजनाओं की समीक्षा, दिए निर्देश

- पात्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में न हो कोई कोताही, समयबद्ध पूरा करें हर परियोजना : प्रभारी मंत्री
- गेस्ट हाउस से कलेक्ट्रेट तक पैदल पहुंचे प्रभारी मंत्री, अफसरों-जनप्रतिनिधियों संग नापी सड़क

लखीमपुर खीरी, एजेंसी। अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल लखीमपुर खीरी पहुंचे, उनके जनपद आगमन पर डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसपी डॉ ख्याति गर्ग, सीडीओ अभिषेक कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। अटल सभागार में आयोजित बैठक में प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों की प्रगति,प्रभावशीलता एवं क्रियान्वयन पर सामूहिक समीक्षा बैठक ली। बैठक में डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसपी डॉ ख्याति गर्ग, सीडीओ अभिषेक कुमार, सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, एमएलसी अनूप गुप्ता, जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, विधायक योगेश वर्मा, अमन गिरी, शशांक वर्मा, ब्लॉक प्रमुख पवन गुप्ता समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुँचे। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि जिले में मुख्यमंत्री और शासन की मंशा के अनुरूप पात्रों को योजनाओं का लाभ देकर समृद्ध किया जा रहा है। सभी अधिकारी इसे और अच्छे से क्रियान्वित कराएँ और सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। 15 जून तक बाढ़ सुरक्षा कार्य पूरे करने का लक्ष्य बाढ़ एवं कटान निरोधक 12 परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान जियो ट्यूब और जियो बैग तकनीक से हो रहे कार्यों की जानकारी ली गई। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सभी स्वीकृत परियोजनाएं 15 जून तक पूरी कर ली जाएंगी। जनप्रतिनिधियों के सुझावों को प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश भी दिए गए। जल निगम (ग्रामीण) की समीक्षा के दौरान सड़क पुनर्स्थापन (रोड रेस्टोरेशन) कार्यों की धीमी प्रगति पर प्रभारी मंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने 90 प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को तत्काल क्रियाशील करने के निर्देश देते हुए कहा कि जनता को योजनाओं का लाभ शीघ्र मिलना चाहिए। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल विंग में विद्युत कनेक्शन की प्रगति की जानकारी ली गई। वहीं आयुष्मान भारत, टीकाकरण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और जननी सुरक्षा योजना की प्रगति की भी समीक्षा हुई। आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण की समीक्षा में बताया गया कि दो वित्तीय वर्षों में 283 के सापेक्ष 237 केंद्रों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य प्रगति पर हैं। एमएसपी खरीद और किसान योजनाओं की भी समीक्षा गेहूं खरीद की समीक्षा में अधिकारियों ने बताया कि 6900 किसानों से 52 हजार मीट्रिक टन से अधिक खरीद की जा चुकी है, जो लक्ष्य का 66 प्रतिशत है।

करोड़ो की लागत से बनेगा पीडियाट्रिक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक, 20 जिलों को मिलेगा लाभ

कानपुर, एजेंसी। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हैलट अस्पताल में बच्चों को विश्वस्तरीय इलाज देने और आसपास के 18 से 20 जिलों के मरीजों को बड़ी राहत देने की तैयारी शुरू हो गई है। सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो करीब 450 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह पीडियाट्रिक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक अगले 3 वर्षों में बनकर तैयार हो जाएगा। हैलट अस्पताल के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के नोडल अधिकारी व न्यूरो सर्जन डॉ. मनीष सिंह ने बताया कि बच्चों के इस विशेष अस्पताल का प्रस्ताव तैयार कर जल्द ही शासन को भेजा जाएगा। इसके बनने से कानपुर और आसपास के जिलों के लोगों को बच्चों के गंभीर इलाज के लिए लखनऊ या दिल्ली की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। वर्तमान में पूरे उत्तर प्रदेश में बच्चों के लिए ऐसा समर्पित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल केवल गोरखपुर और नोएडा में ही उपलब्ध है; यहाँ तक कि लखनऊ के एसजीपीजीआई में भी यह सुविधा इस रूप में नहीं है। इस

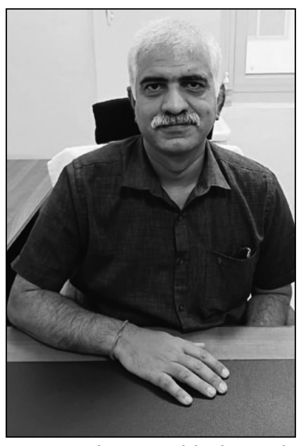

अस्पताल के चालू होने से मरीजों को एक ही छत के नीचे सभी जटिल बीमारियों का इलाज मिल सकेगा। 11,000 वर्ग फीट में बनने वाले इस ब्लॉक की अनुमानित लागत ?450 करोड़ तय की गई है, जो फाइनल डीपीआर के बाद थोड़ी बदल सकती है। एम्स की तर्ज पर मिलेगा इलाज जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के विस्तार की अंतिम रूपरेखा बनाकर शासन को भेजी जा चुकी है। इसमें पीडियाट्रिक विभाग को प्राथमिकता दी गई है। वर्तमान में बाल रोग चिकित्सालय में सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं न होने से गंभीर मामलों में बच्चों को रेफर करना पड़ता है, लेकिन इस विस्तार के बाद यहाँ श्एम्सश जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मिलने लगेंगी। अस्पताल के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश की जा रही है, जिसे चिह्नित कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (क्कृत) शासन को भेजी जाएगी। इन प्रमुख विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर होंगे तैनात

पीडियाट्रिक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक में बच्चों के उपचार के लिए कुल 14 विभाग संचालित होंगे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं। पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी (किडनी रोग), यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी एवं गैस्ट्रो सर्जन (पेट रोग), न्यूरोलॉजी (मस्तिष्क रोग), ऑन्कोलॉजी (कैंसर रोग), कार्डियोलॉजी एवं कार्डियक वैस्कुलर (हृदय रोग) के डॉक्टर्स उपलब्ध होंगे।

अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

मीरजापुर, एजेंसी। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर रविवार को जनपद मीरजापुर के चुनार नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। अहिल्याबाई होल्कर समिति के तत्वावधान में आयोजित इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। शोभायात्रा टेकौर स्थित बूढ़ेनाथ मंदिर से प्रारंभ होकर टेकौर फव्वारा तिराहा, भरपुर, लालदरवाजा एवं बैंक मार्ग से होते हुए तहसील परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालु और समाज के लोग अहिल्याबाई होल्कर के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। लाल दरवाजा पहुंचने पर नगरवासियों ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। वहीं चुनार की हमारी जिम्मेदारी कमेटी के मोहम्मद अख्तर, जफर खान, जावेद और नूर आलम सहित अन्य सदस्यों ने श्रद्धालुओं को सरबत वितरित किया। नगर पालिका अध्यक्ष मंसूर अहमद ने भी शोभायात्रा समिति का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

तहसील परिसर में आयोजित सभा में वक्ताओं ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, उनके सामाजिक योगदान, धार्मिक कार्यों और जनकल्याणकारी नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सेवा, न्याय और लोककल्याण की प्रेरणा देता है तथा उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सुनील सिंह पटेल, चन्द्रशेखर पाल, रामवृक्ष पाल, अशोक पाल, अजय पाल, रामकेश पाल, सुरेश पाल, जिला सहकारी बैंक सोनभद्र-मीरजापुर के चेयरमैन विजय वर्मा, सभासद विक्की यादव, सभासद रामलाल कन्नौजिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिजली बिल में बढ़ोतरी के विरोध में सपा का प्रदर्शन, भाजपा पर साधा निशाना

देवरिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में बरहज विधानसभा क्षेत्र में रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकताओं ने बिजली बिल में 10 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज बढ़ाए जाने के विरोध में थाली बजाकर प्रदर्शन किया। बरहज-देवरिया मार्ग पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सपा नेता विजय रावत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए इसे जनविरोधी निर्णय बताया।

विजय रावत ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता को राहत देने के बजाए महंगाई की आग में झोंकने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और प्रदेश में पिछले 10 वर्षों से भाजपा की सरकार होने के बावजूद महंगाई लगातार बढ़ी है। सरकार ने महंगाई कम करने और जनता को बेहतर सुविधाएं देने के वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ाने का काम किया गया। सपा नेता ने कहा कि बिजली की दरों और सरचार्ज में वृद्धि से आम उपभोक्ताओं, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है, वहीं दूसरी तरफ महंगे बिजली बिल भेजे जा रहे हैं।

एक नजर

हादसे में मौत के जिम्मेदार वाहन चालक पर मुकदमा

लखनऊ, एजेंसी। कृष्णा नगर इलाके में 25 अप्रैल को सड़क हादसे में रहीमाबाद देवीखेड़ा निवासी सुशील कुमार की इलाज के दौरान लोकबंधु अस्पताल में मौत हो गई थी। वह दोस्त सरवन के साथ बाइक से मदारीखेड़ा से बुद्धेश्वर घर जा रहा था। तभी बेकाबू वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी थी, जिससे बाइक सवार सुशील घायल हुआ था। उसकी मौत के बाद परिजन अंतिम क्रिया व अन्य कार्यक्रम में व्यस्त रहे। अब एक माह बाद 29 मई को सुशील के भाई सुरेंद्र कुमार ने कृष्णा नगर कोतवाली में वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

देवरिया में रेलवे एक्ट के तहत नौ लोगों के खिलाफ आरपीएफ ने की कार्रवाई

देवरिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में सदर रेलवे स्टेशन पर रेलवे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और रेलवे नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत रविवार को आरपीएफ(रेलवे पुलिस) ने नौ लोगों के खिलाफ रेलवे एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान असमीत पटेल, इंद्रजीत यादव, राजू, रामबचन, जुगेश, श्यामू, प्रशांत राव तथा अभिन्यू और अमरेश को रेलवे अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत पकड़ा गया। सभी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की गई। यह अभियान रेलवे उच्च अधिकारियों के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक पूनम पाठक के किया। रेलवे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि स्टेशन परिसर और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा को लेकर नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए रेलवे नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर 5 जून को लगेगा विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के अवसर पर 5 जून को त्रिशक्ति सेवा फाउंडेशन एवं हिन्दू युवा वाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में कबीरचौरा स्थित राजकीय महिला चिकित्सालय में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाजसेवा और जनकल्याण के उद्देश्य से किया जा रहा है। रक्तदान शिविर को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए रविवार को पिपलानी कटरा स्थित सरोजा पैलेस में हिन्दू युवा वाहिनी की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों के साथ शिविर की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई और जनजागरण अभियान पर चर्चा हुई। अम्बरीश सिंह 'भोला' ने कहा कि रक्तदान महादान है। बैठक में हिन्दू युवा वाहिनी के महानगर अध्यक्ष अजय सिंह, उपाध्यक्ष सन्नी गुप्ता, संगठन मंत्री नीतीश सिंह, महानगर मीडिया प्रभारी अश्वनी गुप्ता, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, उमेश सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, मनीष वर्मा, दिनेश अग्रहरि, गप्पू सिंह, शेखर सिंह सहित 12 मंडल इकाइयों के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

थाना कोतवाली गैसड़ी द्वारा मिशन शक्ति पंचम चरण के अंतर्गत बहू बेटी सम्मेलन आयोजित

गैसड़ी/बलरामपुर, एजेंसी। थाना कोतवाली गैसड़ी जनपद बलरामपुर द्वारा मिशन शक्ति के पंचम चरण के शुभारंभ में पुलिस अधीक्षक विकास कुमार जनपद बलरामपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष दुर्विजय की नेतृत्व में एण्टी रोमियो टीम व मिशन शक्ति टीम के द्वारा ग्राम ओरीडीह में बहू बेटी सम्मेलन किया गया। तथा बाल विवाह कानूनी अपराध है इसके बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम के बारे में बताया गया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन 1090, एंबुलेंस सेवा 108, 1930, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, गर्भवती महिलाओं के लिए 102, साइबर हेल्प लाइन 1930, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन लाइन 1098 आदि के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई व पंपलेट वितरित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस : वाराणसी मंडल के रेलवे स्टेशनों पर जल संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान

वाराणसी, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में चल रहे पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत रविवार को मंडल के विभिन्न प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर व्यापक जनजागरूकता एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देशन तथा वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर अभिषेक राय के नेतृत्व में 15 मई से 5 जून 2026 तक चल रहे इस अभियान को रविवार को विशेष रूप से जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन गतिविधियों के साथ आगे बढ़ाया गया। अभियान के तहत आजमगढ़ रेलवे स्टेशन, वाराणसी सिटी रेलवे स्टेशन, बनारस रेलवे स्टेशन, भटनी रेलवे स्टेशन, बलिया रेलवे स्टेशन, छपरा रेलवे स्टेशन, देवरिया सदर रेलवे स्टेशन, गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन, मऊ रेलवे स्टेशन, प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन, सीवान रेलवे

स्टेशन तथा सलेमपुर रेलवे स्टेशन सहित प्रमुख स्टेशनों पर विशेष जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रभात फेरी में भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान स्टेशनों पर वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण अभियान चलाया गया। प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से यात्रियों और कर्मचारियों के बीच कपड़े के थैले वितरित किए गए तथा एकल-उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल जनसंपर्क विभाग के अनुसार अभियान के तहत प्लास्टिक प्रदूषण के आकलन एवं निगरानी, सोशल मीडिया जागरूकता अभियान, पोस्टर एवं डिजिटल सामग्री के माध्यम से जनसंदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। साथ ही रेलवे कर्मचारियों के लिए प्लास्टिक कचरे में कमी लाने और पर्यावरण-अनुकूल कार्यशैली अपनाने संबंधी कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्टेशन परिसरों, रेलवे कॉलोनियों और आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रमुख स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से यात्रियों और कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, जल बचत तथा स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। कार्यालय के अनुसार, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चल रहा यह अभियान न केवल रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं हरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है, बल्कि आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने में भी प्रभावी भूमिका निभा रहा है।

बहू बेटी सम्मेलन के माध्यम से महिलाओं को किया गया जागरूक

पचपेड़वा/बलरामपुर, एजेंसी। थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर द्वारा मिशन शक्ति के 5.0 द्वितीय चरण के शुभारंभ के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक महोदय विकास कुमार जनपद बलरामपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी जितेंद्र कुमार के पर्यवेक्षण में व थाना प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में मिशन शक्ति प्रभारी उप निरीक्षक इंद्रेश यादव व महिला आरक्षी कोमल अवस्थी और महिला आरक्षी प्रीति शर्मा रिक्रूट महिला आरक्षी प्रिया यादव आरक्षी दीपक सोनी के द्वारा मिशन शक्ति अभियान 5.0 के द्वितीय चरण के तहत ग्राम त्रिलोकपुर थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर में बहू बेटी सम्मेलन में महिलाओं, बालिकाओं को दहेज, बाल विवाह न करने के लिए जागरूक किया गया तथा बाल विवाह कानूनी अपराध है इसके बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम के बारे में बताया गया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी विभिन्न विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन 1090, एंबुलेंस सेवा 108, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, गर्भवती महिलाओं के लिए 102, साइबर हेल्प लाइन 1930, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन लाइन 1098 आदि के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई व पंपलेट वितरित किया गया।

हरदोई में कांग्रेस ने मनाई लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जयंती

हरदोई, एजेंसी। शहर कांग्रेस कमेटी हरदोई द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती कांग्रेस कार्यालय पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया तथा उनके आदर्शों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम का आयोजन शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनुपम दीक्षित के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की ऐसी महान शासिका थीं, जिन्होंने जनकल्याण, न्याय, महिला सशक्तिकरण तथा धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया। उनका जीवन सेवा, समर्पण और सुशासन का आदर्श उदाहरण है, जिससे वर्तमान पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया। उन्होंने धर्म, संस्कृति और लोककल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आदर्श शासन की मिसाल प्रस्तुत की। उनके विचार और आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय नारी शक्ति की प्रतीक थीं। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट नेतृत्व का परिचय दिया और समाज के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए।

नए जिलाध्यक्ष काली प्रसाद के आगमन को लेकर भाजपा ने की बैठक

देवरिया, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के जनपद देवरिया के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष काली प्रसाद के आगमन कार्यक्रम को लेकर रविवार को औरा चौरी स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर जिला पदाधिकारियों की बैठक की गई। बैठक में कार्यकताओं की जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष अजय शाही ने की। जिला महामंत्री प्रमोद शाही ने कार्यक्रम में बताया कि स्वागत यात्रा मुसैला चौराहा से प्रारंभ होगी। इसके बाद सोनूघाट, कचहरी शिव मंदिर, सुभाष चौक, को-ऑपरेटिव चौराहा, पुरवा चौराहा और औरा चौरी ढाला होते हुए भाजपा जिला कार्यालय पहुंचेगी, जहां कार्यक्रम का समापन होगा।

युवाओं को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की बातें प्रेरणाप्रद : महानगर अध्यक्ष

महानगर के 15 मंडलों के समस्त बूथों पर सुना गया मन की बात

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महानगर के सभी 15 मंडलों के समस्त बूथों में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात के 134वें संस्करण को सुना गया। बूथ समिति के साथ संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने कार्यक्रम में सहभागिता की। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सिविल लाइन मंडल के बूथ संख्या 253 पर पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता शिव सिंह के आवास पर कार्यकताओं के साथ मन की बात सुना। यहां महामंत्री विक्रमजीत भदौरिया, मनोज श्रीवास्तव, हेमंत बनर्जी, दीप द्विवेदी, पार्षद प्रवीण भारती, प्रवक्ता पवन श्रीवास्तव, भाजपा मीडिया विभाग के विवेक मिश्रा, शुभम सिंह, सुजीत कुशवाहा, पीयूष जायसवाल आदि कार्यकर्ता

उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा ने बताया कि जिला उपाध्यक्ष आनंद सोनकर, अनुज कुशवाहा, प्रमोद मोदी, महामंत्री डॉ शैलेश पांडेय, रमेश पासी ने भी कार्यकताओं के साथ विभिन्न बूथों पर कार्यक्रम में सहभागिता की। मन की बात के इस संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं पर कई प्रेरणादायक बातें कही, तो वहीं देशवासियों को भीषण गर्मी में सावधान रहने को भी कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के युवाओं की प्रतिभा अद्भुत है। देश हित में लोग बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। एस्ट्रोनॉमी को मिशन बनाया जा रहा है। युवा एस्ट्रोनॉमी से जुड़ रहे हैं। एस्ट्रोनॉमी के कई आयोजन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा के लिए साधन जरूरी नहीं, बल्कि सेवा के लिए अच्छा मनोबल अहम है। नदी सफाई की बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बस्ती के युवाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि युवाओं के प्रयास से बस्ती की मनोरमा नदी जीवंत हुई।

राहुल गांधी ने सीबीएसई छात्रों से बात की, छात्रों ने कहा सवाल पूछने पर अपमान मिला

नई दिल्ली/एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई 12वीं क्लास के छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर छात्रों से बातचीत का 1.30 मिनट का वीडियो पोस्ट किया। कैप्शन में लिखा- जिन साहसी युवाओं ने सीबीएसई और मोदी सरकार से आसान सवाल पूछे, उन्हें जवाब की जगह अपमान मिला। वीडियो में छात्रों ने राहुल से कहा- आंसर शीट को लेकर सवाल पूछने पर हमें एंटी-नेशनल, डीप स्टेट एजेंट्स (जासूस), आतंकवादी और पाकिस्तानी कहा गया। राहुल ने हंसते हुए कहा- 17 साल के डीप स्टेट एजेंट्स। राहुल से जिन छात्रों से बात की, उनमें वेदांत भी शामिल थे। वेदांत की एक पोस्ट वायरल हुई थी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि री-इवैल्यूएशन के दौरान पोर्टल पर उनकी फिजिक्स कॉपी की जगह किसी और की कॉपी अपलोड की गई थी। वेदांत के बाद कई अन्य छात्रों ने भी ऐसी शिकायतें कीं। वेदांत- मेरा एग्जाम बहुत अच्छा गया था लेकिन मेरे नंबर अच्छे नहीं आए। उसके बाद हमारे पास ऑप्शन था कि अगर नंबर कम आते हैं तो अपनी आंसर शीट की फोटोकॉपी के लिए अप्लाई करते हैं।

'पहले पेज पर मेरी हैंडराइटिंग थी, दूसरे पन्नों पर किसी और की'

मैंने फिजिक्स के आंसर शीट की फोटोकॉपी देखी तो पहले पेज पर मेरी हैंडराइटिंग थी। दूसरे पन्नों पर किसी और की हैंडराइटिंग थी। इसके बाद मैंने देखा कि ये मेरे शीट नहीं है, तो मैं अपनी दिक्कत पर लेकर आया। वहां मुझे लोगों को सपोर्ट मिला क्योंकि ये तो एकदम हटके मामला है। दूसरा छात्र- लेकिन जब इस पर लोगों का आक्रोश बढ़ने लगा तो हमें शांत कराने के लिए, उन्हें लगा कि हम कोई डीप स्टेट एजेंट्स हैं जो भारत में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

राहुल (हंसते हुए) - 17 साल के

डीप स्टेट एजेंट्स, भैया दिखाओ इन टेररिस्ट के चेहरे दिखाओ जरा।

छात्र- सोरोस।

राहुल (हंसते हुए)- सोरोस? सोरोस आ गया इसमें बीच में। पाकिस्तान, सोरोस, सब आ गए। दूसरा छात्र- वे हमें एंटी-नेशनल और पाकिस्तानी कहने लगे।

राहुल- दिस इज क्रेजी। दूसरा छात्र- दिस इज वेरी क्रेजी, यह सही नहीं है।

राहुल- आप लोग स्टूडेंट्स हैं। आपका इन सब चीजों से कोई लेना-देना नहीं है। आप अपने आंसर शीट के बारे में पूछ रहे हैं। बस इतना ही। अब अचानक आप एंटी-नेशनल बन गए। आपको उस समस्या को मानना होगा जिसे आप हल करना चाहते हैं। आप बस समस्या को मानने से इनकार कर रहे हैं। आप (सरकार) बेचारे बच्चों को दोष दे रहे हैं। कह रहे हैं कि स्टूडेंट्स डीप स्टेट, जासूस, आतंकवादी हैं।

पीएम आम पर बोलते हैं, छात्रों के लिए समय नहीं : राहुल गांधी

आतंकवादी भी बोला?
छात्र- हां, सब बोला।
राहुल (हंसते हुए)- शाबाश

राहुल गांधी ने छात्रों से बातचीत का वीडियो पोस्ट करने के करीब 6 घंटे बाद, शाम 6:17 बजे एक और पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- आज सुबह प्रधानमंत्री के पास आमों पर बात करने का समय था, लेकिन उन 18.5 लाख छात्रों के बारे में बोलने का समय नहीं था। राहुल ने आरोप लगाया कि छात्रों की कॉपियां मोबाइल फोन से स्कैन की गईं। उन्होंने कहा- मई 2025 में उड़ए के टेंडर में आंसर शीट को ऑटोमैटिक रोबोटिक स्कैनर से 300 DPI क्वालिटी में स्कैन करने की शर्त थी। लेकिन अगस्त में जारी नए टेंडर में ये शर्तें हटा दी गई और स्कैनिंग क्वालिटी 300 DPI से घटाकर 200 DPI कर दी गई।

राहुल ने OSM का काम करने वाली कंपनी पर सवाल उठाए थे

राहुल गांधी ने 27 मई को डरट का काम करने वाली कंपनी उड़एटळल पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि उड़ए ने जिस उड़एटळल कंपनी को एग्जाम के डिजिटल इवैल्यूएशन का ठेका दिया है, उसका पहले ग्लोबारिना नाम था।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को शुजालपुर में किसानों और स्थानीय निवासियों के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम सुना।

डीआरआई ने बिहार में लगभग 105 किलोग्राम गांजा किया जब्त, दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने बिहार में लगभग 105 किलोग्राम गांजा जब्त किया, और इसमें शामिल दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने और इसके सप्लाई नेटवर्क को ध्वस्त करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत राजस्व आसूचना निदेशालय ने 30 मई को बिहार में 104.9 किलोग्राम गांजा को जब्त किया। इसके साथ ही इसकी अवैध तस्करी में शामिल दो लोगों को एनडीपीएस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है।

हिमाचल के चार नगर निगमों के नतीजे : तीन पर भाजपा का कब्जा

शिमला/एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के चार नगर निगमों धर्मशाला, मंडी, सोलन और पालमपुर में 17 मई को हुए चुनावों के नतीजे रविवार को घोषित कर दिए गए। परिणामों में भाजपा ने तीन नगर निगमों पर कब्जा जमाते हुए बड़ी राजनीतिक बढ़त हासिल की, जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस केवल पालमपुर नगर निगम को अपने पास बचाने में सफल रही। धर्मशाला, सोलन और मंडी में भाजपा की जीत को पार्टी के लिए बड़ी संजीवनी माना जा रहा है, वहीं कांग्रेस के लिए यह परिणाम झटके के तौर पर देखे जा रहे हैं। चारों नगर निगमों में चुनाव पार्टी चिन्हों पर लड़े गए थे और दोनों दलों ने इन्हें प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था। कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल, मंत्री और विधायक चुनाव प्रचार में उतरे थे। वहीं भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, सांसदों और पूर्व मंत्रियों ने मोर्चा संभाला था। ऐसे में इन नतीजों को अगले वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले जनता के राजनीतिक रुझान के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। नतीजों पर नजर डालें तो धर्मशाला नगर निगम की 17 सीटों में भाजपा ने 11 सीटें जीतीं, कांग्रेस को 5 सीटें मिलीं जबकि एक सीट निर्दलीय के खाते में गई। सोलन नगर निगम की 17 सीटों में भाजपा ने 10, कांग्रेस ने 5 और दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। मंडी नगर निगम के 15 वार्डों में से 14 पर चुनाव हुआ था, जिनमें भाजपा ने 12 सीटें जीत लीं, कांग्रेस केवल एक सीट तक सिमट गई जबकि एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई। दूसरी ओर पालमपुर नगर निगम की 15 सीटों में कांग्रेस ने 11 सीटें जीतकर अपना कब्जा बरकरार रखा, जबकि भाजपा को केवल चार सीटों पर संतोष करना पड़ा। धर्मशाला नगर निगम में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल करते हुए सत्ता पर कब्जा जमाया। भाजपा के खाते में 11 सीटें गईं, जबकि कांग्रेस पांच सीटों तक सिमट गई। एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे।

आंधी-बारिश को लेकर मुख्यमंत्री योगी सख्त, अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश

लखनऊ/एजेंसी

प्रदेश में पिछले तीन दिनों से जारी आंधी, बारिश और तेज हवाओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। रविवार को कई जिलों में आंधी, बारिश और तूफान की घटना के बाद मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन, राहत आयुक्त कार्यालय तथा संबंधित विभागों को लगातार निगरानी बनाए रखने और किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि जिन जनपदों में तेज आंधी, बारिश, ओलावृष्टि अथवा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से जनहानि अथवा पशुहानि हुई है, वहां प्रभावित परिवारों को तत्काल अनुमन्य राहत राशि वितरित की जाए। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक समयबद्ध सहायता पहुंचनी चाहिए। आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराया जाए।

ममता को रद्द करनी पड़ी बैठक, 80 में से 60 एमएलए रहे नदारद

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को टीएमसी विधायकों की बैठक बुलाई थी, लेकिन 80 में से सिर्फ 20 विधायक ही पहुंचे। यह बैठक दोपहर 3 बजे कोलकाता के कालीघाट स्थित ममता के आवास पर होनी थी, लेकिन 60 विधायकों के नहीं आने पर बैठक टाल दी गई। टीएमसी प्रवक्ता कुनाल घोष ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और सांसद कल्याण बनर्जी पर हुए हमलों के विरोध में 1 जून को राज्यभर में प्रदर्शन होना है। सभी विधायक इसकी तैयारी में व्यस्त थे। जो विधायक नहीं पहुंचे,

उन्होंने पहले ही इसकी जानकारी दे दी थी। दरअसल, शनिवार को दक्षिण सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी के साथ मारपीट हुई थी। उन पर अंडे और चप्पल भी फेंके गए थे। वहीं, सांसद कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि हुगली में पुलिस स्टेशन के बाहर बीजेपी समर्थकों ने उन पर हमला किया, जिससे वे घायल हो गए।

2 जून को ममता का धरना

कुनाल घोष ने बताया कि 2 जून को ममता बनर्जी के नेतृत्व में कोलकाता के एस्प्लेनेड स्थित रानी रश्मोनी रोड पर एक दिन का सांकेतिक धरना आयोजित किया जाएगा।

यह धरना चुनाव बाद हिंसा और राज्यभर में बुलडोजर के जरिए किए जा रहे कथित अमानवीय हॉकर्स निष्कासन अभियान के खिलाफ होगा। 20 मई को कोलकाता में विधानसभा परिसर में अंबेडकर प्रतिमा के पास टीएमसी के कुछ विधायकों ने पोस्ट-पोल हिंसा और हॉकर्स हटाने के अभियानों के खिलाफ धरना दिया था। विधानसभा चुनाव हार के बाद यह पार्टी का पहला बड़ा संगठित विरोध प्रदर्शन था, लेकिन इसमें भी केवल 35 विधायक ही पहुंचे थे।

मन की बात देशवासियों को प्रेरित करने वाला एक सशक्त मंच बन चुका है: मुख्यमंत्री धामी

देहरादून/एजेंसी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास की छात्राओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 134 वें संस्करण को सुना। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मन की बात देशवासियों को प्रेरित करने वाला एक सशक्त मंच बन चुका है। प्रधानमंत्री विभिन्न क्षेत्रों की प्रेरक कहानियों को साझा कर लोगों को जनहित और समाजहित के कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नवाचार, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर प्रधानमंत्री के संदेश समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार

बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उत्तराखंड में भी अनेक लोग अपने कार्यों के माध्यम से समाज में उल्लेखनीय बदलाव ला रहे हैं। राज्य सरकार ऐसे प्रेरणादायी व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी के दौरान स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने, गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने और देशी एवं पारंपरिक पेयों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। साथ ही आम सहित भारतीय फलों की विशेषताओं का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री ने छात्रावास की छात्राओं से संवाद कर मन की बात पर उनकी प्रतिक्रिया जानी। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और अन्य रुचिकर गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में एसआईआर शुरू

नई दिल्ली/एजेंसी

चुनाव आयोग ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का तीसरा चरण शुरू कर दिया है। इन राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। निर्वाचन आयोग ने 14 मई को संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 की धारा 21 के तहत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का आदेश दिया था। उसी प्रक्रिया के तहत अब ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई से एन्यूमरेशन फेज शुरू हो गया है। एसआईआर के तहत बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं का वेरिफिकेशन करेंगे और फॉर्म जमा कराएंगे। आयोग ने कहा है कि 28 जून 2026 तक जिन लोगों के फॉर्म चुनाव पंजीकरण अधिकारी को मिल जाएंगे, उनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे।

पात्र नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रहे

आयोग ने कहा है कि एसआईआर अभियान का सबसे बड़ा उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। 18 साल या उससे ज्यादा उम्र का हर भारतीय नागरिक, जो किसी कानून के तहत अयोग्य घोषित नहीं है, वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने का हकदार है। एन्यूमरेशन फेज के दौरान इछड हर घर तक पहुंचेंगे। वे मतदाताओं को फॉर्म देंगे, भरे हुए फॉर्म जमा करेंगे और जानकारी का सत्यापन करेंगे। मतदाता चाहें तो फॉर्म इछड को दे सकते हैं या ऑनलाइन भी जमा कर सकते हैं।

उप्र में 125 दिनों की रोजगार गारंटी से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा होगी सुदृढ़ : केशव

लखनऊ/एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं समृद्ध बनाने की दिशा में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (जी राम जी) एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी कदम है। यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का विस्तार करने, आजीविका को सुदृढ़ बनाने तथा प्रत्येक ग्रामीण परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभिनव अधिनियम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्वरोजगार एवं कौशल विकास को नई गति प्राप्त होगी तथा आय सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा

सकेगा।

यह अधिनियम केवल आर्थिक प्रगति का माध्यम नहीं है, बल्कि विकसित भारत के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने का एक प्रभावी अभियान भी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 के माध्यम से ग्रामीण श्रमिक परिवारों को अब और अधिक रोजगार सुरक्षा प्रदान की जा रही है। प्रदेश में रोजगार की गारंटी को मजबूत करते हुए अधिनियम के अंतर्गत कार्य दिवसों की सीमा बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। यह निर्णय ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि, आजीविका सशक्तिकरण तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मौर्य ने कहा कि 125 दिनों के रोजगार अवसर से श्रमिक भाइयों एवं बहनों को अधिक कार्य, बेहतर आय तथा आत्मनिर्भर जीवन जीने की नई शक्ति प्राप्त होगी। सरकार ग्रामीण विकास एवं जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ कर रही है तथा यह अधिनियम उसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 प्रदेश के प्रत्येक गांव के विकास में नई ऊर्जा का संचार करेगा। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

वन नेशन, वन इलेक्शन पर सुरक्षित रास्ता तलाश रही सरकार

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार वन नेशन वन इलेक्शन के लिए सुरक्षित रास्ता तलाश रही है। इसके लिए बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति 'टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल' पर विचार कर रही है, जिससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत न पड़े। पूरे देश को एक साथ चुनावी चक्र में लाने के बजाय दो चरणों- 2029 और 2034 में बढ़ने का विकल्प सबसे व्यावहारिक माना जा रहा है। पहले चरण में 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ करीब 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। संयुक्त संसदीय समिति की अवधि 2026 के मानसून सत्र तक

बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में 2029 से चुनावी चक्र एक करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वहीं, 2034 तक पूरे देश को साझा चुनावी चक्र में लाने का लक्ष्य है।

संविधान में गुंजाइश है, लेकिन सहमति पर जोर

लॉ कमीशन के पूर्व सदस्य और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के डीन आनंद पालीवाल ने कहा कि एक देश-एक चुनाव' को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए संवैधानिक विकल्प मौजूद हैं। कुछ राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कार्यकाल बढ़ाने के विकल्प भी हैं। भारत में पहले भी विशेष परिस्थितियों में लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल में बदलाव किए गए हैं। हालांकि किसी भी व्यापक बदलाव के लिए संसद द्वारा आवश्यक कानूनी प्रावधान और राजनीतिक सहमति जरूरी होगी।

1967 तक साथ हुए चुनाव

1952 से 1967 तक यानी चार बार लोकसभा व अधिकांश विधानसभा चुनाव साथ हुए। 1967 के बाद कई राज्यों में सरकारें गिरने लगीं। 1968-69 में कई विधानसभाएं भंग हुईं और 1970 में लोकसभा भी कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग हो गई। इससे देश का साझा चुनावी चक्र बिखर गया। 1971 में लोकसभा के मध्यावधि चुनाव हुए और राज्यों में चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। बाद में गठबंधन सरकारों, राष्ट्रपति शासन और समय से पहले चुनाव ने अंतर और बढ़ा दिया। विधि आयोग और नीति आयोग समय-समय पर चुनावी चक्र एक करने की सिफारिश करते रहे हैं।

पिछले साल महाराष्ट्र और उत्तराखंड का दौरा कर चुकी जेपीसी

महाराष्ट्र- जेपीसी ने 17-18 मई 2025 को महाराष्ट्र दौरा किया। वहां मुख्यमंत्री, राजनीतिक दलों, प्रशासनिक अधिकारियों, बैंकों, सार्वजनिक उपक्रमों (ढरव) और रेगुलेटरी संस्थाओं से बातचीत की गई। समिति का मकसद यह समझना था कि एक साथ चुनाव कराने से प्रशासन, खर्च और शासन पर क्या असर पड़ेगा।

सत्यनिष्ठ पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूती: राज्यपाल आर. एन. रवि

सिलीगुड़ी/एजेंसी

विश्व संवाद केंद्र उत्तर बंगाल की पहल पर रविवार को सिलीगुड़ी के दीनबंधु मंच में देवर्षि नारद जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पत्रकारिता के मूल्यों, समाज में मीडिया की भूमिका और सूचना प्रसारण की जिम्मेदारी को रेखांकित करना रहा। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में लोकतंत्र में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पत्रकारों को निष्पक्ष और सत्यनिष्ठ रहकर समाज के वास्तविक स्वरूप को सामने लाना

चाहिए। उन्होंने जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।वहीं, वक्ताओं ने देवर्षि नारद को विश्व के प्रथम संदेशवाहक और संचार के प्रतीक के रूप में याद करते हुए कहा कि सूचना को जन-जन तक पहुंचाने की जो परंपरा उन्होंने स्थापित की, वही आज आधुनिक पत्रकारिता की आधारशिला है। इस अवसर पर उत्तर बंगाल के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित करना।

लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय रहकर समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर करने वाले पत्रकारों को देवर्षि नारद सार्थक जीवन सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। आयोजकों के अनुसार, यह सम्मान पत्रकारों के जनहित में किए गए योगदान की सराहना के रूप में दिया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट व्यक्तियों और समाज के अनेक वर्गों की उपस्थिति देखने को मिली।

काम कर गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील! सोने की बिक्री में 70% की भारी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने के आयात को कम करने के लिए सरकार ने हाल में इंपोर्ट ड्यूटी में भारी इजाफा किया था। इससे देश में सोने की बिक्री में भारी गिरावट आई है। इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक 27 मई को खत्म हुए पखवाड़े में सोने की डिमांड गिरकर 7.5 टन रह गई है जबकि एक साल पहले यह करीब 25 टन थी। सरकार ने 13 मई को सोने पर आयात शुल्क यानी इंपोर्ट ड्यूटी 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दी थी। ईटी की एक रिपोर्ट में इंडिया बुलियन एंड जूलर्स एसोसिएशन के नेशनल सेक्रेटरी

सुरेंद्र मेहता के हवाले से बताया गया है कि सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाए जाने के बाद डिमांड में 70 फीसदी गिरावट आई है। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा मार असंगठित कारोबार पर पड़ी है जो कुल ट्रेड का करीब 65 फीसदी है। देश में सोने का सालाना खपत 800 से 850 टन है। शुक्रवार को मुंबई के स्पॉट मार्केट में 999 शुद्धता वाला सोना 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर कर रहा था। इसमें जीएसटी शामिल नहीं है। केवल इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने के कारण ही सोने की डिमांड प्रभावित नहीं हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोना खरीदने से एक साल तक परहेज करने की अपील का भी असर पड़ा है। सोने का हाल सरकार ने सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी की सोने पर त्रस्‍त्र के साथ प्रभावी टैक्स 9.18% से बढ़कर 18.45% हो गया दो हफ्ते में डिमांड केवल 7.5 टन रह गई जो एक साल पहले 25 टन थी।

मोदी की अपील का असर

गोल्ड जूलरी रिटेल चेन जॉयलुक्कास के चेयरमैन जॉय अलुक्कास का कहना है कि सोने की मांग में कमी के पीछे कई कारण हैं। उन्होंने कहा, 'केवल इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने के कारण ही सोने की डिमांड प्रभावित नहीं हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोना खरीदने से एक साल तक परहेज करने की अपील का भी असर पड़ा है। जॉयलुक्कास में डिमांड में 35 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। अभी यह साफ नहीं है कि इसमें आगे और गिरावट आएगी या नहीं।' आईबीजेए के मेहता ने कहा कि सोने पर आयात शुल्क बढ़ाए जाने के अलावा पेट्रोल और डीजल की कीमत तथा खाने-पीने की चीजों की कीमत बढ़ोतरी से भी उपभोक्ताओं की धारणा प्रभावित हुई है क्योंकि वे अभी सोने नहीं खरीदना चाहते हैं। 18.45 फीसदी हो गया है। रुपये की गिरावट, कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत और दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ते तनाव को देखते हुए सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी की थी।

मल्टीबैगर पेनी स्टॉक एवीआई पॉलीमर्स के शेयर 5 फीसदी के अपर सर्किट में फंस कर बंद हुए

साल भर में 140% रिटर्न, अब स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू का प्रस्ताव

मुंबई, एजेंसी। बीते शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में फिर कोहराम मचा। बीएसई का सेंसेक्स तो कारोबार की समाप्ति के समय करीब 1200 अंकों तक लुढ़क गया था। तब भी मल्टीबैगर पेनी स्टॉक एवीआई पॉलीमर्स के शेयर 5 फीसदी के अपर सर्किट में फंस कर बंद हुए। इसकी वजह कंपनी का यह फैसला है। शेयर बाजार में खबर आई कि एवीआई पॉलीमर्स के बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स की 4 जून 2026 को बैठक होगी। उसमें कई कई रणनीतिक प्रस्तावों पर विचार करने के समाचार हैं। बताया गया है कि कंपनी का बोर्ड इक्विटी शेयरों के स्टॉक स्प्लिट, बोनस इश्यू और कुछ क्षेत्र में विस्तार के बारे में फैसला लेगा।

एक के 10 होंगे शेयर पॉलिमर बनाने वाली कंपनी एवीआई पॉलीमर्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसका एक शेयर 10 हिस्से में बंटेगा। मतलब कि 1:10 के अनुपात तक स्टॉक स्प्लिट होगा। इसके साथ ही शेयरहोल्डर्स को 10:1 के अनुपात तक बोनस शेयर भी मिलेगा। बोर्ड की इसी बैठक में कंपनी के ग्रीन टेक्नोलॉजी और स्थिरता केंद्रित व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रस्तावित प्रवेश पर भी विचार किया जाएगा। इनमें औद्योगिक कचरा प्रबंधन, उन्नत सामग्री रिसाइक्लिंग और कार्बन फुटप्रिंट अनुकूलन सेवाएं शामिल हैं।

एवीआई पॉलीमर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक

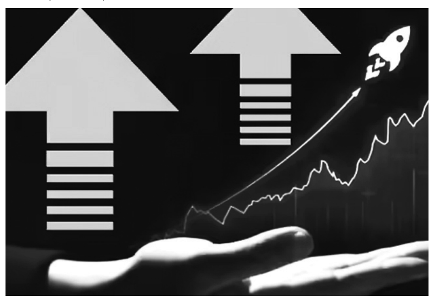

चिंतन यशवंतभाई पटेल ने कहा 'बोर्ड द्वारा विचाराधीन प्रस्ताव एक मजबूत और भविष्य के लिए तैयार व्यवसाय के निर्माण पर हमारे फोकस को दर्शाते हैं। प्रस्तावित स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू का उद्देश्य शेयरधारकों की भागीदारी बढ़ाना और दीर्घकालिक मूल्य सृजन करना है, वहीं स्थिरता केंद्रित क्षेत्रों में नियोजित विविधीकरण कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है। भारी बिकवाली की। तभी तो कारोबार के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 1,200 अंक तक गिर गया। अंत में बीएसई सेंसेक्स में 1,092 अंक यानी 1.44% गिरावट के 74,775.74 अंक पर सेटल हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 359.40 अंक यानी 1.5% फिसलकर 23,547.75 अंक तक गिर गया।

शेयर का कैसा रहा है प्रदर्शन

स्मॉल-कैप स्टॉक एवीआई पॉलीमर्स ने पिछले 1 महीने में 20% का नुकसान उठाया है। लेकिन, यदि दीर्घकाल में देखें तो 6 महीनों में 10% और 1 साल में लगभग 140% बढ़ गया है। बीएसई में बीते गुरुवार को शेयर 14.49 रुपये पर बंद हुए थे। शुक्रवार को यह गिर कर 13.77 रुपये पर खुले थे। इस बीच यह खबर आ गई। उसके बाद शेयर भागने लगे और पांच फीसदी बढ़ कर 15.21 रुपये पर बंद हुए। इस शेयर में पांच फीसदी का सर्किट लिमिट है।

बैंक, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंड्स में फंसे पैसे वापस दिलाएगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों, बीमा कंपनियों या म्यूचुअल फंड्स में अनक्लेम्ड पड़ा हुआ पैसा आपको आसानी से मिल जाए, इसके लिए सरकार ने शुक्रवार को एक खास पोर्टल लॉन्च किया। इसकी शुरुआत करते हुए वित्तीय सेवाओं के विभाग के सचिव एम नागराजू ने कहा कि इस पोर्टल से लोगों को आसानी होगी और उन्हें उनकी वैध वित्तीय संपत्ति देने के प्रयासों में मजबूती आएगी। आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान के तहत अनक्लेम्ड असेट्स पोर्टल की शुरुआत की गई। यह सिंगल यूनिफाइड ऑनलाइन प्लैटफॉर्म है, जिसके जरिए बैंक खातों में पड़ी अनक्लेम्ड रकम और इंश्योरेंस क्लेम से लेकर इस तरह के शेयरों और म्यूचुअल फंड्स का लोग पता लगा सकेंगे। इस पोर्टल पर जाने पर बैंक डिपॉजिट, इंश्योरेंस क्लेम, म्यूचुअल फंड्स और शेयर्स एंड डिविडेंड के रूप में चार आइकन दिखेंगे। इन पर क्लिक करने से संबंधित पोर्टल्स पर ले जाया जाएगा। बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंड्स के पास काफी अनक्लेम्ड पैसा पड़ा हुआ है आरबीआई के मुताबिक बैंकों में ही करीब 72,000 करोड़ का अनक्लेम्ड डिपॉजिट है सरकार ने यह पैसा उसके मालिकों तक पहुंचाने के लिए शुक्रवार को एक पोर्टल लॉन्च किया इस पोर्टल से लोगों को आसानी होगी और उन्हें पैसा देने के प्रयासों में मजबूती आएगी आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, बैंकों में 72,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के अनक्लेम्ड डिपॉजिट हैं।

अरबपति रैंकिंग में फिसले जुकरबर्ग बेचैन; पेड फेसबुक, वाट्सऐप, इंस्टाग्राम प्लस से वापसी होगी

नईदिल्ली, एजेंसी। अरबपतियों के बीच रैंकिंग रेस में इस साल फिसल गए मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने कमाई बढ़ाने के लिए लोकप्रिय प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सऐप पर सब्सक्रिप्शन के जरिए पेड फीचर्स की शुरुआत का ऐलान कर दिया है। पुराने अकाउंट उसी तरह चलते रहेंगे, लेकिन फेसबुक प्लस, इंस्टाग्राम प्ल्स, वाट्सऐप प्लस नाम से नई सुविधाओं के इस्तेमाल के लिए कंपनी पेड सर्विस चालू करेगी। भारत में पेड सर्विस को आने में समय लगेगा, लेकिन जहां यह पहले चरण में चालू होगा, वहां फेसबुक और इंस्टाग्राम पर इस सुविधा के लिए 3.99 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 378 रुपये खर्च करना होगा। वाट्सऐप प्लस लेने के लिए 2.99 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 283 रुपये देना होगा। मार्क जुकरबर्ग अरबपतियों की फॉर्ब्स सूची में 2025 के दूसरे रैंक से गिरकर 2026 में पांचवें नंबर पर चले गए हैं। हालांकि पिछले साल के 216 अरब डॉलर के नेटवर्थ के मुकाबले उनकी संपत्ति इस साल बढ़कर 222 अरब डॉलर हो गई है, लेकिन धरती के सबसे अमीर एलन मस्क के अलावा तीन लोग उनके ऊपर आ गए हैं। मस्क 839 अरब डॉलर के साथ नंबर एक पर बने हुए हैं, जिनके पास 2025 में 342 अरब डॉलर की संपत्ति थी। 257 अरब डॉलर के साथ गूगल के लैरी पेज दूसरे नंबर पर हैं, जिनके पास पिछले साल 144 अरब डॉलर था। गूगल के ही दूसरे संस्थापक सर्गेई ब्रिन 237 अरब डॉलर के साथ तीसरे

नंबर पर हैं, जो पिछले साल 138 अरब डॉलर पर थे। अमेजन वाले जेफ बेजोस 224 अरब डॉलर के साथ चौथे नंबर पर ठीक मार्क जुकरबर्ग के ऊपर हैं। बेजोस को 2025 में 215 अरब डॉलर का मालिक आंका गया था। व्यापार क्षेत्र की मजबूती की वजह से टेस्ला, एक्स और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क से ऊपर जाना तो फिलहाल किसी अरबपति के लिए संभव नहीं दिख रहा है। लेकिन मार्क जुकरबर्ग से ऊपर जो तीन लोग हैं, उनके बीच अधिकतम 35 अरब डॉलर का फासला लैरी पेज के साथ है। जुकरबर्ग की कंपनी की नई सर्विस से उन्हें यूजरबेस से कमाई बढ़ाने का मौका मिलेगा, जो कंपनी का मुनाफा बढ़ने के साथ शेयर बाजार में भी मजबूती देगा। फेसबुक पर 307 करोड़ से ज्यादा लोग हैं, जिनमें करीब 211 करोड़ लोग हर रोज इसे खोलते हैं। फेसबुक के सबसे ज्यादा 58 करोड़ यूजर भारत में हैं, जबकि अमेरिका में 25 करोड़ लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। वाट्सऐप के 330 करोड़ यूजर में 230 करोड़ डेली यूजर हैं। भारत के लोगों की संख्या 85 करोड़ से ऊपर है।

मेटा का राजस्व 5631 करोड़ डॉलर रहा

इस साल की पहली तिमाही यानी जनवरी से अप्रैल के बीच मेटा का राजस्व 5631 करोड़ डॉलर रहा, जिसमें अकेले विज्ञापन से 5500 करोड़ डॉलर आया। कंपनी की शुद्ध आय 2677 करोड़ डॉलर थी। मुनाफा के हिसाब से देखें तो एक शेयर पर 10.44 डॉलर का लाभ हुआ। फेसबुक प्लस, इंस्टाग्राम प्लस और वाट्सऐप प्लस नाम से पेड सर्विस शुरू होने के बाद मेटा की कमाई बढ़ेगी तो उसका असर मेटा के शेयर से लेकर मार्क जुकरबर्ग के नेटवर्थ तक दिखेगी। 2027 के अरबपतियों की सूची में रैंक वापस हासिल करने के लिए मार्क जुकरबर्ग के पास मौजूदा प्लेटफॉर्म से ही कमाई बढ़ाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

सगाई छोड़कर घर से भाग गई, इस एक कदम ने बदल दी जिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आनल कोटक की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। वह गुजरात की रहने वाली हैं। उन्होंने समाज और परिवार की रूढ़िवादी सोच के आगे झुकने से इनकार कर दिया। वह पारंपरिक व्यापारिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उन्हें पहले होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई से रोका गया। फिर जब सगाई तय कर दी गई तो उन्होंने अपने सपनों के लिए बड़ा रिस्क उठाया। सगाई की रस्मों के बीच सुबह 4 बजे घर से भागकर वह टीवी शो का ऑडिशन देने पहुंच गईं। इस एक कदम ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी। आज आनल इंटरनेशनल रेस्टोरेंट ब्रांड 'द सीक्रेट किचन' की मालकिन हैं। उनकी गिनती देश की जानी-मानी सेलिब्रिटी शेफ में बन चुकी है। वह करोड़ों की कमाई कर रही हैं। आइए, यहां आनल कोटक की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आनल कोटक का जन्म पारंपरिक गुजराती परिवार में हुआ। उनके पिता चाहते थे कि वह या तो यूपीएससी पास करें या सीए-सीएस बनें। इसके उलट आनल की दिलचस्पी कुकिंग और होटल मैनेजमेंट में थी। लेकिन, परिवार ने इसकी इजाजत नहीं दी। इसके कारण उन्होंने बी.कॉम, सीएस और फैशन डिजाइनिंग जैसे अलग-अलग कोर्स किए। उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट 20 साल की उम्र में आया। तब उनकी सगाई की रस्में चल रही थीं। उन्होंने अपनी मौसी की मदद से सुबह 4 बजे चुपके से घर छोड़ दिया ताकि वह 'रसोई महारानी' टीवी शो का ऑडिशन दे सकें। इस ऑडिशन ने उनकी जिंदगी बदल दी। वह शो की विनर ही नहीं बनीं। बजाय इसके उन्होंने गुजरात की सबसे कम उम्र की कुकिंग एक्सपर्ट के रूप में पहचान बनाई।

अब करोड़ों के कारोबार की मालकिन

आनल अपनी दादी और नानी को सबसे बड़ी प्रेरणा मानती हैं। इन दोनों से उन्होंने सीखा कि पेशेवर कुकिंग सिर्फ शौक नहीं है। इसके बजाय हर दिन एक जैसी कंसिस्टेंसी बनाए रखने की साइंस है। सिर्फ 12 साल की उम्र में रामनवमी के एक कार्यक्रम के दौरान कैटरर के न आने पर उन्होंने अपनी नानी की देखरेख में 50 लोगों का खाना खुद तैयार किया था। अपने ससुर और पिता से बिजनेस के गुर सीखते हुए उन्होंने माना कि बॉस बनने से पहले कर्मचारी बनना जरूरी है। इसी सोच के साथ उन्होंने शुरुआत में किचन के बेहद दबाव वाले माहौल में रोज 12 घंटे खड़े रहकर काम किया ताकि वह ग्राउंड-लेवल की बारीकियों को समझ सकें। लोकल टीवी शो पर सफलता और शादी के बाद परिवार के सहयोग से अनल ने बेंगलुरु और मुंबई से प्रोफेशनल कुकिंग की ट्रेनिंग ली। बाद में ऑस्ट्रेलिया से रिमोटली अपनी कुकिंग डिग्री पूरी की। साल 2017 में उन्होंने वडोदरा में अपने पहले रेस्टोरेंट 'द सीक्रेट किचन' की शुरुआत की। इसके इंटीरियर और क्रॉकरी के लिए वह खुद 20 दिन चीन में रहीं। उनके रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी यूएसपी लुप्त हो चुकीं क्षेत्रीय भारतीय रेसिपीज को आधुनिक अंदाज में पेश करना है। मसलन, उनकी नानी की रेसिपी पर आधारित 'मूंग ढोकला' और पिंजरे में परोसा जाने वाला अनोखा 'केज समोसा'।

आरबीआई के लिए वरदान बनी रुपये की गिरावट!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा लेनदेन से आय वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 52 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आरबीआई ने 2024-25 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से 1.11 लाख करोड़ रुपये का विनिमय लाभ अर्जित किया था। आरबीआई ने रुपये की गिरावट और करेंसी मार्केट में उथलपुथल को थामने के लिए बाजार में जमकर डॉलर की बिकवाली की। पिछले फाइनेंशियल ईयर में डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में करीब 9.5 फीसदी गिरावट आई। इस दौरान आरबीआई ने स्पॉट मार्केट में रेकॉर्ड 53.13 अरब डॉलर झोंके। केंद्रीय बैंक ने विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर की बिक्री की और इससे उसके 1.69 लाख करोड़ रुपये की इनकम हुई।

विदेशी स्रोतों से आरबीआई की कुल इनकम पिछले फाइनेंशियल ईयर में 27 फीसदी बढ़कर 3.28 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। आरबीआई फाइनेंशियल ईयर 2026 के लिए सरकार को रेकॉर्ड 2.87 लाख करोड़ रुपये का सरप्लस ट्रांसफर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि 31 मार्च 2026 तक आरबीआई का कुल बहीखाता आकार 15.72 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 91.97 लाख करोड़ रुपये हो गया। परिसंपत्ति पक्ष पर वृद्धि घरेलू निवेश, स्वर्ण भंडार और विदेशी निवेश में क्रमशः 44.9 प्रतिशत, 63.8 प्रतिशत और 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण दर्ज की गई। पहुंची आरबीआई ने 2024-25 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से 1.11 लाख करोड़ कमाए थे पिछले फाइनेंशियल ईयर में डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 9.5 फीसदी गिरा था इसे रोकने के लिए केंद्रीय बैंक ने स्पॉट मार्केट में रेकॉर्ड 53.13 अरब डॉलर झोंके।

और सस्ता हुआ क्रूड, उधर मुंबई में पेट्रोल 111 तो डीजल 97 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में कच्चा तेल लगातार सस्ता हो रहा है। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी शनिवार, 30 मई 2026, को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। मतलब कि बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम जस के तस हैं। इससे पहले बीते सोमवार यानी 25 मई 2026 को पेट्रोल की कीमतों में 2.61 रुपये और डीजल की कीमतों में 2.71 रुपये की बढोतरी की गई थी। इन कंपनियों ने दिल्ली में 11 दिनों में ही प्रति लीटर पेट्रोल 7.35 रुपये तो डीजल 7.82 रुपये महंगा कर चुके हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पहले बताया था कि सरकारी तेल कंपनियों को हर दिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। लेकिन चार चरणों में दाम बढ़ाने के बाद यह घट गया है। कल ही मंत्रालय की संयुक्त सचिव

सुजाता शर्मा ने बताया कि अब यह घाटा कम हो कर हर रोज करीब 750 करोड़ रुपये रह गया है। हालांकि, पिछले साल इंडियन ऑयल, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने 77,821 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में इस समय पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर 1,380 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक आज दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है।

11 दिनों में 4 बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था।

23.5% घटी नोटों की छपाई की कॉस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का करेंसी नोट छापने पर होने वाला खर्च 2025-26 में घटा है। यह 23.5% घटकर 4,875.2 करोड़ रुपये रह गया। पिछले साल यह 6,372.8 करोड़ रुपये था। इसकी वजह यह रही कि इस साल नोटों की छपाई का ऑर्डर कम दिया गया। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वहीं, रिपोर्टों के मुताबिक, 500 रुपये का एक नया नोट छापने की लागत सिर्फ 2 रुपये 29 पैसे आती है। छपाई की लागत में यह कमी तब आई है, जब मार्च 2026 के आखिर में चलन में मौजूद नोटों की कुल कीमत तेजी से बढ़कर 41.23 लाख करोड़ रुपये हो गई। यह एक साल पहले 36.86 लाख करोड़ रुपये थी। यानी इसमें करीब 11.8% की बढ़ोतरी हुई। इससे पता चलता है कि आरबीआई ने करेंसी की बढ़ती जरूरत को पूरा करने के लिए कम संख्या में, लेकिन ज्यादा कीमत वाले नोट छापे। क्रेडिट-टू-जीडीपी रेशियो भी मार्च 2026 के आखिर में अपने नए सबसे ऊंचे स्तर 61.8% पर पहुंच गया। एक साल पहले के 57.4% से यह काफी ज्यादा है। यह दिखाता है कि अर्थव्यवस्था में कुल मिलाकर बढ़ोतरी की रफ्तार बनी रहने के साथ बैंकों की ओर से दिए जाने वाले कर्ज में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। डिजिटल करेंसी के मामले में सर्कुलेशन में मौजूद ई-रुपये की वैल्यू 31 मार्च, 2026 तक घटकर 771.7 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले यह 1,016.5 करोड़

रुपये थी। यह 24.1% की गिरावट दिखाती है कि आरबीआई का सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी पायलट अपनी पहुंच बढ़ाने की लगातार कोशिशों के बावजूद यूजर्स के बीच अभी तक कोई खास पकड़ नहीं बना पाया है। मौजूदा फाइनेंशियल ईयर के लिए अपना एजेंडा बताते हुए आरबीआई ने कहा कि 2026-27 के लिए उसका करेंसी मैनेजमेंट सेंट्रल बैंक ने कहा कि नोटों के प्रोडक्शन में देश में ही आत्मनिर्भरता बनाए रखना (यानी स्वदेशीकरण), नोटों के डिजाइन की उम्र और सुरक्षा को बढ़ाना और सर्कुलेशन में मौजूद नोटों की क्वालिटी को बेहतर बनाना, उसके लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बने रहेंगे।

चलन में सबसे ज्यादा 500 रुपये का नोट

500 रुपये का नोट अब भी सबसे ज्यादा चलन में है। चलन में मौजूद कुल नोटों की कीमत में इसकी हिस्सेदारी 85.5% है। यह कीमत 35.27 लाख करोड़ रुपये बैठती है। इसके 705.48 करोड़ नोट चलन में हैं। यह कुल नोटों की संख्या का 41.2% हिस्सा है। मार्च 2026 के आखिर में करेंसी-टू-जीडीपी अनुपात बढ़कर 12.1% हो गया। यह मार्च 2025 के आखिर में 11.7% था। इससे पता चलता है कि डिजिटल पेमेंट में तेजी से बढ़ोतरी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में लोग अब भी कैश को ही ज्यादा पसंद करते हैं। नोटबंदी के बाद यह अनुपात मार्च 2021 में दर्ज किए गए अपने सबसे ऊंचे स्तर 14.4% से काफी नीचे है। यह स्तर तब पहुंचा था, जब नवंबर 2016 की नोटबंदी के बाद सिस्टम में नए नोटों की भारी आमद हुई थी। ये आंकड़े नोटबंदी के 10 साल होने के करीब आए हैं।

संक्षिप्त

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में सैंटनर को किया शामिल

लंदन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ अपनी टेस्ट टीम में मिचेल सैंटनर को शामिल किया है। सैंटनर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते समय लगी कंधे की चोट से उबर चुके हैं। सैंटनर शनिवार को ब्रिटेन पहुंचे और गुरुवार से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले टीम के साथ जुड़ जाएंगे। 34 साल के सैंटनर को पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज़ के पहले टेस्ट और बेलफ़ास्ट में आयरलैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। स्कैन में पता चला था कि उन्हें "ग्रेड थ्री एसीएल कंधे की चोट" लगी है, जिसके लिए उन्हें एक महीने के रिहैब की जरूरत होगी। न्यूजीलैंड ने कहा था कि ओवल और ट्रेंट ब्रिज में होने वाले दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल होने के मकसद से उन पर नज़र रखी जाएगी।

तनवीर सिंह बाजवा एसएसआई के अध्यक्ष चुने गए

नई दिल्ली, एजेंसी। तनवीर सिंह बाजवा को रविवार को यहां भारतीय स्की एवं स्नोबोर्ड (एसएसआई) का अध्यक्ष और मोहम्मद अरशद को महासचिव चुना गया। यह चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार चुनाव अधिकारी की देखरेख में संपन्न हुए। एसएसआई ने एक बयान में कहा कि चुनाव प्रक्रिया संघ के पात्रता रखने वाले सदस्यों की भागीदारी के साथ पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न की गई। ये चुनाव देश में स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय निकाय के शासन और संस्थागत सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नव निर्वाचित कार्यकारी परिषद ने भारत में शीतकालीन खेलों को और विकसित करने, खिलाड़ियों के लिए अवसरों को बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के प्रदर्शन में सुधार लाने की दिशा में काम करने के वादे के साथ पद संभाला।

जाबरा ओपन में शीर्ष दस में रही अवनी और दीक्षा

एवियन-लेस-बैंस (फ्रांस), एजेंसी। भारतीय गोल्फर अवनी प्रशांत और दीक्षा डागर ने अंतिम दौर में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जाबरा लेडीज ओपन डी फ्रांस में शीर्ष 10 में जगह बनाई। अवनी अंतिम दौर में दो अंडर 69 का स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रही, जबकि दीक्षा (71) ने संयुक्त नौवां स्थान हासिल करके वर्तमान सत्र में तीसरी बार शीर्ष 10 में जगह बनाई। अवनी ने 72-68-69 के कार्ड खेल कर कुल चार अंडर पार का स्कोर बनाया। दीक्षा ने 67-72-71 का स्कोर बनाकर कुल तीन अंडर पार का स्कोर हासिल किया। हेलेन ब्रिम ने सिंगापुर की शैनन टैन पर सात शॉट की शानदार जीत के साथ अपना दूसरा खिताब जीता।

अभय और चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वाश के अगले दौर में

बर्मिंघम, एजेंसी। भारत के अभय सिंह और वीर चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वाश प्रतियोगिता के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं लेकिन रमित टंडन और अनाहत सिंह इस पीएसए डायमंड स्तर के टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मैटियस नुडसेन को 11-8 11-5 11-4 से, जबकि विश्व में 44वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने पाकिस्तान के नूर जमां को 11-8 12-14 11-6 11-7 से हराया। टंडन फ्रांसीसी खिलाड़ी ऑगस्टे डुसोर्ड के खिलाफ मैच के बीच से हट गए। उस समय यह भारतीय खिलाड़ी 14-12 4-7 से पीछे चल रहा था। महिला वर्ग में विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत मिस्र की विश्व में 36वें नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गारास से हार गईं। गारास ने यह मैच 11-8 8-11 11-8 11-9 से जीता।

वैभव सूर्यवंशी विशेष प्रतिभा : सचिन तेंदुलकर

किसी को भी उनके नैसर्गिक खेल के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए

- **सूर्यवंशी की सिर्फ गेंद को हिट करने की क्षमता ही नहीं, बल्कि कलाई का कमाल भी मुझे बहुत प्रभावित कर गया : सचिन**

मुंबई, एजेंसी।

बल्लेबाजी के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए उन्हें 'विशेष' प्रतिभा करार दिया तथा कोच और मेंटोर (मार्गदर्शक) से भारतीय क्रिकेट में तेजी से आगे बढ़ रहे इस खिलाड़ी के नैसर्गिक खेल में हस्तक्षेप नहीं करने का आग्रह किया।

सूर्यवंशी ने पिछले सत्र में आईपीएल में पदार्पण किया था और सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। इस सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमराह, कैगिसो रबाडा और पैट कमिंस सहित दुनिया के प्रमुख गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके खुद को नए मुकाम पर पहुंचा दिया।

तेंदुलकर ने क्रिकइन्फो ऑनर्स में कहा, "हर कोई सूर्यवंशी के बारे में बात कर रहा है। मैंने उन्हें बल्लेबाजी करते देखा और यह शानदार अनुभव था। मेरा मतलब है कि वह वाकई में कुछ खास हैं। उनकी सिर्फ गेंद को हिट करने की क्षमता ही नहीं, बल्कि कलाई का कमाल भी मुझे बहुत प्रभावित कर गया।"

बिहार के समस्तीपुर के 15 वर्षीय खिलाड़ी सूर्यवंशी ने इस आईपीएल के वर्तमान सत्र में 237.31 के शानदार स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए।

तेंदुलकर ने कहा, "मैदान के हर कोने में खेलने के लिए कलाई का अच्छा इस्तेमाल जरूरी है। वह गेंद को जोर से नहीं मारता। वह बाकी बल्लेबाजों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को काफी पहले समझ लेता है और आसानी से छक्का जड़ देता है।'

तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सूर्यवंशी में भविष्य में टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने की प्रतिभा है, लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस किशोर खिलाड़ी से उनके करियर की शुरुआत में ही बहुत अधिक उम्मीद करना सही नहीं है। उन्होंने कहा, "मैं उनसे यही कहूंगा कि वे बस खुद जैसे हैं वैसे ही बने रहें। हर चीज की शुरुआत होती है। टेस्ट क्रिकेट में उम्र के साथ-साथ वह विभिन्न चुनौतियों से निपटना सीखेंगे। यह समस्या का समाधान करने की मानसिकता से जुड़ा है।' तेंदुलकर ने कहा, "समस्याएं तो हमेशा बनी रहेंगी। आपके करियर की आखिरी दिन और आखिरी गेंद तक समस्याएं बनी रहेंगी। गेंदबाज आपके सामने चुनौती पेश करता है और यह आप पर निर्भर है कि आप उससे कैसे निपटते हैं।'

उन्होंने कहा, "वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे देखकर लगता है कि वह उसमें आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा है। वह जानता है कि उसे क्या करना है और इसलिए मैं उसकी नैसर्गिक प्रवृत्ति के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहूंगा।"

तेंदुलकर का मानना है कि सहज दृष्टिकोण को बनाए रखना इस युवा खिलाड़ी के विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, "जिस तरह से वह गेंद को देखता है और जिस तरह से वह उस पर प्रतिक्रिया करता है, अगर उसमें किसी तरह का व्यवधान डाला जाता है तो यह सबसे बड़ी चुनौती होगी। मैं उसे अपने नैसर्गिक अंदाज में खेलने की आजादी दूंगा। समय के साथ-साथ वह खेल की अन्य चुनौतियों से निपटना भी सीख जाएगा।"

तेंदुलकर ने कहा, "केवल मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें किसी न किसी स्तर पर (टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए) देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा।"

इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, "लेकिन किसी भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की जरूरत होती है। अगर वह अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो हमें उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। हमें उसके खेल का आनंद लेना चाहिए और उस पर का दबाव नहीं डालना चाहिए। यह (चयन करना) जिम्मेदारी उन लोगों (चयनकर्ताओं) पर छोड़ दें जिनका यह काम है।"

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज खान

मुंबई, एजेंसी।

बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया।

उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी। यही वह मुख्य कारण था जिसके चलते मैं दो साल तक आईपीएल में जगह नहीं बना पाया। इस अवधि में उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस, क्षेत्ररक्षण कौशल और बल्लेबाजी तकनीक पर लगातार और कड़ी मेहनत की। इसी का परिणाम ये रहा कि उन्हें इस बार अवसर मिल गया है। सरफराज ने दृढ़ता से कहा कि वह भविष्य में भी अपने खेल में सुधार जारी रखेंगे, क्योंकि क्रिकेट में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करुंगी

सोशल मीडिया में समर्थन में उतरे लोग, बढ़ाया हौंसला

- **दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है : दीपेंद्र सिंह हुड्डा**

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछले कुछ समय में उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौंसला बढ़ाते हुए समर्थन किया है।

लोगों ने अपने संदेश में कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी।

इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है। लोगों ने याद दिलाया कि कैसे विनेश ने पहले अपने अधिकारों और न्याय के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर अखाड़े में उतरकर यह साबित किया कि वह किसी भी हाल में हार मानने वाली नहीं है। उनकी हार से ज्यादा, उनके संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बातें पूरे देश में हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा और साहस की मिसाल बताया गया।

विनेश ने स्वयं हार के बाद कहा था कि वह विफल नहीं हुई हैं, बल्कि वह एक पूरी व्यवस्था से लड़ रही थीं। यह बयान उनके प्रशंसकों के बीच छाया रहा।

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

- **हरमनप्रीत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए**

ब्रिस्टल, एजेंसी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिय। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे वह हासिल करने में विफल रही और 9 विकेट पर 142/9 रन ही बना सकी और उसे इंग्लैंड के हाथों 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इस मैच में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी। मध्यक्रम में बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से निचले क्रम पर अधिक दबाव आ गया।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो, एजेंसी।

इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दीहै। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेंगी। टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है :

चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

चिराग-सात्विक ने इंडोनेशियाई जोड़ी को हराकर जीता सिंगापुर बैडमिंटन ओपन का खिताब

सिंगापुर, एजेंसी।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रविवार को सिंगापुर बैडमिंटन ओपन 2026 में पुरुषों का डबल्स खिताब जीतकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अपने दो साल लंबे खिताब के सूखे को आखिरकार खत्म कर दिया।

युगल बैडमिंटन रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी आज यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में दुनिया की तीसरे नंबर की इंडोनेशियाई जोड़ी फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री की जोड़ी को 73 मिनट में 18-21, 21-17, 21-16 के स्कोर से हराया। यह सात्विक और चिराग का टूर पर 2024 थाईलैंड ओपन के बाद पहला खिताब था, जो दो साल पहले मई में ही हुआ था।

ये भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, जो पिछले कुछ सालों में तीन फाइनल में खिताब से चूक गए थे—जिसमें इस महीने की शुरुआत में हुआ थाईलैंड ओपन भी शामिल है—सिंगापुर ओपन जीतने वाली देश की पहली युगल टीम भी बन गए। इससे पहले, साइना नेहवाल, पीवी सिंधु और बी साई प्रणीत ने यह खिताब जीता है, लेकिन ये सभी खिताब एकल वर्ग में आए थे।

पहले गेम में दोनों टीमों के बीच कई बार बढ़त बदली, लेकिन खेल के अहम मोड़ पर इंडोनेशियाई जोड़ी ने बढ़त बना ली। 18-17 से पीछे चल रहे अल्फियान-फिक्री ने लगातार चार अंक हासिल करके बढ़त बना ली।

दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों टीमों के बीच कोई खास अंतर नहीं था। हालांकि, 8-8 के स्कोर पर लगातार छह अंक हासिल करके भारतीय जोड़ी ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

श्रीचरणी को उम्मीद, श्रृंखला जीतने में कामयाब रहेगा भारत

ब्रिस्टल, एजेंसी। भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी ने स्वीकार किया कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत से टीम का काफी आत्मविश्वास बढ़ता लेकिन उन्होंने कहा कि टीम तीसरे और निर्णायक मैच में जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेजबान इंग्लैंड ने शनिवार को दूसरा टी20 मैच 26 रन से जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। भारत ने पहला मैच 38 रन से जीता था। यह श्रृंखला 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। श्रीचरणी ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि हमारे लिए हर मैच जीतना महत्वपूर्ण है, इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है। अगर हम यहां जीत जाते तो यह हमारी लगातार दूसरी जीत होती जिससे हमें और अधिक आत्मविश्वास मिलता।''

आईपीएल | **नये गेंदबाजों का हौंसला बढ़ाने की भी थी जिम्मेदारी**

मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

मुंबई, एजेंसी।

राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था।

जुरेल ने कहा, ''एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।'' इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे।

जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। यह स्वस्थ्य संवाद टीम में एक मजबूत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मध्यक्रम में एक बल्लेबाज के रूप में उनकी जिम्मेदारी साझेदारियां बनाने पर भी रही हैं।

खडसे ने प्रबंधक, कोच और युवा फुटबॉल खिलाडियों से की बातचीत

शिलांग/गुवाहाटी, एजेंसी।

केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने रविवार को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड फुटबॉल क्लब का दौरा कर प्रबंधन, कोचिंग स्टाफ और युवा फुटबॉलरों से बातचीत की। उन्होंने पूरे देश से, खासकर नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र से, फुटबॉल प्रतिभा को पहचानने और निखारने की दिशा में क्लब के प्रयासों की सराहना की। इस दौरे में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मंदार ताम्हणे; रोहित थोरात; तकनीकी निदेशक और रिजर्व टीम के मुख्य कोच नौशाद मूसा; और क्लब की मैनेजमेंट टीम, कोचिंग स्टाफ और युवा फुटबॉलरों के सदस्य शामिल थे। बातचीत के दौरान, क्लब के नेतृत्व ने श्रीमती रक्षा खडसे को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के युवा विकास के दर्शन, प्रतिभा पहचान के ढांचे और युवा फुटबॉलरों के लिए एक टिकाऊ रास्ता बनाने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बारे में जानकारी दी। चयन प्रक्रिया के लिए लगभग 60 होनहार युवा खिलाड़ियों को अंतिम चयन ट्रायल के लिए गुवाहाटी आमंत्रित किया गया था।

अब रोबोट होंगे 'बायो-बोट'

अब वह समय दूर नहीं जब रोबोट्स मानव त्वचा में आना शुरू हो जाएंगे। बायोलॉजिकल रोबोट्स की इस नई पीढ़ी के लिए इंजीनियरों ने कुछ खास सोचा है। वह अब इन्हें मांसपेशियां देने के लिए तैयार हैं। सुनने में थोड़ा अटपटा तो लगता है, लेकिन 'यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस' के शोधकर्ताओं ने ऐसे रोबोट्स वर्ग का प्रदर्शन किया है जो 'बायो-बोट्स' मांसपेशी कोशिकाओं द्वारा संचालित और बिजली के झटकों के द्वारा नियंत्रित किए जा सकेंगे। इन रोबोट्स को 'बायो-बोट्स' के नाम से जाना जाता है। शोधकर्ताओं का समूह जीव विज्ञान के साथ इंजीनियरिंग के सिद्धांतों को एकीकृत करके एक ऐसी जैविक मशीन बनाने में लगे हुए हैं, जो पर्यावरण और चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए उपयोगी हो सकते हैं। इन बोट्स की खासियत है यह कि वे 'स्केलेटल' मांसपेशी कोशिकाओं के बने हैं। इन मांसपेशियों की कोशिकाओं को 'इलेक्ट्रिक पल्स' द्वारा शुरू किया जा सकता है। इन 'बोट्स' की गति को 'इलेक्ट्रिक पल्स' की फ्रीक्वेंसी को समायोजित करके नियंत्रित किया जा सकता है। ज्यादा फ्रीक्वेंसी पर मांसपेशियां ज्यादा जल्दी सिकुड़ती हैं जिससे 'बायो-बॉट' की रफ्तार भी तेज हो जाती है। इससे पहले, शोधकर्ताओं ने चूहों के दिल की कोशिकाओं का उपयोग करके 'बायो-बोट्स' निर्माण करने की कोशिश की थी। लेकिन चूहों के दिल की कोशिकाओं के लगातार सिकुड़ने के कारण शोधकर्ताओं को उसकी गति पर नियंत्रण प्राप्त करने में असफलता प्राप्त हुई। 'स्केलेटल' मांसपेशी कोशिकाओं से शोधकर्ताओं को इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। फिलहाल इन रोबोट्स का आकार छोटा होगा और इनका काम शरीर में मौजूद जहरीले पदार्थों के असर को बिल्कुल खत्म करने का होगा। ऐसे 'बोट्स' के निर्माण से यह बात तो स्पष्ट है कि दुनिया भर में वैज्ञानिक ऐसे रोबोट्स बनाने में लगे हुए हैं जो हमारी तरह दिख सकें, हमारे जैसे चल सकें, हमारी तरह बात कर सकें और जो हमारे ही जैसे कार्य कर सकें।

अब ड्रोन से खींचे सेल्फी...

अब तक आपने लोगों को सेल्फी स्टिक से सेल्फी खींचते हुए देखा होगा लेकिन अब सेल्फी स्टिक जल्द ही बीते जमाने की बात हो जाएगी। अब सेल्फी खींचने के लिए ड्रोन का प्रयोग होने लगेगा। आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने सेल्फी ड्रोन बनाया है। यह सेल्फी ड्रोन बेहतरीन तस्वीरें खींच सकता है और इससे फोटो लेने के लिए आपको अपने हाथ को भी आगे खींचना नहीं पड़ेगा। इस सेल्फी ड्रोन को ऑस्ट्रेलिया की कंपनी आईओटी ग्रुप ने बनाया है। इसका नाम रोम ड्रोन रखा गया है और यह बाजार में आने से पहले बिक्री के लिए उपलब्ध है। इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जून से बेचा जाएगा। कंपनी की सोच एक स्टेराइड से लैस सेल्फी स्टिक बनाने की थी। सेल्फी स्टिक की समस्या यह है कि जितनी लंबी उसकी डंडी होगी, उतनी ही अच्छी तस्वीरें आएंगी। तो विचार यह है कि ऐसी चीज बनाई जाए जो आपके आसपास उड़ कर आपकी तस्वीर खींचे। इसलिए यह ड्रोन बनाया गया है, जो इतना छोटा है कि बैग या जेब में रखा जा सकता है। इसका आकार 600 मिली पानी के बोतल जितना है। सभी को मालूम है कि ड्रोन उड़ते हुए तस्वीरें खींचते हैं। लेकिन यह उनसे अलग इसलिए है कि यह पोर्टेबल है और इसे दूसरी श्रेणी में रखा जा सकता है।

हैरान करने वाली डिवाइसेस...

गैजेट की दुनिया में आपको कई ऐसी डिवाइसेस मिलेंगी जिनका प्रयोग देखकर आप हैरान रह जाएंगे। मूज ब्रेन सेंसर भी ऐसा ही अनोखा गैजेट है जो मस्तिष्क के संकेतों को दर्ज करने और ध्यान के समय आपको शांति मिलती है या नहीं, इसका पता लगाता है। मूज ब्रेन सेंसर में अनेक सेंसर से होते हैं जोकि हैड बैंड से जुड़े होते हैं। यह पुरानी चिंता एवं अवसाद से पीड़ित व्यक्तियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। इसी तरह कार्बन टाइटेनियम एस-1 प्लस ऑटोमैटिक बार टेंडिंग मशीन है जिसे आप अपने स्मार्टफोन पर ऐप की मदद से नियंत्रित कर सकते हैं। अगर आप आलस महसूस कर रहे हैं तो आप इस मशीन को केवल एक बटन दबाकर आदेश दे सकते हैं कि वह कॉकटेल तैयार कर दे लेकिन इससे पहले आपको तय करना होगा कि उस जगह पर सारी सामग्री सही हो।

पर्स का वास्तु...

घर का वास्तु, आफिस का वास्तु, आपकी कार का वास्तु, हर चीज में जब वास्तु का ध्यान रखते आए हैं तो पर्स में वास्तु का ध्यान क्यों नहीं रखा जा सकता? जिस तरह हमारे आसपास का वातावरण हमें प्रभावित करता है। उसी प्रकार हमारा बैग या पर्स भी हमें प्रभावित करता है। सभी चाहते हैं कि उनका पर्स हमेशा पैसों से भरा रहे और फिजूल खर्च न हो। आय बढ़ाने और फिजूल खर्चों में कमी करने के लिए पर्स का वास्तु भी ठीक करने की आवश्यकता है। कुछ लोग पर्स में ही चाबियां भी रखते हैं,

चाबियां रखना अशुभ माना जाता है। किसी भी प्रकार की अपवित्र वस्तु न रखें। फिजूल वस्तुओं को तुरंत निकाल दें। पर्स में सिक्के और नोट दोनों ही अलग-अलग स्थानों पर रखने चाहिएं। पर्स में मृत व्यक्तियों के चित्र रखना भी शुभ नहीं माना जाता। पर्स में संत-महात्मा के चित्र रखे जा सकते हैं। यदि कोई संत या महात्मा देह त्याग चुके हैं तब भी उनके चित्र या फोटो पर्स में रखे जा सकते हैं क्योंकि शास्त्रों के अनुसार देह त्यागने के बाद भी संत-महात्माओं को मृत नहीं माना जाता। पर्स में धार्मिक और पवित्र वस्तुएं रखें। इनसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जिन्हें देखकर मन प्रसन्न होता है। इन्हें भी रुपए-पैसों से अलग ही रखना शुभ है। पर्स में नोट या सिक्कों के साथ खाने की चीजें नहीं रखनी चाहिएं। पर्स में किसी भी प्रकार के बिल या भुगतान से संबंधित कागज नहीं रखने चाहिए। अपने पर्स में एक लाल रंग का लिफाफा रखें। इसमें आप अपनी कोई भी मनोकामना एक कागज में लिख कर रखें। वह शीघ्र पूरी होगी। रात्रि में सोते समय पर्स कभी भी सिरहाने न रख कर उसे हमेशा अलमारी में रखें। अपने पर्स में किसी पूर्णिमा को लाल रेशमी कपड़े में चुटकी भर या 21 दाने अखंडित चावल बांध कर छुपा कर रखने से बेवजह खर्च नहीं होता है।

> पहले वेबसाइट्स आईं, फिर ऐप्स और अब बाट्स का जमाना आने वाला है। तकनीक की दुनिया में इसे सॉफ्टवेयर के लेवल पर बड़े बदलाव की तरह देखा जा रहा है। यह इंसान और मशीन के बीच रिश्ते की शुरुआत है। बॉट्स को वेब रोबॉट भी कहा जाता है। असल में बॉट्स एक खास प्रोग्राम है जो मैसेज का जवाब देता है। यह खास सर्विस के लिए डिजाइन किया जाता है जैसे शॉपिंग के लिए शॉपिंग बॉट्स, सलाह देने के लिए एडवाइजरी बॉट्स आदि।

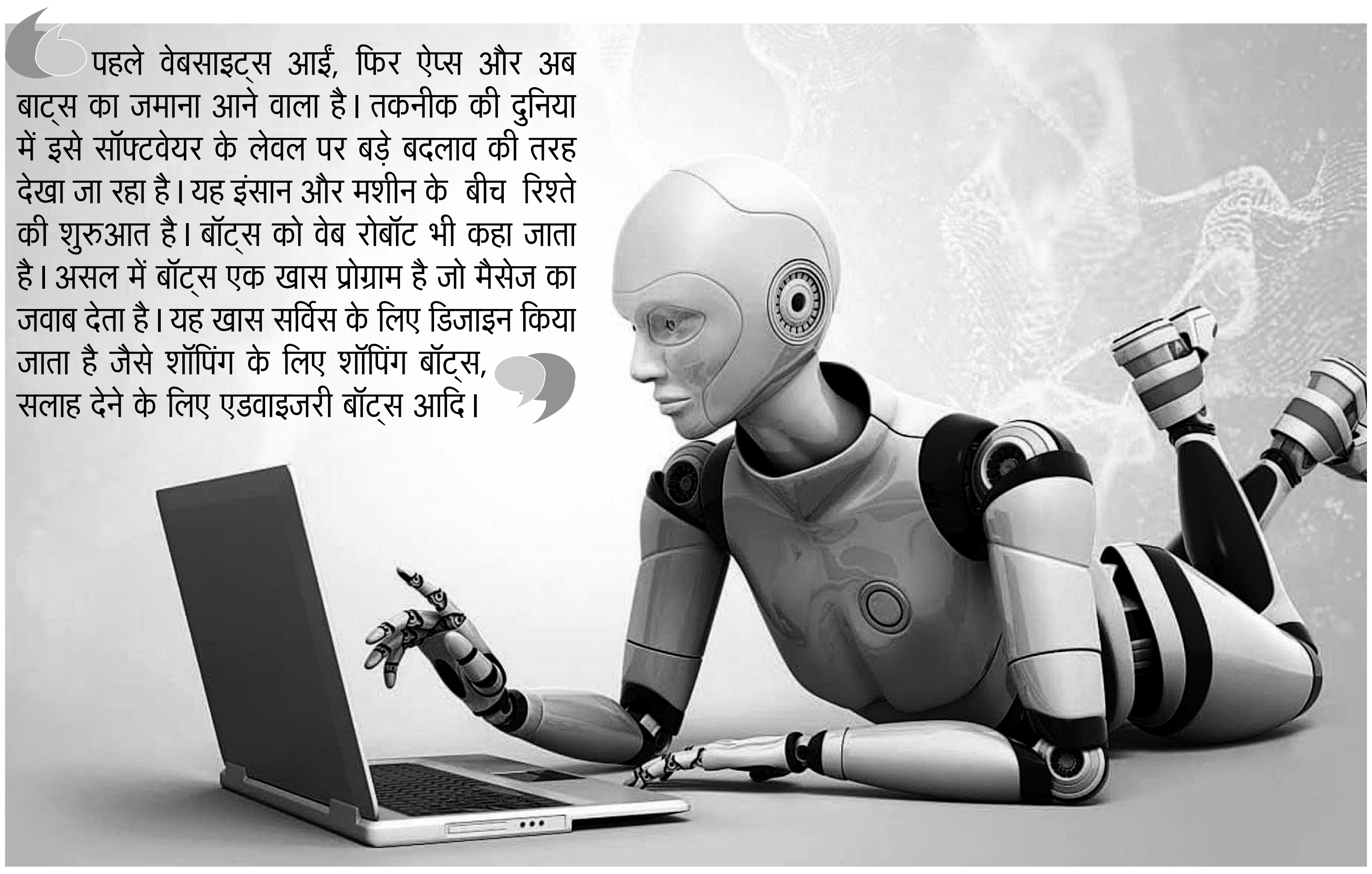

अब बॉट्स का जमाना...

21वीं सदी में चूंकि हर दिन एक नई तकनीक आपके सामने आ रही है इसलिए आपके लिए यह जरूरी हो गया है कि पुरानी तकनीक को छोड़ कर आगे बढ़ें और अपडेटेड रहें। पहले लोगों के लिए वेबसाइट आई, फिर आए मोबाइल ऐप्स लेकिन अब इसके भी आगे की चीज आ गई है जो जल्द ऐप्स की जगह ले सकती है और वो है बॉट्स। जी हां, इसको मनुष्य और मशीन के बीच की एक नई अहम कड़ी माना जा रहा है। साथ ही, यह इंसानों से बात करने और उनकी इच्छा को भापने का एक नया माध्यम बन गया है। अभी आपको कंप्यूटर पर काम करने के लिए कंप्यूटर जैसा बनना पड़ता है लेकिन भविष्य में बॉट्स इंसानों की तरह काम करने को तैयार हैं।

क्या हैं बॉट्स ?

बॉट्स तकनीकी दुनिया की एक नई खोज है जो आपको कंप्यूटर पर अपने तरीके से काम करने की सहूलियत देती है। इन बॉट्स को इंटरनेट के रोबॉट के नाम से जाना जाता है। असल में बॉट्स एक ऐसा नया और खास प्रोग्राम है जिसे मेसेज का जवाब देने के लिए बनाया गया है। ये हर सर्विसेज के लिए अलग बने होते हैं जैसे कि हेल्थ सलाह देने के लिए हेल्थ बॉट्स, वेदर अपडेट के लिए वेदर बॉट्स, शॉपिंग के लिए शॉपिंग बॉट्स, सलाह देने के लिए एडवाइजरी बॉट्स आदि। ये बॉट्स सॉफ्टवेयर और एप्स जैसे ही बनते हैं। इन बॉट्स को अपने या कस्टमर के हिसाब से बनाया जा सकता है। इसके लिए सॉफ्टवेयर डेवलपर को अच्छी तकनीकी की जानकारी होनी चाहिए। लेकिन कुछ कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने ऐसे प्लेटफॉर्म बना दिए हैं जिससे कोई भी बिना मशक्कत के कोडिंग करके इसे बना सकता है। फिलहाल ऐसी कई कंपनियां हैं जो यह प्लेटफॉर्म लोगों को उपलब्ध करा रही हैं जैसे फेसबुक, स्लैक, किक, गपशप आदि। इस सॉफ्टवेयर का कोडिंग का एक सेट लेआउट होता है जिसे प्रोग्रामर जरूरत के हिसाब से कस्टमाइज्ड कर सकता है।

क्या जरूरत है बॉट्स की?

फिलहाल लोग मूल रूप से वेबसाइट और ऐप्स के जरिए ही अपनी जरूरतों तक पहुंचते हैं। जहां लोग मैसेजिंग ऐप्स से हर वक्त एक्टिव रहते हैं वहीं कोई चीज ढूंढने या कोई जानकारी लेने के लिए लोगों को दूसरी साइट या ऐप प्ले स्टोर पर जाना पड़ता है। ऐसे में हर कंपनी का मकसद अपने कस्टमर को अच्छी सहूलियत पहुंचाना बन जाता है। कस्टमर की इसी परेशानी का हल बने हैं ये बॉट्स। मिसाल के तौर पर अगर आपको कहीं जाना है और आपको कैब बुक करानी है तो आपको पहले उसकी वेबसाइट पर जाना पड़ेगा और तब बुकिंग करानी पड़ेगी। लेकिन बॉट्स के जरिए आपकी परेशानी का हल निकल जाता है। इससे न तो आपको बार-बार वेबसाइट पर जाना पड़ता है और न ही ऐप को बार-बार क्लिक करना पड़ता है। आप अपनी मैसेजिंग ऐप से ही कैब या कोई भी अन्य काम कर सकते हैं। इस सुविधा के लिए आपको कोई भुगतान नहीं करना पड़ेगा बल्कि बॉट्स बनाने या चलाने का पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर कंपनी ही करेगी।

कहां हो रहा इतेमाल

बॉट्स भले ही हमारे के लिए नए हों परंतु ये बॉट्स कॉरपोरेट लेवल पर कबके इस्तेमाल होना शुरू हो चुके हैं। कंपनी के एचआर डिपार्टमेंट से लेकर कई और डिपार्टमेंट तक इन बॉट्स का इस्तेमाल हो रहा है। इस बॉट्स का इस्तेमाल कंपनियां एंप्लॉयीज को फीडबैक लेने और देने के लिए कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और फेसबुक जैसी कंपनियां इसका भरपूर इस्तेमाल कर रही हैं। दुनियाभर में कई ऐसी कंपनियां हैं जो इन बॉट्स को इस्तेमाल करने का मन बना रही हैं।

कैसे बनाए जाते हैं बॉट्स

यह कुछ उसी तरह बनते हैं जैसे वेबसाइट्स और ऐप बनते हैं। कोई भी सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर इसको अपनी या कस्टमर की जरुरत के हिसाब से डिजाइन कर सकता है, लेकिन इन्हें बनाने के लिए काफी तकनीकी ज्ञान की जरुरत होती है। कुछ कंपनियों ने इनके प्लेटफॉर्म बना कर इसे काफी हद तक आसान बना दिया है।

आ गए हैं कई बॉट्स

फिलहाल कई मैसेजिंग ऐप्स ऐसी हैं जिन्होंने अपने चैटबॉट्स लॉन्च कर दिए हैं उनमें सब कुछ नाम हैं फेसबुक, स्लैक, टेलीग्राम, हिपचैट और किक। एडवीएफसी, आईसीआईसीआई, पीएनबी मेटलाइफ, फ्लिपकार्ट, ओला और मेरू कैब जैसी कंपनियों ने बॉट्स का इस्तेमाल इन-हाउस ऑपरेशंस के लिए शुरू कर दिया है। अभी कुछ दिनों पहले फेसबुक मैसेंजर पर हेल्थ कंसल्टेंसी लाइब्रेट और ऑटो एग्रीगेटर जुगनू ने अपने बॉट्स लॉन्च किए हैं। लाइब्रेट से यूजर्स हेल्थ से संबंधित और जुगनू से अपना ऑटो बुक आसानी से करा सकता है। यदि चैट करते वक्त आपको भूख लगे तो आप पिज्जा के बॉट्स पर जाकर वैरायटी या रेंज के सवाल पूछ सकते हैं और इसके साथ ही आप आर्डर भी बुक कर सकते हैं और आनलाइन पेमेंट भी कर सकते हैं।

ऐप्स को पीछे छोड़ेंगे

अगर बात करें बॉट्स के रिसपॉन्स की तो अभी ये उतने दमदार नहीं हैं। धीमे चलने वाले ये बॉट्स सवाल का जवाब बहुत जेनरिक या काफी सामान्य देते हैं। कई बार ये सवाल समझने में नाकाम रहते हैं या तो सवाल का सही जवाब नहीं देते हैं। कभी-कभी फनी बॉट्स गालियों का इस्तेमाल चैट में करने लगते हैं। लेकिन इन सबके बावजूद ये धीरे-धीरे ही सही लेकिन आगे बढ़ रहे हैं। हां, इतना जरूर है कि आने वाले समय में ये बॉट्स ऐप्स को पीछे छोड़ सकते हैं और हमारी जिंदगी में एक अहम हिस्सा बन सकते हैं, लेकिन इसकी क्षमता बढ़ाने और इसे बेहतर बनाने में अभी थोड़ा वक्त और लग सकता है।

कैसे शुरू करना है

इस सर्विस को एक्टिव करना काफी आसान है। फेसबुक मैसेंजर पर लाइब्रेट नाम के चैट बॉट को एक्टिव करके हेल्थ सवालों का जवाब मिल सकता है इसे एक्टिव करने के लिए ऐड का ऑप्शन है।

चेहरे या आवाज को बनाएं पासवर्ड...

सभी लोग अपने स्मार्टफोन और टैबलेट की सिक्योरिटी को लेकर परेशान हैं। सिक्योरिटी के लिए तरह-तरह की कोशिश की जा रही है। कभी पैटर्न लॉक लगाया जाता है, कभी पिन इस्तेमाल किया जाता है तो कभी पासवर्ड लगाकर देखा जाता है। सभी के अपने फायदे हैं। यही सिक्योरिटी आपके लिए तब सिरदर्द बन जाती है, जब हर बार आपको अपने पिन, पासवर्ड या पैटर्न लॉक का इस्तेमाल करना होता है ताकि अपने डिवाइस को इस्तेमाल करना पड़ता है। एंड्राइड डिवाइस पर अपने चेहरे को पहचान कर भी ऐसा करना अब संभव है। अगर अपने डिवाइस पर आप ये इनेबल कर देते हैं तो ये पिन, पासवर्ड या पैटर्न लॉक की जरूरत ही खत्म हो जाएगी और सिक्योरिटी के लिहाज से ये बहुत सुरक्षित भी होगा क्योंकि आपके जैसा दिखने वाला दुनिया में कोई नहीं है। ऐसा शायद सिर्फ फिल्मों में होता है।

शुरू करना आसान

फेस रिकग्निशन एंड्राइड डिवाइस और क्रोम बुक के स्मार्ट लॉक नाम के फीचर का हिस्सा होता है। इसको शुरू करना बहुत ही आसान है। बस सिक्योरिटी में जाइए और उसके बाद आपको स्मार्ट लॉक दिखाई देगा। इसको देखने के लिए अपने डिवाइस में आपको स्क्रीन लॉक को एक्टिवेट करना होगा। स्मार्ट लॉक का इस्तेमाल करके आप अपने डिवाइस को अलग अलग तरीके से अनलॉक करने के लिए सेटिंग कर सकते हैं। इसे आप किसी भी अपने दूसरे डिवाइस के साथ जोड़ा बना सकते हैं, अपने चेहरे को भी पासवर्ड बना सकते हैं या फिर अपनी आवाज को।

ऐसे लें तस्वीर

एंड्राइड डिवाइस पर जब आप अपने चेहरे को पासवर्ड बना रहे हैं तो अपनी तस्वीर लेते समय रोशनी बढ़िया होनी चाहिए। स्क्रीन पर आपको एक गोल दिखाई देगा जिसके अंदर आपकी तस्वीर होनी चाहिए। एक बार पासवर्ड के लिए अपने चेहरे को आपने सेट कर लिया, उसके बाद बस स्क्रीन को कुछ सेकेंड के लिए देखिए उसके बाद आप स्क्रीन को स्वाइप कर अनलॉक कर सकते हैं।

ढेर सारे ऐप

कुछ एंड्राइड डिवाइस में आपको यह फीचर नहीं मिलेगा। ऐसे में अगर यह फीचर आपको चाहिए तो ये काम करने वाले ढेर सारे ऐप आपको गूगल प्ले स्टोर पर मिल जाएंगे। वैसे ही वॉइस लॉक करने वाले ऐप भी कई मिल जाएंगे।

नौकरी पाने के लिए न दें झूठी जानकारी

> जल्द नौकरी हासिल करने या अत्यधिक महत्वाकांक्षा के चलते उम्मीदवार नौकरी मांगने के दौरान कई बार योग्यता संबंधी ऐसी जानकारी दे देते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं। हकीकत सामने आने पर वे जॉब से तो वंचित हो ही जाते हैं, उनके आगे की राह भी कठिन हो जाती है।

एक सर्वे के अनुसार वर्तमान समय में ज्यादातर संस्थान अपने कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले शिक्षा संबंधी प्रमाण-पत्रों में गड़बड़ियों की समस्या से जूझ रहे हैं। एक कंपनी छोड़ दूसरी ज्वाइन करने पर दोनों में दी गई जानकारी में भी काफी अंतर देखने को मिल रहा है। यह सही है कि कंपनियां जॉब देते समय उम्मीदवार के पिछले तीन-चार साल का अनुभव, शैक्षिक योग्यता और अंतिम 4-5 साल का पता खंगालती हैं, लेकिन ज्यादातर कंपनियां सीनियर पद पर किसी को ज्वाइन कराते वक्त लचीला रुख अपनाती हैं।

वे उम्मीदवार के प्रोफाइल व पैकेज को ही आधार बनाती हैं। सर्वे बताते हैं कि भारत ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन और अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी ऐसे उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है, जो बायोडाटा में अपनी उपलब्धियों, अनुभव और शैक्षिक योग्यताओं के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर लिखते हैं। बाद में वेरिफिकेशन के दौरान उनकी गलतियां उजागर होती हैं। इन नेगेटिव वेरिफिकेशन रिपोर्ट से न सिर्फ उनकी नौकरी जाती है, बल्कि इंडस्ट्री में उनकी प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है।

नहीं मिल पा रहे सही लोग

ग्लोबलाइजेशन और जॉब मार्केट में कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते हर कंपनी चाहती है कि वह कुशल व प्रतिभाशाली कर्मचारियों को नियुक्त करे। देश में जितनी ज्यादा नौकरियां हैं, उससे कई गुना ज्यादा नौकरी ढूंढने वाले लोग। हर साल देश में लगभग 23 लाख ग्रेजुएट पैदा होते हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर को उनकी पढ़ाई और स्किल्स के मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों में 61 प्रतिशत पद खाली हैं। सबसे ज्यादा अवसर सेल्स, आईटी, अकाउंटिंग, फाइनेंस व ऑफिस सपोर्ट जैसे सेक्टरों में मौजूद हैं। इनमें सही टैलेंट नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि आवेदन के समय उम्मीदवार अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ा कर लिख रहे हैं या झूठी सूचनाएं दे रहे हैं।

दें सही जानकारी

एक अच्छी नौकरी पाने की तलाश में जुटे उम्मीदवार कई बार अपने रेज्यूम में भ्रामक सूचनाएं दे जाते हैं। इसके चलते उन्हें शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए यदि आप किसी नई नौकरी के लिए रेज्यूम देने जा रहे हैं तो अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों और उपलब्धियों के बारे में बताने से पहले विशेष सावधानी बरतें। जॉब की जरूरत के हिसाब से अपनी स्किल्स मैच कराएं। एक-एक बिन्दु का स्पष्ट उल्लेख करें, दूसरों का सीवी कॉपी करने से पहले बचें।

ऐसे होती है हेराफेरी

क्वालिफिकेशन : उम्मीदवार आवेदन के दौरान कई बार ऐसी शैक्षिक योग्यता का जिक्र कर बैठते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं या गलत तरीके से हासिल की गई होती है। ज्यादातर संस्थानों में आवेदन के दौरान ऐसा देखने को मिलता है। बैकग्राउंड चेकिंग फर्म्स के जरिए ऐसे फ्रॉड को पकड़ा जाता है।

फर्जी डिग्री: देश में कई ऐसे संस्थान चल रहे हैं, जिनकी मान्यता नहीं है या उनके कोर्स को संबंधित अथॉरिटी से मान्यता प्राप्त नहीं है। वहां की डिग्री फर्जी डिग्री की श्रेणी में आती है। कई बार अज्ञानता में तो कई बार जान-बूझ कर उम्मीदवार इन डिग्रियों का इस्तेमाल करते हैं।

सेलरी पैकेज: एक कंपनी से दूसरी कंपनी ज्वाइन करने पर सबसे अहम फैक्टर सेलरी पैकेज होता है। मोटा पैकेज पाने की चाहत में उम्मीदवार या तो अपनी स्लिप से छेड़छाड़ करते हैं या फर्जी सेलरी स्लिप बनवाते हैं। एचआर डिपार्टमेंट की छानबीन में इस तरह के मामले पकड़ में आ जाते हैं।

एक्सपीरिएंस: उम्मीदवार एक्सपीरिएंस सर्टिफिकेट के रूप में अकसर किसी ऐसे संस्थान से 2-3 साल का अनुभव दर्शाते हैं, जो वर्तमान में बंद हो चुका होता है या उसकी पुष्टि नहीं हो पाती। कई बार वे अनुभव के साल बढ़ा-चढ़ा कर दिखाते हैं। वे मान कर चलते हैं कि उनका खेल पकड़ में नहीं आएगा, पर वेरिफिकेशन में इस खेल से पर्दा उठ जाता है।

मैरिटल स्टेटस: सैन्य अथवा कई ऐसे सेवा क्षेत्र हैं, जिनमें अविवाहित उम्मीदवारों से आवेदन मांगा जाता है। ऐसे नौकरी के लिए विवाहित उम्मीदवार अकसर अपनी पहचान छुपा लेते हैं। इस आधार पर वे कई साल नौकरी भी कर लेते हैं। बैकग्राउंड अथवा एड्रेस वेरिफिकेशन में इसका पता चलता है।

क्रिमिनल रिकॉर्ड: उम्मीदवारों पर नौकरी के लिए आवेदन देने से पूर्व यदि कोई आपराधिक मामला दर्ज हुआ है तो वे आवेदन में इसका उल्लेख नहीं करते। इस तरह की प्रवृत्ति वाले उम्मीदवारों को कोई भी अपने यहां नहीं रखना चाहता। हेल्थकेयर व फाइनेंशियल कंपनियां ऐसी पृष्ठभूमि की जांच करवाती हैं।

कंपनी का नुकसान

गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों की मंशा कंपनी को नुकसान पहुंचाने की बेशक न हो, लेकिन वह उसकी कार्यनीति और परंपरा को गहरा नुकसान पहुंचा सकती है। गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने पर कंपनी को अपने प्रोजेक्ट में निवेश करने से पहले अयोग्य प्रोफेशनल्स की ट्रेनिंग में पैसा लगाना पड़ता है। इससे उनको भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सुरक्षा की दृष्टि से घातक

अपने बारे में गलत सूचना देने वाले किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदार पद पर बैठाना कंपनी की सुरक्षा की दृष्टि से घातक हो सकता है। चूंकि कंपनियों को गोपनीय सूचनाएं या डेटा लीक होने का खतरा रहता है, इसलिए ज्यादातर कंपनियां किसी व्यक्ति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने से पहले उसकी पूरी छानबीन कराती हैं। कोई कंपनी कभी नहीं चाहती कि ऐसे लोगों को अपने यहां जॉब दे, जिनकी बुनियाद ही झूठ के सहारे रखी गई हो।

ऑनलाइन मॉनीटरिंग

आजकल कई ऐसे एप प्रचलन में हैं, जिनके जरिए उम्मीदवार अपनी योग्यता, अनुभव व अन्य विवरण ऑनलाइन भेज सकते हैं।

इसके लिए आवेदनकर्ता और नियोक्ता दोनों का रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। इस आईडी नंबर के जरिए वे उम्मीदवार का पूरा वेरिफिकेशन कर सकते हैं। यह ऐप जल्द ही सोशल मीडिया 'डिजिटल टैलेंट पूल' के जरिए लोगों को नौकरी पर रखे जाने की प्रक्रिया में अहम भूमिका अदा करेंगे। कंपनियां भी एप्लिकेंट ट्रैकिंग सिस्टम का इस्तेमाल कर रही हैं, जो सीवी का विश्लेषण करता है।

इसलिए आ रही दिक्कत

एक सर्वे के मुताबिक भारत में जितनी नौकरियां पैदा हो रही हैं, उनमें से करीब 90 प्रतिशत के लिए खास स्किल्स की जरूरत पड़ती है।

इसकी ट्रेनिंग स्कूल-कॉलेज अथवा इंस्टीट्यूट में नहीं मिल पा रही, लिहाजा बड़ी आबादी बेरोजगारी का दंश झेल रही है। जल्दी नौकरी पाने की चाहत में उम्मीदवार कई बार झूठी सूचनाएं देकर नौकरी हासिल करने की कोशिश करते हैं या अपने नकारात्मक पहलुओं को छिपाने का प्रयास करते हैं।

पुलिसिया अंदाज में करिश्मा कपूर ने की वापसी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर आखिरी बार 2024 में 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। एक समय अपने रोमांटिक किरदारों के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अब 'ब्राउन' में नजर आने वाली हैं। इस वेब सीरीज का टीजर भी रिलीज हो चुका है, जिसे देखकर फैंस बेहद खुश हैं।

'ब्राउन' में पुलिस अधिकारी बनेंगी अभिनेत्री

वेब सीरीज 'ब्रउन' में करिश्मा कपूर पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। टीजर के मुताबिक वह रीटा ब्राउन का किरदार निभाएंगी, जो एक ईमानदार पुलिस अधिकारी है। इसके साथ ही वह एक बहुत ही गंभीर केस की जांच कर रही है। अपने व्यक्तिगत जीवन में वह कई समस्याओं से जूझ रही है। मगर वह अपने फर्ज को शिद्दत से निभाती है।

'सिटी ऑफ डेथ' उपन्यास पर आधारित वेब सीरीज 'ब्राउन' की कहानी मुख्य रूप से उपन्यास 'सिटी ऑफ डेथ' पर आधारित है, जिसे 2016 में अभेक बरुआ ने लिखा था। सीरीज का मुख्य किरदार रीता ब्राउन एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है, जो अपने आस -पास की दुनिया से ऊब चुकी है। इसके साथ ही वह शराब की लत से जूझ रही है। यह सीरीज टीजर देखने पर किसी साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा जैसी लग रही है।

कब रिलीज होगी सीरीज?

वेब सीरीज 'ब्राउन' से सिर्फ करिश्मा ही नहीं, बल्कि हेलेन भी अभिनय की दुनिया में वापसी कर रही हैं। इसके साथ ही सीरीज में सोनी राजदान, सूर्या शर्मा और के. के. रैना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि वेब सीरीज की रिलीज डेट की कोई आधिकारिक घोषणा अभी तक नहीं हुई है।

करियर के शुरुआती दौर में हुमा ने झेली बॉडी शेमिंग

अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। हाल ही में हुमा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में अपने लुक्स और शक्ल-सूरत को लेकर मिले निगेटिव रिएक्शन पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि इस तरह के कमेंट्स से उनका मनोबल भी कम हुआ था।

लगातार जज किए जाने से प्रभावित होता है आत्मविश्वास

हाल ही में हुमा कुरैशी नेहा धूपिया और अंगद बेदी द्वारा होस्ट किए जाने वाले चैट शो 'डबल डेट' के हालिया एपिसोड में नजर आईं। हुमा अपने भाई और अभिनेता साकिब सलीम के साथ शो में शामिल हुईं। इस दौरान हुमा ने ट्रोलिंग और बॉडी शेमिंग से निपटने के अपने अनुभव के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरी दूसरी फिल्म के बाद मुझे अपने रूप-रंग और लुक्स के बारे में बहुत सारी निगेटिव प्रतिक्रियाओं का सामना करने को मिला। इसने मुझे बहुत प्रभावित किया और मैं कुछ समय के लिए काफी निराश हो गई थी और एक बार को खुद गिव अप कर दिया था। मुझे लगता है कि जब लगातार आपको जज किया जाता है, तो यह आपके आत्मविश्वास को प्रभावित करने लगता है।

ऐसे अपने लुक को लेकर आया कॉन्फिडेंस

इस दौरान हुमा ने अपनी इनसिक्योरिटीज और ऑनलाइन ट्रोलिंग से निपटने के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे समय के साथ उन्होंने खुद पर विश्वास करना शुरू किया। हुमा ने कहा कि समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि मुझे बाहरी शोर से दूर रहकर खुद पर ध्यान देना होगा। मैंने ध्यान करना, अपनी फीलिंग्स को लिखना, डायरी लिखना और यहां तक कि थेरेपी लेना शुरू किया। धीरे-धीरे मैं खुद को और अपने रूप-रंग को लेकर कॉन्फिडेंट होने लगी। आज मैं जोक्स पर हंस सकती हूं, यहां तक कि खुद पर भी जोक सुना सकती हूं और चीजों को बहुत पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। अब मैं अपने आप में कहीं अधिक आत्मविश्वासी और कंफर्टेबल फील करती हूं।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी हुमा

वर्कफ्रंट की बात करें तो हुमा कुरैशी आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'सिंगल सलमा' में नजर आई थीं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में यश के साथ 'टॉक्सिक' शामिल है। इसमें हुमा के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगी। दो रिलीज डेट टलने के बाद अभी फिल्म की नई रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

अर्जुन रामपाल का नॉर्थ अमेरिका में डीजे टूर का ऐलान

अर्जुन रामपाल ने हाल ही में 'धुरंधर' में अपने नेगेटिव किरदार से शानदार धमाका किया था, और अब वह एक और बड़ा धमाका करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार एक्टिंग नहीं, बल्कि ष्छ्व कंसोल के पीछे से। अर्जुन ने नॉर्थ अमेरिका में अपने डीजे टूर का ऐलान किया है। बड़े स्टेज, जबरदस्त एनर्जी और शानदार नाइट्स के साथ अर्जुन अपनी टूर की शुरुआत 28 मई को अटलांटा से करेंगे। इसके बाद 29 मई को सैन फ्रांसिस्को, 30 मई को ह्यूस्टन, 31 मई को डलास, 4 जून को शिकागो, 5 जून को वॉशिंगटन डीसी, 6 जून को न्यूयॉर्क, 7 जून को टोरंटो, 11 जून को वैंकूवर और 13 जून को लॉस एंजेलिस में परफॉर्म करेंगे। अर्जुन ने अपने इंस्टाग्राम पर टूर की जानकारी शेयर करते हुए लिखा, 'नॉर्थ अमेरिका, अब तुम्हारी बारी है!

सीरियस रोल्स छोड़ कॉमेडी फिल्म करने पर मृणाल ठाकुर ने कही बड़ी बात

मृणाल ठाकुर अब पहली बार डायरेक्टर डेविड धवन की कॉमेडी दुनिया का हिस्सा बनने जा रही हैं। उनकी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' एक फुल ऑन रोमांटिक-कॉमेडी एंटरटेनर है, जिसमें मृणाल का बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। अब तक मृणाल को ज्यादातर सीरियस, इमोशनल और थ्रिलर फिल्मों में देखा गया है। लेकिन इस बार वो कॉमेडी और मस्ती से भरी कहानी में नजर आएंगी। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मृणाल ने बताया कि अगर उन्हें कॉमेडी जॉनर में कदम रखना था, तो वो सिर्फ डेविड धवन की फिल्म से ही करना चाहती थीं।

तीन फिल्मों के लिए मुझे साइन कर लीजिए

मृणाल ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'डेविड सर, काश मैं आपसे अपने करियर में बहुत पहले मिली होती। तब शायद मुझे आपके साथ और भी ज्यादा फिल्में करने का मौका मिलता। मेरे मन में तो यही चल रहा था कि सर कम से कम तीन फिल्मों के लिए मुझे साइन कर लीजिए।' एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इस फिल्म में काम करने के बाद उनकी कॉमिक टाइमिंग पहले से काफी बेहतर हो गई है। उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के लिए बेहद खास बताया। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन, पूजा हेगड़े, मृणाल ठाकुर और मनीष कॉल पहली बार साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म को एक मजेदार फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी ये फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

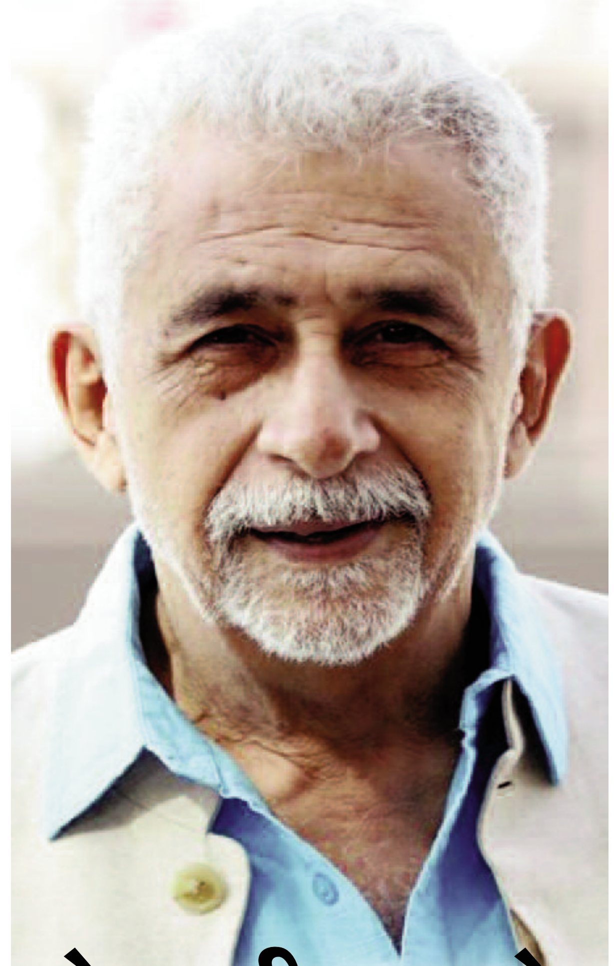

जेआरडी टाटा के किरदार में नजर आएंगे नसीरुद्दीन शाह

भारतीय सिनेमा में कई बार ऐसी कहानियां देखने को मिलती हैं, जो मनोरंजन के साथ-साथ लोगों को प्रेरणा भी देती हैं। इन दिनों एक नई वेब सीरीज 'मेड इन इंडिया- ए टाइटन स्टोरी' चर्चा में है, जो भारत के सबसे मशहूर और भरोसेमंद ब्रांड्स में से एक 'टाइटन' की प्रेरणादायक कहानी दिखाने जा रही है। इस सीरीज में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह देश के प्रसिद्ध उद्योगपति जेआरडी टाटा का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया। इस दौरान नसीरुद्दीन शाह ने शो और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जेआरडी टाटा की सबसे खास बात उनका शांत आत्मविश्वास था, जिससे वह लोगों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते थे। मंगलवार को रिलीज हुए ट्रेलर की शुरुआत एक भारतीय घड़ी ब्रांड बनाने के विचार से होती है और धीरे-धीरे एक बड़े और सफल ब्रांड बनने तक पहुंचती है। यह सीरीज लेखक विनय कामथ की चर्चित किताब 'टाइटन - इंडियाज मोस्ट सक्सेसफुल कंज्यूमर ब्रांड' पर आधारित है। सीरीज दिखाती है कि किस तरह एक सपना और उस पर किया गया भरोसा इतिहास बदल सकता है। इस सीरीज में जहां नसीरुद्दीन शाह जेआरडी टाटा की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं जिम सर्भ मशहूर बिजनेसमैन जेरक्सेस देसाई के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा वैभव तत्ववादी, नमिता दुबे, लक्षवीर सरन और कावेरी सेठ भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। नसीरुद्दीन शाह ने सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा, ''मुझे जेआरडी टाटा का व्यक्तित्व बेहद खास लगा। वह ऐसे इंसान थे जो लोगों की प्रतिभा पहचानते थे और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देते थे। आज के समय में ऐसा विश्वास और धैर्य बहुत कम देखने को मिलता है। जेआरडी टाटा लोगों को यह एहसास दिलाते थे कि वे अपनी सोच से कहीं ज्यादा बड़ा कर सकते हैं।''

नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''मेड इन इंडिया- ए टाइटन स्टोरी' सिर्फ एक कंपनी या ब्रांड की कहानी नहीं है। यह इंसानी भरोसे, मेहनत और साहस की कहानी है। कई बार लोग किसी नए विचार पर भरोसा करने से डरते हैं, क्योंकि उस समय सफलता दिखाई नहीं देती, लेकिन यह कहानी दिखाती है कि अगर किसी विचार पर विश्वास किया जाए और मेहनत जारी रखी जाए तो वह बड़ी सफलता में बदल सकता है। जेआरडी टाटा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।'' वहीं, अभिनेता जिम सर्भ ने भी अपने किरदार और सीरीज को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा, ''जेरक्सेस देसाई ऐसे इंसान थे, जो परंपराओं से हटकर सोचने की हिम्मत रखते थे। वह उन चीजों की कल्पना करते थे, जिनके बारे में उस समय शायद कोई सोच भी नहीं सकता था। मुझे इस शो की सबसे खास बात यह लगी कि यह सिर्फ बिजनेस और सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह इंसानी भावनाओं और संघर्षों को भी बहुत खूबसूरती से दिखाती है।''

चेहरे पर झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, कई बार सेल्फ डाउट से गुजरी हूं

आईएएस की तैयारियों में मसरूफ रूबीना जब मिस शिमला बनीं, तो उनके जीवन की धारा मुड़ गई। हालांकि उनके पिता डिस्ट्रिक्ट लैंग्वेज ऑफिसर और लेखक थे, तो भाषा और कला उनके खून में थी। सेब का बिजनेस करने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली रूबीना हिमाचल के एक छोटे-से कस्बे से मुंबई आईं और छोटे पर्दे पर छा गईं। अपने करियर में हर तरह का काम कर चुकी रूबीना आज दो जुड़वा बेटियों की प्राउड मदर हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपने नए रिएलिटी शो द वार्ड से। उनसे एक खास बातचीत।

आम तौर पर हमारे समाज में बेटे को घर का चिराग और वंश को आगे बढ़ाने वाला माना जाता है। रूबीना ने स्वयं इस मानसिकता को अपने घर में महसूस किया है। वे कहती हैं, 'मुझसे आज भी मेरे गांव वाले पूछते हैं कि रूबीना तुम बेटे के लिए ट्राई करने वाली हो, तो मैं कहती हूं, मुझे भगवान ने दो बेटियां दी हैं। मैं एक जॉइंट फैमिली में पैदा हुई और मेरे घर में भी हम तीन बहनें थीं। मेरी मम्मी पर हमेशा से प्रेशर था कि बेटा होना चाहिए और उसी प्रेशर के चलते हम तीन बेटियां भी हुईं। मगर फिर मेरे पिता ने तय किया कि वे अपनी तीनों बेटियों को बेटे की तरह पालेंगे। अब जब मैं अपने घर जाती हूं और दादी को पूछती हूं कि क्या उन्हें अब भी पोते की खलिश है, तो वे कहती हैं, नहीं अब वे संतुष्ट हैं अपनी पोतियों से, तो कहीं न कहीं पीढ़ी दर पीढ़ी हमने ये सोच बदली है। ये हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि हम एक छोटे-से गांव से ताल्लुक रखते हैं।

शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए

एक समय मिस शिमला रहीं रूबीना ने जब टेलिविजन की दुनिया में कदम रखा, तो वे टीवी पर हाइली पेड ऐक्ट्रेस बन गईं, मगर उन्हें भी सेल्फ डाउट्स से गुजरना पड़ा है। वे कहती हैं कि वे अब भी सेल्फ डाउट्स का सामना करती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'अपनी टीनएज में सेल्फ डाउट था कि थोड़ी-सी छोटी हूं, थोड़ी-सी मोटी हूं, शायद रोल्स न मिलें। एक डायरेक्टर ने तो मुंह पर कह दिया था कि आपका चेहरा काफी नेगेटिव है, तो आपको रोल नहीं मिलेंगे। पहले शो में तो अभिनय आता ही नहीं था। शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए थे। डायरेक्टर ने पीछे से चिल्ला कर कहा, 'ये सेब की पेटी जो हिमाचल से लाए हो, हिमाचल वापिस भेज दो।' मगर फिर अपने सेल्फ डाउट्स की जर्नी को मैंने एक सक्सेज स्टोरी में तब्दील किया।

चेहरे की झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, सेल्फ डाउट मदरहुड में रूबीना के लिए सेल्फ वर्थ बहुत मुश्किल रहा। वे कहती हैं, 'हाल ही में किसी ने मुझसे पूछा कि आप आखिरी बार कब रोईं, तो मैंने कहा, 'चार दिन पहले' क्योंकि अभी डेढ़ -दो महीने पहले ही मैं अपने पोस्टपार्टम डिप्रेशन से उबरी हूं। उस डिप्रेशन के बारे में आपको कोई नहीं बताता। इस पोस्टपार्टम डिप्रेशन में हमें ये कह कर चुप कराया जाता है, 'डोंट बी अ वोक'(दिखावे की प्रगतिशील मत बनो) मगर ये वॉकिज़्म नहीं है। एक साइकॉलजिकल अंधियारा होता है। मैं पूरी तरह से बदल गई थी। सूखा चेहरा, रूखे बाल, बढ़ा हुआ वजन, चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी थीं। सुबह उठकर आईना देखने का मन नहीं करता था। कभी बिलकुल खाने का मन नहीं करता, तो कभी सिर्फ स्ट्रेस ईटिंग किया करती थी।'

बच्चे की पैदाइश के बाद मां का नया जन्म होता है

रूबीना बताती हैं, 'मैं तो अपने बच्चों के लिए सिब्लिंग्स इसलिए चाहती थी कि मेरे बच्चे आपस में दोस्त हों। हम तीन बहनें हैं और एक उम्र मैंने कर समझ में आया कि बहनों से बेहतर दोस्त कोई हो ही नहीं सकता। ट्विंस मॉम के रूप में मेरी अपनी खुद की एक जर्नी रही है, तो यही वजह है कि मैं शो द वार्ड से जुड़ी।' अपने शो के बारे में वे कहती हैं, 'यह एक ऐसी कम्युनिटी है जहां नई मांएं और गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक साथ रहती हैं। हमने यह प्लेटफॉर्म इसलिए बनाया क्योंकि अक्सर लोग कहते हैं, 'मां बनना कौन-सी बड़ी बात है?' लेकिन सच तो यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी बातों में से एक है। एक औरत जब बच्चे को जन्म देती है, तो उसके साथ उसका खुद का भी नया जन्म होता है। हमारे शो में 10 महिलाएं हैं जो अलग-अलग ट्राइमेस्टर में हैं। वे अपने अनुभव, डर, भावनाएं, मूड स्विंग्स और पूरी यात्रा को एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। यह एक ऐसा कॉन्सेप्ट है, जिसके बारे में हमने पहले कभी खुलकर बात नहीं की।'

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009